HRCI ani VISILIA The Gazette of India

R1027]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 5, 1980 (आषाढ़ 14, 1902)

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 27]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 5, 1980 (ASADHA 14, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखा गरीक्षक, संघ लोक सेशा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 मई 1980

सं० ए० 31013/1/60 - प्रशा० II - - श्राध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोगद्वारा श्री के० आर० क्व० नायर को 1 अप्रैल, 1980 से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधि-कारी (मलयालम) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन, प्रवरसचिव, कृते श्रध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक जून 1980

सं० ए० 31014/3/80-प्रणा० III---राष्ट्रपति हारा भारतीय प्रणासनिक सेवा श्रादि परीक्षा, 1976 के श्राधार पर संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में परिवीक्षाधीन हैसियत में नियुक्त कुमारी जयलक्ष्मी नायर को 1 जून, 1980 से उसी संवर्ग में उक्त सेवा के श्रनुभाग गधिकारी ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

> एस० वालश्वस्ट्रन, श्रवर सचिव, सुंग लोक सेवा भ्रायोग

गृह मंद्रालय

नई बिल्ली, दिनांक 9 जून 1980

संव एक ० 2/23/80-स्थापना (के० रि० पुंब०) पर्स-4---राष्ट्रपति श्री बीरबल नाथ, ब्राई० पी० एस० (पंजाब-1950) को 12 मई, 1980 के अपराह्म से अगले ब्रादेश होने तक केन्द्रीय रिजर्ब युलिस बल का महा निदेणक नियुक्त करते हैं।

> नरेन्द्र प्रसाद, निवेशक

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो नई विल्ली, दिनांक 12 जुन 1980

सं ० ए-35013/23/80-प्रणा०-5--श्री बी०पी० तिवारी, श्रींपरतीय पुलिस सेवा (1967-पंजाब), पुलिस प्रधीक्षक, केन्द्रीयं अन्त्रेषंण ब्यूरो, विभेष पुलिस स्थ ना ने दिनांक 31-5-80 के प्रपास में पुलिस ग्रधिक्षक, केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो विभेष पुलिस ग्रधिक्षक, केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो विभेष पुलिस ग्रधिक्षक, केन्द्रीय अन्त्रेषण व्यूरो विभेष पुलिस ग्रधिक्षक, केन्द्रीय अन्त्रेषण व्यूरो विभेष पुलिस ग्रधिक्षक, केन्द्रीय अन्त्रेषण व्यूरो विभोष पुलिस ग्रधिक्षक विभाग विभाग

की० ला० गोषर प्रशासनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय प्रस्मेपूण स्यूरो

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 जून 1980

सं० एफ० 2/38/78-स्थापना—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित चिकित्सा मधिकारियों को जनरल पूर्व आफीसर ग्रेड \rightarrow II के पद पर दिनाक 4-6-1980 से स्थाई, रूप में निमुख्त करते हैं:-

- 1, डा० धार० एन० त्रिपाठी
- 2. डा० हमीदुल्ला शेख
- 3. डा० श्योकत भ्रलीखान
- 4. डा० गिरीश चन्द्र सत्पथी
- डा० नरेश कुमार अगनिहोत्नी

के० म्रार० के० प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय, केन्द्रीय ग्रीबोिंगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 10 जून 1980

सं० ई०-38013(3)/17/79-का नियानिक नामक निर्माणिक निर्माणिक निर्माणिक स्थानांतिरित होने पर श्री डी० एस० बदवाव ने 10 मई 1980 के. अपराह्म से के० श्री० सु० बल यूनिट एच० हैं सी० रांची के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ विर्माणिक स्थापक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ विर्माणिक स्थापक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ विर्माणिक स्थापक कराये हैं।

Coll हुं अपठनीय Promise महीमिरीक्षक Date of Transfer

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जून 1980

सं० 11/2/80-प्रशा०-1--राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री एव० एव० सहाय को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 27 मई, 1980 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री सहाय का मुख्यालय पटना में होगा।

> पी० पव्मनाभ, भारत के महापंजीकार

वित्त मंद्रालय ग्रार्थिक कार्यं विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक

1980

नस्ती कमांक बी एन पी/जी/4/79—श्री बी० पी० भन्ता स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक को दिनांक 6-6-80 (पूर्वाह्न) से 6-7-80 (मध्याह्न) तक श्रह्मायधि श्रवकाश रिवित में तंदर्थ श्राधार पर उप नियंत्रण श्रधिकारी के पद पर रूपये 650-3C-740-35-810-द० रो०-35-810-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है।

पी० ए**स**० शिवराम, महाप्रबन्धक

कार्यालय निदेशक लेखा (डाक)

कपूरथला-144601, विनांक 30 मई 1980

कार्यालय आदेश सं० प्रशासन/ए-6/अनुशासनारमक/बृटा-सिंह/418—श्री बूटा सिंह सुपुन्न (स्वर्गीय) श्री चतर सिंह जो इस कार्यालय में अवर लेखाकार के पद पर था। 25-8-1979 से अनिधकृत गैर हाजिरी पर था तथा इस कार्यालय द्वारा भेजें गए जापन जो कि उस के विये हुए पते पर भेजें गए थें में से किसी की भी प्राप्त स्वीकृति उस ने नहीं दी। विभागीय नियमों के अधीन धनुशासनारमक कार्यवाही करने के उपरान्त उसे 9-5-1980 पूर्वाल्ल से नौकरी से निकाल जाने का निर्णय किया गया था। चूंकि वह रजिस्टर्ड लिफाफा जिस में उक्त कर्मेचारी के नौकरी से निकाल जाने का आधेश था और जो उसके पते पर भेजा गया था, बिना वितरण के वापित आ गया है इसलिए अधि-सुचित किया जाता है कि श्री बूटा सिंह सुपुत्र (स्वर्गीय) श्री धतर सिंह को 9-5-1980 (पूर्वाल्ल) में नौकरी से हटाया गया है।

्एस० ग्रार० हिरेमठ, निदेशक लेखा (डाक)

रक्षा मंत्रालय भ्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्त्व, दिनांक 12 जून 1980

र्ि ज से हैं 3/80/ए/एम - राष्ट्रपति महोदय, डा॰ विष्णु दास मंडल को महाएक चिनि सा अधिकारी के पद पर, गन एएड शेल फैक्टरी, काशीपुर में दिनांक 14-2-1980 े, श्रागामी श्रादेण न होने तक नियुक्त करते हैं।

> ग्रो० पी० बहल, ग्रपर महानिदेशक, ग्राडनन्स फक्टरियां सदस्य (कामिक)

कलकत्ता, दिनांक 10 जून 1980

सं० 33/80/जी—वार्षक्य निवृति झायु (58 वर्ष) प्राप्तक्र श्री झार० एन० दत्ताः, स्थानापन्न झपर महानिदेशक श्राडंनैन्स फैक्टरियां/सदस्य, झाडनैन्स फैक्टरी बोर्ड (मौलिक एवं स्थायी श्री०डी०जी०झो०एफ०—स्तर-1) दिनाक 31 मई, 1980 (झपराह्म) में सेवा निवृत हुए ।

दिनांक 11 जून 1980

सं० 34/जी/80-राष्ट्रपति महोदय, श्री एच० पी० चटर्जी को विशेषज्ञ के पद पर दिनांक 1ली श्रगस्त 1979 से 31 जनवरी 1980 तक 6 माह के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० 35/जी/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित ग्रिधि-कारियों को, स्थानापस प्रथन्धक/वृश्यिक छी० ए० डी० जी० ग्रो० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्णाई गई तारीख से, भागामी ग्रादेश न होने तक, तिथुवन करते हैं।

(1) श्री बी० कृष्णन्, स्थायी डी० ए० डी० जी० ाली ग्राप्रैल

1980

		The second secon
(2)	श्री ग्रार० शंकर रामन,	1ली अप्रैल 1980
	स्थायी उप-प्रबन्धक	
(3)	श्री एस० के० पी० विश्वना थ न,	वही
	स्थायी अप-प्रबन्धक	
(4)	श्री वाई० पी० ग्ररोरा,	वही
	स्थायी छप-प्रबन्धक	
(5)	श्री एस० कृष्णमूर्ति,	वही
	स्थायी उप-प्रबन्धक	
(6)	श्री एस० वैद्यनाथन्,	ष ही
	स्थायी उप-प्रबन्धक	
(7)	श्री पी० एस० रस्तोगी,	वही
	स्थायी उप-प्रबन्धक	
(8)	श्री बी॰ बी॰ रस्तोगी,	वही
	स्थायी उप-प्रबन्धक	
(e)	श्री जी० एन० गोयल,	वही
	स्थायी श्री०ए० बी०जी०	
(10)	श्री बी० एस० गुप्ता,	वही
	स्थायी उप-प्रबन्धक	
(11)	श्री बी० एस० जवाहरलाल,	वही
	स्थायी डी० ए० डी० जी०	

सं० 36/जी/80—-राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित प्रधि-कारियों को, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/डी० एस० भ्रो० के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख से, श्रागामी श्रादेश न होने तक, नियुक्त करते हैं।

(1) श्रीके० म्राई० चाकुनी,	2रीं भई ,
स्थायी फोरमैन	1980
(2) श्री एस० एस० गुहा ठाकुर्ता,	1 लीं मई,
स्थानापन्न एस० ए०	1980
(3) श्री ए० के० राज्य,	वही
स्थानापन्न फोरमैन	
(4) श्री देव राज्मेहरा,	वही
स्थानापन्न फोरमैन	
(5) श्री बी० डी० डोल,	2री मई,
स्थानापन्न फोर मै न	1980

बी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक, श्रार्श्वनेन्स फैक्टरियां

इस्पात श्रीर खान मन्द्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 जून 1980

सं० 4430बी०/ए-32013 (ए० म्रो०)/78-80/19ए०— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के म्रधीक्षक श्री एस० बनर्जी को प्रणासनिक म्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो० 40-1200 रु० के वेसनमान में, म्रस्थाई क्षमता में, म्रागामी भावेश होने तक 27-3-1980 के पूर्वाह्म से पदोक्तति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 4442बी/ए-32013 (ए० घ्रो०)/78-80/19 ए०— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित ग्रघीक्षकों को प्रणासनिक ग्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेसन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेसनमान में, ग्रस्थाई क्षमता में, ग्रागामी ग्रावेण होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा हैं:—

ऋ० नाम सं०	नियु क्ति - तिथि
1. श्री जी० सी० राम	18-4-80 (पूर्वाह्न)
2. श्रीबी० एल० चकवर्ती	18-4-80 (भ्रपराह्न)

दिनांक 10 जून 1980

सं० 4505 बी०/2339 (एल० एस०)/19बी० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद्श्री लक्ष्मी सिंह ने श्रपने पद का कार्यभार छसी विभाग से त्याग-पत्र पर 10-10-79 के पूर्वाह्न से छोड़ दिया है।

बी० एस० कृष्णस्वामी, महा निदेशक

सूचना भीर प्रसारण मंद्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 10 जून 1980

सं० 5/31/70-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के स्थानापन्न छायाग्राहक श्री ए० एस० पाटिल को दिनांक 24-4-1980 के सुपराह्न से उनके सहायक छायाग्राहके के स्थायी पद पर प्रत्यावितित किया।

न० ना० शर्मा, कार्यकारी प्रशासकीय ग्रक्षिकारी कृते मुख्य निमति।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्सी, विनांक 13 जून 1980

सं० ए०/2026/29/78-(एन० टी० ग्राई०) प्रणासन I— राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर के कविष्ठ जीवाणु विज्ञानी, श्री एन० नगानायन को 6 फरवरी, 1980 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक उसी संस्थान में जीवाणु विज्ञानी के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु श्रमुसन्धान केन्द्र

परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान

कलकत्ता-64, दिनांक 26 मई 1980

सं० वी० ई० सी०/ग्रो०/कार्मिक-पीकेबी/5329 भाभा परमाणु ग्रनुसन्धान केन्द्र की कलक'ता स्थित परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान परियोजना के स्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी) तथा स्थानापंघ वैज्ञानिक ग्रधिकारी (एसंबी) श्री प्रकान्त कुमार भास्कर का निधन 22 जनवरी, 1979 को हो गया।

> बी० सी० पाल, प्रणासनिक श्रधिकारीनाम

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय श्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 6 ज्न 1980

सं० डी० पी० एस०/एस-16/प्रशा०/8512—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निर्देशालय के सहायक भंडार ब्रिधिकारी की के० श्रीधरन, श्रीध्विपता की आयु प्राप्त करने पर, 31 मार्च, 1980 के श्रीपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा-निवृक्त हो गए।

सं० डीपीएस/पी-5/प्रणासन/8515—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय ग्रीर भंडार निदेशालय के सहायक अय ग्रीधकारी श्री एस० जे० प्रधान, ग्रीधविषता की ग्रायु प्राप्त करने पर, 30 ग्रप्रैल 1980 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निकृत हो गए।

बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक श्रिधिकारी

मुम्बई-400001, दिनांक 29 मई 1980

सं० डीपीएस/4/1 (5)/77-प्रणा०/8161— निदेशक, क्रय घीर भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग ने एतद्दारा स्थानापन्न सहायक भंडार ग्राधिकारी श्री विलास पुरुषोत्तम टिल्लू को 25 जनवरी, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक भंडार ध्रिधकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 4 जून 1980

सं० जीपीएस/4/1 (4)/77-प्रशा/8324—निवेशक ऋप भौर भंडार निवेशालय, परमाणु अर्जा विभाग ने एतद्द्वारा सिविल विभानन'ने महानिवेशक के कार्यालय के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा ऋप भौर भंडार निवेशालय के स्थानाषश्च सहायक ऋय ग्रिधकारी श्री एन० ग्रार० विजयन'को 10 ग्रक्तूबर 1979 से उसी निवेशालय में सहायक ऋय ग्रीधकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

> कं० पी० जोसफ प्रशासन श्रक्षिकारी

नाभिकीय ईंधन संस्थित बम्बई, दिनांक 2 जून, 1980

सूचना

सं० क्रमांक ना० ई० स०/का० प्र०-11/क० मं० नि०/1444/1112—अपनी नियुक्त-प्रस्ताव के परिच्छेद 1 (ब्र) की शर्तों के ब्रमुसार जारी किए गए ना० ई० स० पत्न संख्या का० प्र० च०/
0123/1300, दिनांक 25/31-1-1979 के ब्रमुसार यह
मूचित किया जाता है कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रथम श्रेणी
के बाहन चालक श्री जी० शंकरन, जिन्हे बम्बई में क्रय व भंडार
निदेशालय में तैनात किया गया था, की सेवायें इस सूचना की तिथि
से एक माह की ग्रवधि समाप्त हो जाने के पश्चात समाप्त हो
जायेंगी।

भ्रपना बस पास, सुरक्षा बैज एवं भ्रन्य कोई दिए गए सरकारी सामान की वह बम्बई के ऋय व भंडार निदेशालय के सहायक कार्मिकाधिकारी को तत्काल बापस कर वें।

> यू० वासुदेवा राव, वरिष्ठ प्रणासनाधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना अगुशक्ति, दिनांक 12 जून 1980

सं० रापिषण 04627 | प्रणा | स्था | 316 — निम्नलिखित अधिकारियों के इस परियोजना से नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना डाक०-नरोरा, जिला-बुलन्दशहर (उ० प्र०) स्थानान्तरित होने के फलस्वरूप उन्होंने हर एक के सम्मुख दी गई तारीख से ग्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है:—

ऋ० नाम सं∘	पद जिस पर स्थायी हैं	पद जिस पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत हैं	पद का कार्यभार छोड़ने की तारीख
सर्वश्री		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
1. ग्रार० के० शर्मा	सहायक फोरमैन	वैज्ञानिक ग्रिधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	31-3-80 (भ्रपराह्स)
2.∞कुलवन्त सिह	n	n	31-3-80 (श्रपराह्न)
3. राजेन्द्र प्रसाद	ड्राफ्टॅमैन ''बी०''	1)	31-3-80 (भ्रपराह्न)
4. एल० सी० चौधर	ì "	11	31-5-80 (ग्रपराह्न)

गोपाल सिंह, प्रशासन श्रधिकारी (स्थापना)

तारापुर परमाण विजनीं वर

टी० ए० पौ० पी०, विनांक 5 जून 1980

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18 (2)/77-श्रार०—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरौरा से स्थानांतरण होने पर श्री एस० कृष्णन, सहायक प्रकासनिक प्रधिकारी कोटि में स्थानी प्रधिकारी सथा परमाणु ऊर्जा विभाग के केन्द्रीकृत संवर्ग में स्थानापन्न कनिष्ठ प्रकासनिक प्रधिकारी को, तारापुर परमाणु बिजलीघर में दिनांक 16 मई, 1980 (पूर्वाह्र) से प्रशासनिक प्रधिकारी-II नियुक्त किया जाता है।

के० पी० राव, मुख्य ग्रधीक्षक

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1980

सं० ए० 44013/1/80-ई० अध्य्यू० मे क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट के श्री एच० एस० राखत, सहायक श्रानिणमन श्रीधकारी की भारतीय जहाजरानी निगम, बम्बई में श्रानिणमन निगंत्रक एवं सुरक्षा श्रीधकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने पर उन्होंने दिनांक 5 मई, 1980 (श्रीपराह्न) से श्रीपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 11 जून, 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० ए०—श्री बी० के० सरकार, विमान क्षेत्र प्रधिकारी, कलकत्ता एयर पोर्ट निवर्सन आयुप्राप्त कर लेने के कारण दिनांक 31 मई, 1980 (प्रपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए० 39013/1/80-ई० ए०---श्री एस० पी० कोहत, सह्चायक विमान क्षेत्र ग्रधिकारी, जबलपुर ने दिनांक 26 मार्च, 1980 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से स्थाग पत्न दे दिया है।

> विषय विनोद जेह्न्सी उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1980

सं० ए० 32013/7/79-ई० 1—राष्ट्रपति ने इस विभाग की विनांक 24-12-79 की अधिमूचना सं० ए० 12025/8/76-ई० 1 और दिनांक 24-12-79 की अधिमूचना सं० ए० 32013/7/79 के अनुक्रम में नागर विमानन विभाग के सर्वश्री बी० के० गान्धी, जे० एम० जौहान, कुलबीप राय और बी० आर० सर्मा तकनीकी सहायकों की दिनांक 24-1-80 के बाद दिनांक 22-5-80 तक की अवधि के लिए नागर विमानन विभाग में तवर्थ आधार पर वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

दिनांक 9 जून 1980

सं० ए० 32014/1/79 ई० एस०—महानिदेशक नागर बिमानन, ने श्री केदार नाथ भंडार सहायक को क्षेत्रीय निदेशक, महित्स क्षेत्र, सहास एयर पोर्ट, महास कै कार्यासय में विमोक 21 मई, 1980 (वृक्षिक्ष) से अन्य भादेश होने तक भंडार प्रधिकारी (ग्रुप ख पर्ट) के रूप में तबर्थ भाधार पर नियुक्त किया है।

सी० के० वरस सहायंक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विमांक 11 जून 1980

सं० ए० 38013/1/80-ईसी—नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकता एयरपोर्ट कलकता कार्यालय के श्री के० रे० सहायक संचार ग्रधिकारी ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्करूप सरकारी सेया से निवृत होने पर दिनांक 30-4-80 (श्रपराङ्क्ष) से श्रपने पद का कार्यभार स्थाग दिया है।

दिनांक 13 जून 1980

सं० ए० 32013/8/79-ई० सी० (पार्ट)—-राष्ट्रपित ने वैमानिक संचार स्टेणन, बम्बई के श्री जी० बी० ब्रह्मी, सहायक तकनीकी श्रधिकारी को दिनांक 13-5-80 से 30-6-80 तक के लिए तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रीए उन्हें उसी स्टेशन पर तैमान किया है।

सं० ए० 32013/5/80-ई० सी०---राष्ट्रपति ने महा-निवेशक नागर विमानन (मुख्यालय) के श्री एन० के० पुरी, सक्षायक निवेशक संचार को श्री ग्रार० एस० गोयला के स्थान पर दिनांक 24-5-80 से 9-7-80 तक उप निवेशक संचार (योजना) के ग्रेंड में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें इसी कार्यालय में तैनास किया है।

> ग्रार० एन० दास सहायक निष्टेशक प्रणासन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1980

सं० 15/80---श्री श्रार० एस० नारायण ने, जो पहरें निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन गुरूक) के हैदराबाद स्थित केन्द्रीय प्रावेशिक यूमिट में निरीक्षण अधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन गुरूक) ग्रुप 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, निवेशालय के दिनांक 20-2-80 के फा० सं० 1041/41/79 के अन्तर्गत जारी आवेश द्वारा स्थानास्तरित होने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन गुरूक) के मधास स्थित, दक्षिणी प्रावेशिक यूनिट, में दिनांक 7-5-1980 के (पूर्वाह्र) से, श्री के० बालारमन के सेवा निवृत्त होने से रिक्त हुए स्थान पर, निरीक्षण प्रधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन गुरूक) ग्रुप 'ख' का कार्यभार संभान लिया।

मं० 18/80—श्री बी० कुमार स्वामी ने, जो पहले सीमा गुल्क गृह, बम्बई में सहायक समाहर्ता (सीमा गुल्क) के रूप में कार्य कर रहे थे, राजस्व विभाग में दिनांक 7-3-80 के प्रादेश सं० 33/80 (फा० सं० क 22012/4/80-प्रणा० -II) के प्रन्तर्गत निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवम केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरित होने पर, दिनांक 30-5-80 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण प्रधिकारी (सीमा एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 19/80—संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नामित किये जाने पर, श्री सुधीर कान्त शर्मा को निरीक्षण निदेशालय, सीमा एवम केन्द्रीय उत्पादन शुरूक, के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वितनमान में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक, ग्रुप "ख" ((मैकेनिकल इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 31-5-80 (पूर्वाह्र) से उक्त पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

कृ० रेखी, निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 11 जून 1980

सं० ए० 19012/780/79-एडिस-V — ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग श्री एस० के० राय, पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर ग्रातिरिक्त सहायक इंजीनियर के ग्रेड में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1-11-79 की पूर्वाह्म को पूर्णत्या ग्रस्थाई तथा तदर्थ ग्राधार पर केन्द्रीय जल ग्रायोग में इस पद को नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा, ग्रवर सचिव

निर्माण भीर भावास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1980

सं० के०-11011/12/80-डी० डी०-1 बी०—दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957(1957 का 61) की धारा 3 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्रारा अन्वेषण निवेशालय, नई विल्ली के निरीक्षण उप निवेशाक (अन्वेषण) श्री कवलजीत सिह आई० आर० एस० (आई० टी० 1955) को श्री पी० बी० कृष्णामूर्ति के स्थान पर 31 मई, 1980 के पूर्वाह्न से वो वर्ष की अवधि के लिये या अगले आवेशों तक, जो भी पहले हो, दिल्ली विकास प्राधिकरण के वित्त तथा लेखा सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

2. श्री पी० बी० कृष्णमूर्ति जिन्हें इस मंत्रालय की प्रिधिसूचना सं० के०-11011/16/78-डी० डी०-1 बी० द्वारा 1-7-78 को विल्ली विकास प्राधिकरण के वित्त तथा लेखा सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था, की प्रतिनियुक्ति 31 मई, 1980 के पूर्वाह्म से समाप्त की जाती है। परन्तु

जन्हें कोई वैकल्पिक पद विये जाने तक, वे दिल्ली विकास प्राधिकरण की कर्मचारी संख्या में ही माने जायेंगे।

> जे० ए० समद, उप सनिव

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय पूर्ति विभाग राष्ट्रीय परीक्षण गृह, झलीपुर

कलकत्ता-27, दिमांक 4 जून 1980

सं० जी-65/बी० (गोप०)—संघ लोक सेवा धायोग की संस्तुति पर, महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह धलीपुर कलकत्ता ने दिनांक 28-4-80 को पूर्वाह्म से श्री तिवीब चौधरी की नियुक्ति, किसी ध्रन्य धादेश के निकालने तक, वैज्ञानिक प्रधिकारी (भौतिक) के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण गृह मद्रास में कर दी है।

दिनांक 7 जून 1980

सं० जी० 65/की गोप०-इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 18-5-1979 की निरन्तरता को संदर्भ में, महानिवेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर कलकत्ता, श्री भास्कर मोइला की स्थानापन नियुक्ति, राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता में संस्थागत आधार पर, वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के रूप में 30-5-80 को पूबह्रि में किसी अन्य आदेश के प्रसारित होने तक के लिए करते हैं।

अ०बैनर्जी, उपनिदेशक प्रशासन, कृते महानिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यं मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर सिने थियेटर्स एण्ड ट्रेडर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 जून 1980

सं० एल०/23301-एच० डी/1885-—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की घारा 445 की खन्आरा 2 के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि ग्रादरणीय खण्य- न्यायालय कलकत्ता ने दिनोक े 6-3-1978 के आदेशानुसार उपरोक्तं कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

कम्पनी घ्रधिनियम, 1956 श्रीर बर्धमान काटीया रेलवे कम्पनी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 जून 1980

सं० एल०/2462/एच० डी०/1903—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 25-8-78 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समाधान का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय नियुक्त किया है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर सेन्ट्रल रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 जून 1980

सं० 27295 (लिनिय०) एल० डी०/1922—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचना वी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने विनाक 12-4-1979 के आवेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश विया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजनीय समापक नियुक्त किया है।

एस० एन० गुहा, कम्पनियों का अतिरिक्त रिकस्ट्रार ुपक्ष्चिम बंगाल, कलकत्ता कस्पनी श्रीधनियम 1956 श्रीर बन्नागोंट ट्रेडिंग कस्पनी निमिटेड के त्रिथय में

कटक, दिनांक 11 जून 1980

सं० एस० म्रो०-249-851(2)— कम्पनी म्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा 3, के म्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बन्नागोंट ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेंड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण विश्वत न किया जाय तो तो रिजस्ट्रर से काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर उड़ीसा बोडी मरचेन्टस ्एसोसीएशन लिमिटेड के विषय में

कटक, विनांक 11 जून 1980

सं० एस० भ्रो०-632-853(2)—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा 3, के भ्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर उड़ीसा बोडी मरचेन्टस एसो-सियेशन लिमिटेड का बाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया जाये तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर वी जायेगी।

डि० के० पाल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार छड़ीसा, कटक

সক্ষ আছাঁ তেতি কৈও কৰে

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ब्राजीन रोंज 57, रामती थे मार्गे, सखानऊ लक्षानऊ, विनांक 29 मई 1980

निषेश सं० सी-27/झर्जन--- झतंः सुंझें, श्रंमर सिंह जिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसेंका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० 3 है, तथा जो राना प्रताप मार्ग लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन दिनांक 30-10-79

को पूर्वांक्त सम्पंति के उचित बाजार मूल्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूंके यह विदेवास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पंति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तेह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्वरियी (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेतिवित उद्धेपय से उक्त अन्तरण लिकित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कींचिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सृविधा का लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्तिया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्निनिसिन व्यक्तियों अर्थात्:——

1. कुंबर हरिनारायण सिंह

(अंतरक)

2. डा० चन्द्रावसी

(ग्रन्सरिती)

3. विकेता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उन्ह सम्मेरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वतिस्यों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थनों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्रिक्षणः -- इसमें प्रस्युक्त सम्बा और पर्धों का, भी क्ष्यक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में गरिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम्ब

एक किता भाराजी लोजहोल्ड प्लाट नं० 3 तादादी 14000 वर्ग फिट बाक राना प्रताप मार्ग, लखनऊ बह सारी सम्पत्ति जो सेल्डींड एवं फार्म 37-जी संख्या 5980 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विनांक 30-10-1979 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रप्रैन रेंज, लक्षनफ

तारी**ख**: 29-5-1980

मोहर

पक्ष भाई • ही • एन • एस >--- 🚆

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 268-व (1) के ब्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनक, दिनौंक 29 मई 1980

निवेश सं० एस० 192/ग्रर्जन—ग्रतः सुझे, ग्रमर सिंह बिसेन भायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से ग्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो करबा-सिरसा, इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध झमुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता झिंधकारी के कार्यालय मेजा, इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उकत अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

2-136GI/80

1. श्री मिश्री लाल

(मन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्रिं के पास लिखित में किए जा सक गे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूक्त किता चौहृदी जमकान पक्का जिसमें वो कोठरियां बनी हैं, दो मंजिला बना है। बरामवा है, । झागे पूरव से पश्चिम 135 फिट है। स्वित: कस्का-सिरसा, सहसील, मेजा, जिलां इलाहाबाद च पह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेल डीड भीर फार्म 37-जी, संख्या 278 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार जा इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 16-11-79 को हो चुका है।

> ग्रमर सिंह विसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-5-1980

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.---

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कायं लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आर्जन रज-57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 30 मई 1980

निवेश सं० सी-28/ प्रर्जन—ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपह्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धीर जिसकी सं० डी/57/56 है, तथा जो सिगरा वाराणसी में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध धनुसूषी में धीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्री कर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख 30-10-1979

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का मम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिस्वित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; 'और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)। के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अधः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अपुधाराः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—

1. श्री छगनलाल जेठवा

(अन्तरक)

2. श्री छोटा भाई पटेल

(मन्तरिती)

उपरोक्त केता

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की श्रारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित≁ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभगेहस्ताक्षरीः के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राराजी सकाम नं० डी-57/56 पुराना नं० डी० 49/45 क्षेत्रफल 5643 वर्गेफुट स्थित मोहल्ला, कवर श्रामक मासूक सिगरा वाराणसी व वह सारी सम्पत्ति जो सेल डीड एवं फार्म 37-जी संख्या 9917 में वर्णित है) जिनका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 30-10-1979 को हो चुका है।

श्रमर सिंह विसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रॉज, ल**का**नऊ

तारीख: 30-5-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षणः)-

म्रर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनक, दिनांक 30 मई, 1980

निवेश सं० एच-34/अर्जन—अतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्षानात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्रिषिक है

श्रीर जिसंकी सं मकान नं 280 से 283 ग्राराजी नं 64, हैं तथा जो मी बैहराना, इलाहाबाव में स्थित र (ग्रीर इससे उपा- बद्ध ग्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षितयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिप्ती दिनांक 26-11-1979 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिक्ष है भीर अन्तरित (अन्तरितयों) भे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भन्नि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः सम, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण -मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीक -किन्निसित व्यक्तियों सर्यात् :-- श्री जगदीस नारायन जायसवाल, व प्रेम नारायन जायसवाल, महे खरी नारायण जायसवाल

(घन्तरक)

- 2. श्री हरी ध्याम अग्रवाल, ध्यामसुन्दर अग्रवाल, व श्रीमती उर्मिला रानी व श्रीमती मालती अग्रवाल (अन्तरिती)
- 3. श्री मगनानन्द, जी० पी० शर्मा, महावीर हरि हर मिश्रा (किरायेदारान) शुक्ला (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

धनुसूची

ग्राराजी नं० 64, क्षेत्रफल 1877 वर्गमीटर व मकान नंबर 280, 281, 282, 283 स्थित मोहुउला बैहराना तालाब नबलराय मौजा-कोटगंज, उपरहार परगना-चायल इलाहाबाद व वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37, जो संख्या 5151 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 26-11-1979 को हो चुका है।

भ्रमर सिंह विसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंग, लखनऊ

तारीख: 30-5-1980

प्ररूप धाई० टी० एत० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 2 जून 1980

निदेश सं० जी-45/प्रर्जन--- प्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-**र**पए से बाजार मृत्य ब्रौर जिसकी सं० लाट-बी, भूमि व इमारत, 440/11-सी है, तथा जो टी० जी० सिविल लाइन्स,न्यू हैदराबाद लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण भ्रिम्नित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीनदिनांक 30-10-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरिय की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐपे बृश्ययान प्रतिफल के पन्द्रहुपितणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिनी (अन्तिरिति में) के बीच ऐसे मन्तरणके लिए तय पाया गया प्रतिफिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है;

- (क) भन्तरच से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधि-नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में मुक्तिका के निए; घोर/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में वृषिका के लिए;

अतः, अब, उच्त पश्चितियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रश्चितियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- 1. श्री कृष्ण कमल चक्रवर्ती

(भन्तरिती)

- 2. (1) सर्वंश्री गोविन्द लाल ग्रारोरा
 - (2) श्री गौतम मारोरा
 - (3) श्रीमती शांति श्रारोरा

(धन्तरक)

3. उपरोक्त केतागण

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी भाषाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी जबिश बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्म क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडती करण: --इसमें प्रयुक्त शक्वीं बोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, हैं, वहीं अर्च होगा, जो तम बहपाय में दिया नगा है।

बनुसूची

लाट-बी, पहला प्लाट भूमि का क्षेत्रफल 3345 वर्ग फिट व दूसरा प्लाट भूमि क्षेत्रफल 150 वर्गफिट कुल भूमि का क्षेत्रफल 3495 वर्गफिट मय एक मंजिला मकान वर्गरेज मादि का विभाजित भाग जिसकी प्रेमिसेज संख्या 440/11-सी, (प्लाट नं० 440/11-सी) स्थित टी० जी० सिविल लाइन न्यू हैदराबाद, लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जो सेल डीड एवं फार्म 37-जी संख्या 5614 में वीजत है, जिनका पंजीकरण रजिस्ट्रार माफ एन्ययोरेन्स, कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 30-10-79 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 2-6-1980

प्रका धाई । टी । एम । एस । ----

वाबक्द व्यविनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

धारत सरकार

कामीलय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जून 1980

निषेश स० जी-46/मर्जन—यतः मुझे श्रमर सिंह बिसेन आयक्ष प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है); की धारा 269-व के प्रभोन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाबार मूक्य 25,000/- व० से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं० लाट-ही, भूमी व इमारत 440/11 सी है, तथा जो टी० जी० सिविल लाइन्स, न्यू हैयराबाद, लखनऊ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध शनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन दिनांक 30-10-79 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अखत बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अखित बाजार मूक्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत अधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण कि लिखत में बास्तविक कप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रजिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा अवधे वचने में प्रविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय मा किसी बन या घम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत घषिनियम, या धन-कर घषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः, अब, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म के बमुबरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उप-आरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत् !--

1. श्री धजीत चक्रवर्ती

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री गोबिन्द लाल घरोरा,
 - (2) श्री गौतम श्ररोरा
 - (3) श्रीमती शान्ती श्ररोरा

(ब्रन्तरिती)

3. उपरोक्त केतागण

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियी करता है।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्रेप !---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारीज से 48 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीक से 30 दिन की धर्वाध, भी भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्वों और पवों ना, जो उन्त प्रश्वितयम के प्रध्याय 20-क में नरिभाषित है, वहीं ग्रम् होगा, को छस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

लाट डी, भूमि क्षेत्र फल 2724 वर्ग फीट मय (प्लाट न० 440/11 सी पर बने) प्रेमिसेज न० 440/11-सी, की विभा-जित इमारत, स्थित : टी० जी० सिविल लाइन, न्यू हैदराबाद, लखनऊ व बहु सारी सम्पत्ति जो सेल डीड एवं फार्म 37-जी नं० 5815 में विजित है जिनका पजीकरण रिजस्ट्रार माफ एम्योरेन्स कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 30-10-1979 को हो चुका है।

भ्रमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायक्स (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, सवानऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांकः 2 जून 1980

निदेश स० जी-47/अर्जन—अतः मुझे अपर सिह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी स० लाट-सी, भूमि व इसारत 440/11 सी, है तथा जो टी० जी० सिविल लाइन, न्यू हैदराबाद, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शक्ति-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

भारा थव, उनत भिन्नितम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत भविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथीत:— 1. श्री ग्रमरनाथ चक्रवर्ती,

(अन्तरक)ः

- 2. (1) श्री गोविन्य लाल भारोरा
 - (2) श्री गौतम भरोरा व
 - (3) श्रीमती शान्ती अरोरा

(मन्तरिती)

3. उपरोक्त भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येचाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :---

- (क): इस सूचता के रायप में प्रकाय न की हारीख से 45-दित की प्रविध या तत्त्र कि व्यक्तियों पर सूचता की तामीज से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में -से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हित्त के
 बद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त गाध्दों भीर पतों का, जो छक्त ग्राधिनियम के प्राण्याय 20-क में परिभाषित है, बही पार्थ होगा, जो उस प्राच्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

लाट-सी, प्लाट भूमि जिसका क्षेत्र फल 4103 वर्ग फीट है व प्लाट म० 440/11सी, पर स्थित प्रेमिसिज नं० 440/11सी पर बनी इमारत का विभाजित भाग स्थित: टी० जी० सिविल लाइन, न्यू हैदराबाद, लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेल डीड तथा फर्म 37-जी, न० 5616 में किया गया है जिमका पंजीकरण रजिस्ट्रार ग्राफ एम्मोरेन्सेज कलकत्ता के काविलय में दिनांक 30-10-1979 को हो चुका है।

भ्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 2-6-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

मायकर घविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 2 जुन 1980

निदेश सं० जी-48/ग्रर्जन/— ग्रतः मुझे भ्रमर सिंह बिसेन भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी स० प्लाट-ए-भूमि मय इमारत 440/11सी है, तथा जो न्यू हैदराबाद, लखनऊ में स्थित है (श्रोर इससे उपाबस अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करनें का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिजल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ध्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिख ं उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या प्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः ग्रब, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, भर्षात्:— 1. श्रीमती शीला मिला

(भन्तरक)

सर्वश्री:

- 2. (1) गोविन्द लाल घरोरा
 - (2) गौतम अरोरा
 - (3) श्रीमती मान्ती ग्ररोरा

(श्रन्तरिती)

उपरोक्त अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

*मा जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रजंन के लिए करता हूं।

- उर सात्ति के प्रर्णन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया भया है।

वपुसूची

लाट-ए प्लाट न० 440/11सी, की भूमि का भाग क्षेत्र फल 6695 वर्ग फीट व इस पर बनी प्रेमी सेज न० 440/11सी, की इमारत का विभाजित भाग स्थित: टी० जी० सिविल लाइम, न्यू हैदराबाद लखनऊ तथा वह मारी सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37-जी० स० 5617 में वर्णित है जिनका पंजीकरण रजिस्ट्रार श्राफ एन्थ्योरेन्सेज कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 30-10-1979 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, सकानऊ

तारीख: 2-6-1980

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ प्न॰ एस॰----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के धर्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जून 1980

निदेश सं० जी-49/मर्जन--यतः मुझे ममर सिंह बिसेन वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- व्पये से अधिक है, भौर जिसकी सं० लाट-ई-मूमि व विभाजित भाग इमारत का 440/11-सी है, तथा जो न्यू हैदराबाद, लखनऊ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यलय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे **भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित** उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण सं हुईँ कसी भाग भी बावत कक्ष प्रधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिये; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या धन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने म सुविधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रदिनियम की धारा 269-म की उपधारा, (1) के बिद्योन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मालोक चकवर्ती

(मन्तरक)

सर्वं भी :

- 2. (1) गो विन्द लाल ध्ररोरा
 - (2) गौतम धरोरा
 - (3) श्रीमती शान्ती अरोरा

(भन्तरिती)

3. उपयोक्त अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भज़ैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे !

रचकीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त जिल्लामियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

लाट-६ :

ज्ञाट नं • 440/11 सी की भूमि का विभाजित माग बायण्ड 3446 वर्ग फीट व इस पर स्थित प्रेमिसेज नं • 440/11 सी, पर बनी इमारत का विभाजित भाग स्थित है टी • जी • सिविल लाहिन्स, न्यू हैदराबाद, लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जो सेल बीड तथा फार्म 37-जी, से 5618 में विजात है जिनका पंजीकरण रिजस्ट्रार एक्यूरेन्स कलकता के कार्यालय में दिनांक 30-10-79 को हो चुका है।

म्रमर सिंह बिसेन संज्ञम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 2-6-1980

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1980

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/II/एस० आए-I/10-79/ 5901 उप०-—यत:, मुझो, आए० बी० एस० अग्रवाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जे०-45 है, तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजर्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रवनुबर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां अधीतः—
3—136GI/80

- 1. (1) श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री मरदार सिंह निवासी एस-31, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।
 - (2) श्री सत्या भूमन धाँर श्री भूमण चन्द्र पुत्र श्री देवकी नन्दन, निवासी ई-3, रतन पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. स० ह'रनाम सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह निवासी जे-45, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास न्तिस्त में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० जे-45, राजौरी गार्डन वार्ड दारापुर दिल्ली-7 में स्थित है जिसका क्षेत्र फल 243 वर्ग गज।

> भ्रार० वी० एल०भ्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-II,दिल्ली

तारीख 31-5-1980 मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, 11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिदांक 31 मई 1980

निर्देश संु धाई० ए० सी०/एक्यू/I1/एम०/ध्रार-I/10-79/5821--श्रतः मुझे ध्रार० वी० एल० ध्रम्रवाल ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कोठी नं० I, है तथा जो गोयला लेन ग्रंडर हिल रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकार् के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का परवह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी ग्रन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन श्रिधित्यम, या धन-कर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री प्रवीप कुमार गोईला व श्वीमती प्रकाशवती निवासी कोठी नं I, गोईला लेन ग्रंडर हिल रोड, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री ग्रोमप्रकाश
 - (2) श्री भ्रशोक कुमार
 - (3) श्री किशोर कुमार
 - (4) श्री पूरन चन्द
 - (5) भ्रहिल्या श्ररोड़ा
 - (6) श्री विकास ग्ररोरा
 - (7) श्रीमती मुधा टंडन
 - (8) श्री शिव चरन दास तथ
 - (9) श्रीनाथ श्ररोरा निवासी 937, नया बांस, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० I, गोईला लेन, ध्रंडर हिल रोड, दिल्ली में स्थित हैं।

> ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-119002

तारी**ख** 31-5-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-ष(1) के श्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>मायुक्त (निरीक्षण</mark>)

ग्रर्जन रेंज-I

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० न्नाई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/10-79/607-यतः, मुझे, न्नार० बी० एल० ग्रन्नथतः अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 5 बीघा 1 बिसवा है, तथा जो गांव कापनखेरा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के भीच ऐसे भन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिकत, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिख्यिन में बाशनिक का से क्यात नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग विवत उक्त श्रीधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए ।

इत. प्रज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रक्षितियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— शी राम फल रतन सिंह पुत्र श्री चन्त्रभान, छसर सिंह पुत्र राम स्वरूप, कंचर सिंह, होशीयार सिंह, नवल सिंह पुत्र जयमल, मीर सिंह, नाहर सिंह, राम सिंह और चेलू राम निवासी गांव कापसगेरा, नई दिल्ली

(भन्तरक)

 कविता कपूर, ए०-40 फ्रेन्ड्स कालोनी, डी० डी० ए०, नई दिल्ली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त नम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी पविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा मकेंगे।

स्वष्टीकरणः --इमर्मे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'खक्त प्रश्चि-नियम', के अष्टताय 20-क में परिकादित हैं, वहीं अर्थ होगः जो उस अष्टाय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघा 5 बिसवा खसरा नं० 120 ग्रौर 1 बीघा 16 बिसवा खसरा नं० 121 कुल 5 बीघा 1 बिस्था गांव कापसशेरा, तहसील महरोली, नई बिल्ली।

> ग्रार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०-1/एस० अ।र० III/ 10-79/603-यतः, मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपये से बाजार मृल्य 25,000/-प्रधिक भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि 15 बीघा 12 बिस्वा है, तथा जो गाँव कापाशेरा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 31-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर भुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ध्यमान प्रतिफत के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण निवित्त में वास्तविक रून से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उवत अधि-निषम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/षा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतोग ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, श्रव, उका प्रश्नितियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उका प्रतितियन की धारा 269-घ की उनधारा (1) के अधीन निक्तिलिखन व्यक्तियों. अर्थात् :--- श्री राम फल, रतन सिंह पुत्र श्री चन्दर भान, चत्तर सिंह पुत्र श्री राम स्वरूप, कंवर सिंह, होशियार सिंह, नवल सिंह पुत्र श्री जयमल, मीर सिंह, नेहर सिंह, राय सिंह श्रीर चेलू राम पुत्र श्री रामेहर लाल गांव कापारेश, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स पालम मोटर्स (प्रा०) लिमिटेड, 12-ए, वन्दना, 11 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि योग्य भूमि, जिसका खसरा नं० 91 (4 बीघा) 92 (4-16) 93 (4-16)) श्रौर 93 (2-0) पुरा 15 बीघा 12 बिस्वा जोकि गांव कापामोरा, नई दिल्ली।

> श्रार० बी० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I,

एच ब्लाक विकास भवन आई पी स्टेट नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०-1 एस० अ(र० 111/10-79/563--- पतः, मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपए से वाजार ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि 32 बीघा 8 बिस्वा है, तथा जो गाँव गदईपुर तहसील, महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उताबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णा रूप से वर्णित है) रिजरट्टी-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से श्रीक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं ब्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित

(क) ग्रन्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीघ-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या

उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण जिल्बित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उनत मधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थातु:—— श्री बसन्त सिंह श्रमरीक सिंह श्रीर सरवीर सिंह पुत श्री हिर सिंह, निवासी 21, नानक मार्किट, तिलक नगर, बाजार, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री ए० के० पुरी पुत्र ख़ी एम० एल० पुरी निवासी बी-109, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन≀ की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद मैं समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: → - इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, कही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्र फल 32 बीघा 8 बिसवा खसरा नं 489 (4-16), 490 (4-10), 493 (6-2), 497(2-12), 495/1(0-8), 495/2 (3-8), 495/3(1-0), 496(4-16) 494(4-16), जोकि गांव गदईपुर तहसील महरौली नई दिल्ली ।

श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख 12-6-1980

प्रारूप आई• टी• एन• एस•---

अ।यकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269म (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहामक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रंज-1

एच-ब्लाक विकास भवन आर पी स्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-I एस० आर० III/10-79/501—यत:, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एम 168 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूण का से विणित है) रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि -नियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिर**य** में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्ह भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरणमें, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः--

- श्री हरीण ग्रग्नवाल निवासी जी-49, मस्जिड मोठ नई दिल्ली-48 (ग्रन्तरक)
- श्री बेघर सिंह भौर मास्टर मुरजीत सिंह एम-168, ग्रेटर कैलाश-U, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्विध्विक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्रों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक की होल्ड सिन्गल स्टोरी मकात नं 0.168, एम-ज्लाक, 0.00 वर्ग गज रेजीडेन्शल कालोनी, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली ।

पूर्व : सड्क

पश्चिम : एस० लाईन

उत्तर : मकान नं ० एम-166

दक्षिण : प्लाट नं० एम-170

श्रार० बी० एल० श्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीखाः 12-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एत० एम०---

भागकर पश्चिनियम, 1981 (1961 का 43) की घार। 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I

एच-ब्लाक विकास भवन आई पी स्टेट नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1 एस आर III/10-79/576—यत:, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्में इन्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' सहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन मझन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० पे अधिक है और जिसकी सं० आर० 140 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई

दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1979 को

ूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के नृष्यमान प्रतिकत्त के लिए भ्रग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे पृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (भ्रम्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निर्तय गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया क्या है।—

- (क) प्रस्तरण से दूई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रक्षिमियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; ग्रीर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी प्राय प्रा किसी वन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें नारतीय प्राय कर प्रिवित्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षित्यम, या घन-कर प्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या निया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

जनः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री भूषिन्दर सिंह पुत्र श्री मैहताब सिंह, जी-14, लाजपत नगर-III, नई दिल्ली-24
- 2. श्री राम मोहन भंडारी पुत्र श्री स्व० श्री एल० श्रारमें भंडारी, एन-16, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (यन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ह अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपन सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षणे के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो जक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होता, तो उत्तप्रध्याद में वियागया है।

पनुसूची

एक पापर्टी नं० स्रार०-140 जिसका क्षेत्र फल 208 वर्ग गज है तथा जोकि ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित हैं।

> भ्रार० बी० एल० भ्रप्नवाल मक्षम प्राधिकारी सहाययः भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नारीख: 12-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांकः 12 जून 1980

निर्देश सं० ऋाई० ए० सी०/एक्यू० ा/एम.ऋार.ा∏/10-79/ 565--यत:, मुझे ऋार० बी० एल० ऋग्रवाल

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- ध्रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी संव बी 47 है, तथा जो ग्रेटर कैला श-I, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधियारी के वार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक अक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत मे श्रिष्टिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में. मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत :-- 1. श्री पुरत सिंह सेठी पुत्र श्री राजा गुलाब सिंह निवासी 13 निजामुद्दीन ईस्ट. नई दिल्ली श्रीर श्रीमती सोमनवन्ती पत्नी श्री राजा गुलाब सिंह निवासी 47 हनुमान रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तर्कः)

2. श्री निरिन्दर सिंह पुत्र श्री मेला राम निवासी ई-6, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली और एस. मनमोहन मिह पुत्र श्री स्व० पतवन्त सिंह बी-11, जंगपुरा, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी</mark> करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्य<mark>ेषाहि</mark>यां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-राम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी नंव वी-47, जिसास क्षेत्रफल 896 वर्ग । गज जोति ग्रेटर कैनाण-1 नई दिल्ली में स्थित है।

> श्रार० वी० एल० अग्रवान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख: 12-6-1980

प्रकप माई॰ टी॰ एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1. नई दिल्ली 110002

नई दिल्ली 110002, दिनांकः 12 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/एमग्रार III/10/79/ 1621---ग्रत: मुद्ये श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार पूरुष 25,000/- घ्यये से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० ए 1/47है, तथा जो मजिद मोठ, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कर से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्नविक हम से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बादत उका ग्रीक्षित्यम के ग्राधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में भूविद्या के लिए।

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरग में, में, उना प्रिधितयम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निविधान व्यक्तियों अर्थात्:——
4—136G1/80

- ा श्री के० सी० मन्त्रा फ्लेट नं० 28, 4र्थ मंजिल, पुजा बिहार, III, कील्या रोड, बम्बई 400005 (ग्रन्तरक)
- पुष्प जे० एस० सिह् ग्रालूबालिया ग्रौर मि० जगमोहन लिह् ग्रालूबालिया ए 1/47, मिद मोठ, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्रास्तेप :---

- (क) इप मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की हारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविध, जो भी धनवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित सें किए जा सकोंगे।

हराउद्योक्षरण:--इतर्वे प्रयुक्त शन्दों और पर्वो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही अर्थ होता जो उस अध्याय में विया गम है।

ग्रनुसूची

 $\sigma_{\rm P}$ प्रान्धी नं $\sigma_{\rm P} = 1/47$, माजिद मोठ, न $_{\rm P}$ दिल्ली में स्थित है ।

ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, दिल्ली

नारीख: 12-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली 110002

नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू० र/एम.आर. III/10-79/ 537---ग्रतः मुझे ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पत्रवात 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से ग्रधिक है म्ह्य ग्रीर जिसकी संव सी 133 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्ध.न दिनांक ग्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिन्न है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दाणिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय थ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, वा धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:——

- श्री मन मोहन सिंह पुत्र श्री ध्रवतार सिंह निवासी 8/25, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. मैं सर्स इन्डियान पेट्रो कैमिकल्स कारपोरेणन पो० ग्रा० पेट्रोकैमिकल्स डिस्ट्रिक्ट बेडोडरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रार्जन के मम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीत्रस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्यवटी सरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पवों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नर्य बिल्डिंग नं० सी 133 जिसका क्षेत्रफल 373 वर्ग गज जोक्षि ग्रेटर कैनाण-1, नर्द दिल्ला में स्थित है।

> म्रार० बी० एल० श्रग्नबाल सक्षम प्राधिकार गहायक घायकरभ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

नारीख 12-6-1980

प्रकप प्राई० डो • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मझीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, नई दिल्ल 110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० अ।ई०ए०सी०/एक्यू० 1/एस.अ।र. 111/10-79/604--अतः मुझे अ।र० बी० एल० अग्रवाल आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

ग्रीर जिसक सं० छिप भूमि 4 बीघा 16 बिस्वा है तथा जो गांव कापमहेड़ा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रापुत्वी में ग्रीर जो पूर्ण का में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याच्य नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांग 31-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान
प्रतिकस से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत ध्रधिक है
भौर अन्तरिक (सन्तर्कों) और अन्तरिती (सन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उन्त प्रश्वरण निखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया
है !--

- (क) धन्तरण स हुई किसी भाग की बाबत उस्त अधि-नियम के प्रधान कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और या
- (ख) ऐसी किनी भाव या किसी धन या अब बास्तियों को, जिन्हें भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या धनकर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारां प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त प्रक्षितियम की घारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त प्रधितियम की घारा 269-म की उप-धारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :---

शि राम फल, रतन सिंह पुत्र श्री चन्दर भान सिंह चतर सिंह पुत्र रामस्वरूप कंदर सिंह, होशियार सिंह, नवल सिंह पुत्र जयमल मीर सिंह नाहरसिंह रायसिंह और चेलूराम पुत्र रामेश्वर गांव कापसहेड़ा, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चरन जीत, लाल गुलाटी पुत्र सोहनलाल गुलाटी नियासी 3 डी, निजामुद्दीन, पूर्व नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उन्त सम्वत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी पाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीम से 30 दिन की धविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति म हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दां भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी प्रयं होगा, को उस अध्याय में दिया क्या है।

मनुसूजी

कृषिभूमि 3 बीचा 16 बिस्या खरारा नं० 119 चौर 1 बीचा खमरा नं० 120 कुल 4 बीचा 16 विस्वागांव कापसहे**ड़ा**, नई दिल्ली ।

> भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, दिल्ली

प्रकृष आई० टी • एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली 2

नई दिल्ती 2, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश मं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस.आर. 111/10-79/608--प्रतः मुझे भ्रार० बी० एल० भ्रश्रवाप भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संग्रांस जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

द्यौर जिसकी सं० भूमि 5 बीघा है तथा जो गांव कापाशेरा नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक 31-10-1979

को पूर्वंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान श्रतिफन के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गना प्रति-फत दिन्तिखित उद्देषन से उका अन्तरण निव्यत्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; श्रौर्
- (ख) ऐमी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गपा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री र मन्ति रन्त सिंह्पुत श्री चन्दरभान, चत्तर सिंह् पुत्रश्री र म स्वका अनवर सिंह् हो शिया र सिंह् नेवाल सिंह् पुत्रश्री जयमल मीर सिंह् निहार सिंह्, राय सिंह् ग्रौर चेलू राम पुत्र श्री रामेंहर निवासी गांव कापाशेरा, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुजमा गुलाटी, पत्नी श्री बी० कें गुलाटी 3-JD तिजामुद्दीन ईस्ट नई विल्ली श्रीर श्रीमती ऊपा कपूर पत्नी श्री बें पि० कपूर निवासी सी 19, फैन्ड्स जालोनी, (डी०डी०ए०), नई दिल्ली।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के प्रर्शन के लिए कार्यत्राहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्त्र व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिमाषित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि 5 बीधा गांव कापागेरा नई दिल्ली में स्थित है।

श्रार० बी० एल० श्रप्रवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ----

आयकर **विश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा **269-**य (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** भार्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांचः 12 जून, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एम.प्रार. 111/10-79/605----यतः मुझे, ग्रार० बी० एल० प्रग्रवाल

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उन्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269- के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- इपए से प्रधिक है

ग्राँर जिन्नकी सं० 5 बीधा 1 बिस्वा है तथा जो गाव काणाणेल नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इसने उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में ग्राँर पूर्ण का सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय नई दिल्ती में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908का 16) के श्रीधीन दिनांक 31-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के जिये अस्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिकित्र से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तिरती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, **उक्त** अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् !—— 1. श्री रामपाल रतन सिह पुत्र श्री चन्दरभान चत्तर सिह पुत्र श्री राम स्वरूप कनवर सिह, होशियार नेवाल सिह पुत्र श्री जगमत, मीर सिंह, नहार सिंह, राय सिंह श्रीर चेतू राम पुत्र श्री रामेहर निवासी गांव कापाशेरा, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीतिती शहुनतना गुलाटी पत्नी श्री सी० एल० गुलाटी नित्रासी 3-बी, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धर्वीय या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वीय, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताकारी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पर्वो का, जो उक्त धिन-नियम के घड्याय 20-क में परिचाचित है, वही धर्व द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गय। है।

अनुसूची

एक अंप थोरन भूमि 5 बीधा 1 बिस्त्रा जोकि गांव कापःशेरः में स्थित हैं।

> श्चार० बी० एल० अप्रयाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्गन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-2

नर्ड दिल्ली, दिनांक 12 जुन, 1980

निर्देश सं० म्राई० ए०सी०/एक्यू०/I/एस.भ्रार $\Pi_{I}/10$ -79/ 606— -पतः मुझे, ग्रार० बी० एन० भ्रग्रवाल

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० 5 बीधा है तथा जो गांवक।पासहेड़ा, तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31-10-1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- श्री राम फत, रतन सिंह पुत्र चन्दरभान चत्तर सिंह श्री राम स्वरूा, कंत्रर सिंह, होशियार सिंह नवल सिंह पुत्र जयमत्र मीर सिंह, नाहर सिंह, राय सिंह ग्रीर चेत्राम पुत्र रामेहर गाव कापसहेड़ा, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- श्री नीता कपूर, कान्ता प्रसाद वपूर सी 19, फोन्डस कालोनी, डी॰डी॰ए०, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकाँगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खर्गरा नं० 94 (2-16) 87/2(0-16) फ्राँर 86/1(1-08) कुल 5 बीधा गांव कापसहेड़ा, तहसील महरोली, नई दिल्ली ।

ग्रार० बी० एल० प्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायक्तर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12जून 1980

निर्देश मं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०11/एस.ग्रार.-1/10 79/5827-- प्रतः मुझे श्रीमती एस० के० ग्रांलख ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रांर जिसकी सं० मी 24 है, तथा जो बंगला रोड. ग्रादर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इसने उपावद्ध ग्रानुमूची में ग्रांरपूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिलांक 7-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**य की उपधा**रा (1) के अधीन निम्तलिखित व्यक्तियों, **धर्या**त्:--- श्री मांटो राम पुत्र मुखा राम निवासी सी-24, बंगला रोड, ग्रादर्श नगर, दिल्ली-33।

(अन्तरकः)

 श्रीमती पुष्पा देवी धर्मपत्ती श्री हरीण चन्द्र अग्रजाल निवासी-सी 24, बंगला रोड, श्रादर्ण नगर, दिल्ली-33 । (अन्तरिती)

को **मह सूचना जा**री करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्रीहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

हपद्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फी होत्व मकान नं० 24 ब्लाक सी, बंगला रोड, गांव के इनके बरौना आदर्शनगर कालोनी, नजदीक नई लब्की मन्द्रो, आजादपुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जोकि निम्न प्रकार से हैं।

> श्रीमती एम० के० ग्रोलख सक्षम प्राधिकारी सह।यत श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीखा: 12-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

प्रायं हर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रंधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, असफअनी मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एसयू०- I/एस.आर.-I/10-79/5829—ग्रतः मुझे श्रीमती एस० के० ग्रांत्वख्यायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख्य के ग्रजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जित्रका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रीक है,

भौर जिसकी सं० 16/2 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजर्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजर्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-10-1979

पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बदेश में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तवित रूप से कथि। नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किमी आय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी उसके या उससे वचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~ शीवित मुन्दरीबा परनी श्री श्रमुदा मल शामदासानी निवासी 16/2, ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली वर्तमान निवासी फिक्वेंसी श्राफ इंडिया वासईगटन, डी० सी० यू० एस० ए०।

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर सिंह सालूजा पुत्र सरदार हारा सिंह सालूजा निवासी 6/15, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्सरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेत :---

- (क) इस सूवता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टी करणः चन्द्रानें प्रपुक्त गर्व्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-िर्मिक के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

1 3/4 मंजिला मकान, जोिक प्लाट नं० 16/2 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है। जो कि निम्न लिखित प्रकार से घरा हुन्ना है।

उत्तर: मकान नं० 16/3 डाकवर पन्ना लालाका श्रपना दक्षिण: मकान नं० 16/1 सरदार जसवन्त सिंह का स्रपना

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड

श्रीनती एस० के० ग्रौलख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-II, दिल्ली

तारीख: 12-6-1980

प्रकृप पाई । दी । एन । एस ।

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) $rac{7}{2}$ प्रर्जन रेंज- $rac{1}{4}$, अमफअली मार्ग, $rac{1}{4}$

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-III/एस०ग्रार.-I/10-79/ 5835—अतः मझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन के परवान् 'जनन पित्रियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीत सक्षत प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर नश्यति, विषका उचित्र पात्रार मूख्य 25,000/-रुपय से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4754, 4755, 4756 तथा 4757 है, तथा जो रोशनएरा रोड, सब्जी सन्द्री, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रस्तह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निश्निशिज उद्देश से उना अन्तरण निवित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी माय की बाबत जबत ब्रिश्व-किसम के अधीन कर देते के प्रश्तरक के दाशिश्व में कभी करते या जसके बचने में शुनिक्ष के लिए; भीर/या
- (अ) एसी कियी घाष ना किसी धन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्त कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घघिनियम, या धनकर घधिनियम, 1957 (1952 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिन्या, खनाने में युविधा के लिए।

भत: सब, जक्त सांचितियम को धारा 269 ग के सनुसरण में, में, बबत भिजितियम की धारा 269 म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात्:—— 5—136 GI/80 शिभती रनजीका मिन्ना धर्मपत्नी डाक्टर संतोष कुमार, मिनाक्षी दास धर्मपत्नी प्रदीप कुमार दास, श्रपनी और श्रपनी बहुन की पावर श्रटारनी इंद्रानी बोस निवासी एक-280, ग्रेटर कैलाग-II, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स रोजनग्रारा, फाईर्स प्राइवेट लिभिटेड, नं० 4570 रोगनग्रारा रोड, दिल्ली जिसके मैनेजिंग डाइरेक्टर सरदार देवेन्द्र सिन्न ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचनाः अनरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रवंना के जिए कार्यकाहियां करताः हैं।

उक्त सम्पत्तिः के प्रार्जनः के संबंध में कोई भीः बाब्रेयः:----

- (क) इस सूचना के राजप्रश्च में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूखना. की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ, काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीका व्यक्सियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पाम लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्यव्योक्ष्यत्यः --- इसमें प्रयुक्त सकतों घीर पदों का, असे सकत. ग्राविनियम के घडमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धार्यः होगा बारे उस ग्राव्याव में विमा गया है।

अनुसची

एक मंजिल मकान नं० 4754, 4755, 4756 व 4757 रोशनश्चारा रोड सब्जी मंडी, दिल्ली वार्ड नं० XI_1 में स्थित हैं जोकि निम्न लिखिन प्रकार से घिरा हुश्रा है :—

उत्तर : दुसरी प्रापर्टी

दक्षिण : रोड पूर्व : रोड

पश्चिम : दूसरी प्रापर्टी

श्रीमती एस०के० श्रौल**ख**, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख: 12-6-1980

प्रकर माई॰ डी॰ एत॰ एत॰----

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश मं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०-I/10-79/5845---भ्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० भ्रौलख,

धायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/30 है सथा जो रूपनगर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के भार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे गड़ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरक से हुई िक्सी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, शौर/या;
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 । (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया । गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

भतः भ्रव, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:-- (1) श्री केवल सेठी पुत्र श्री दवींन्द्र राज सेठी 1/30 रूप नगर दिल्ली श्रपनी भौर उस की वहन श्रीमती विमला साहनी भाई श्रथनी कुमार सेठी, योग राज सेठी, वहन मिशं चचल सेठी श्रौर माता श्रीमती के० डब्ल्यू सेठी निवासी 1/30 रूप नगर दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चरन दास पुत्र श्री धनी राम श्रीर फूलां रानी धर्म पत्नी चरन दास के-45 कैलाश कालोनी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रिष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इतर्ने प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिल मकान नं० 1/30 मन्यूस्पल मं० 7202 वार्ड XII उस के साथ फी होल्ड भूमि ग्रंडर निट ऐरिया 209.44 वर्ग गज, नार्वन सिटी एक्सर्टेंकशन स्कीम नं०-II (रूप नगर) दिल्ली में स्थित हैं / जिसकी हद निम्नलिखित हैं।

पूर्व — रोड पवित्रम — महान प्लाट नं० 29 छत्तर — रोड दक्षिग — रोड

> श्रीमती एस० के० प्राले**ब,** सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12 जून 1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, भाई० पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० म्रार०-1/10-79/5846—यतः मुझे, श्रीमती एस० के० भ्रौलख

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के से श्रीक्षक है

श्रीर जिस की 10/3 है तथा जो शक्ति नगर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूग्यमान प्रतिकान के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रति-फण निवादिखा उद्देश से उका प्रकारण लिखित में बास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) घ्रस्तरण से दुई किसी पाप की बाबत उक्त प्रधि-निषम के अधीन कर देते के प्रस्तर के दापिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसो किसा स्राप्त था किसी जन या प्रन्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्नायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उका अधिनियम, या धन-कर स्निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, छन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अनियों, प्रयीत:→~

- (1) श्रीमती सुशीला देवी धर्मपरनी श्री जय किशन भट-नागर, निवासी श्रार/115, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री इंद्र प्रकाण छावड़ा पुत्र राम चन्द्र छावड़ा श्रौर श्रीमती राज छावड़ा धर्मपत्नी राज कृष्ण छावड़ा, 1596 गली मद्रास मीर जुमला, लाल कुंग्रा बााजार, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्वक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन तस्तरि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूनना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की ग्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इत सूत्रा के राजनत में त्रकाशा की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी हर ग :- - इनमें त्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो खक्त त्रितिनम के श्रश्याय 20-ह में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचो

एक मकान जो कि प्लाट नं० 10/3, शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 241.11 वर्गगज है। जिसकी हव निम्नलिखित है।

उत्तर : रोड़ दक्षिण : रोड़

पूर्व : जायदाद नं० 10/2 पश्चिम : जायदाद नं० 10/4

> श्रीमती एस० के० श्रीलखाः सक्षम प्राधिकारीः, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II बिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-6-1980

प्रकप साई॰ डी॰ प्तन एसब-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सङ्घायक आयक्षर सापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज-¹¹, एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ l^{1} /एस० श्रार०-l/10-79/5855—यतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नाम प्राविकारी की, यह विषयात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० ए-2/108 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-10-1979

को पूर्वोपत सम्पत्ति के जिय बाजार मूर्य से कम के ब्र्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोपत सम्पत्ति का जिय बाजार मूल्य, जसके ब्र्यमान प्रतिकल से, ऐसे ब्र्यमान प्रतिकल का प्रमुद्ध प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिक्तों) भीर अन्तरिति (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से जबत अन्तरण, जिल्ला में नास्तवि करना कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, छक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐनी किसी प्राय या तिसी धन या घरन घास्तिथीं को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या खन्त घिधिनयम, या अन्-कार धिक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रह्म का सिह्मा बाता चाहिए चा, खिनाने में सुविधा के लिए;

धतः घव, उनतं घिनियम की घारा 269-ग के धनुतरून में, में, उन्ह चिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के सबीन, निन्निविक्ति न्यनित्यों, धर्यात्:---

- (1) श्रीमनी तारा रानीधर्मपत्नी श्री सदा नन्द सकुजा मारफत जनरल मैनेजर का मैसर्स जगतजीत फास्टरनर्ज प्राईवेट लिमिटेड, फैक्टरी एरिया, कपूरथला। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रचना गुप्ता धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता, निवासी 4278, गली णाहटाटा, श्रजमेरी गेट, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के सिए कार्ववाहियां शुरू करता है।

दबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यिभितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर धन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त मधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बढ़ी मर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

एक मकान जो कि प्लाट नं० ए 2/108 जो कि राजौरी गार्डन, गांव का एरिया वसई दारापुर, दिल्ली, स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 288.50 वर्गगज है और जिस की हद निम्मलिखित है:—

उत्तर: रोड

दक्षिण : मकान नं० ए-2/121 पूर्व : मकान नं० ए-2/109 पश्चिम : मकान नं० ए-2/107

श्रीमती एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-6~1980

प्रकप चाई० टी.० एन० एस० ---- --

भ्रामकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-11 (एच ब्लाक) विकास भवन श्चाई० पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०11/एस० आर०-1/10-79/5865—श्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख भागकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्तम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका स्वित सामर पृथ्व 25,000/- रूपए सं स्थिक है.

भौर जिस की सं० 22 है तथा जो हाथी खाना दिल्ली में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), र्राजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिनारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथयमाम प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कःरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमाम प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिखत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (प्रनिदित्यों) के बीच ऐने जन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निस्ति खित उद्देश्य से उक्त प्रश्वरण सिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राप्त की बाबत, उनत प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के भगरक के दायित्व में कमी करने या उनते नवने में सुनिधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी कि 4ी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भन, उन्त समितियम की धारा 269ना के बबुसरण में, में, बनत अभितियम की धारा 269न्य की उपवारा (1) के प्रधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अयौत् । •--- (1) श्री जिया लाल पुत्र श्री गनेश दास हाथी खाना बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री लक्ष्ममंग कास पुत्र श्री ग्राया राम निवासी 7066 वीड़ी बाला बाग, नजदीक श्राजाद मार्किट, दिल्ली

(धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्णीक्त सम्पति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी प्रासीप:--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धर्यक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (आ) इस सूजना ने राजपव में प्रकाशन की सादी सासे 45 दिन के जीतर उस्त स्थानर सम्पत्ति में द्विताद किसी करूप म्यक्ति द्वाला, अजीहरूलाकरी के पास निज्ञित में क्रिय मा सर्जेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त श्रीवित्यम के अध्याय 20क में परिकाधित है, वहीं अर्थ होगा को छस शब्धाय में दिया गया है।

भनुसूची

जायदाद मं० 22 हाथी खाना दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 162,33 वर्गगज है।

> श्रीमती एस० के० घ्रौलख, सक्षम श्रधिकारी सहायक घ्रायकर घायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12 जून 1980

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्ष्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० II/एस० झार०-I/10-79/5890—- श्रतः मुझे श्रीमती एस० के० श्रोलख झायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

प्रोर जिस की सं० प्लाट नं० 13 है तथा जो रोड़ न० 32 पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित हैं (प्रोर इससे उपाबब अनुसूची में पूर्व रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रक्तूबर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत उक्त मिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी छाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त भिधिनियम की भारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, भ्रकी (1) श्रीमती विमलाबत्ती, श्रीमती मीना गुप्ता, ग्रहन कुमार धरविन्द्र कुमार सब निवासी VI /89 धोत्री वाड़ा गाहदरा दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री म्रोम प्रकाश तनेजा निवासी 4/37 डब्ल्यू ई० ए० करोलवाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ध्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी खा से 45 दिन की शविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविश्व, जो भी शविश्व बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना ने राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्वक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्तालरी के पास विकास में किए जा सकींगे।

स्पवधीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्यों भीर पर्दों का, जो उक्त भिष्ठितयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यान में विया हुआ है।

प्रमुस्ची

प्लाट नं० 13 रोड़ नं० 32, पंजाबी बाग गांब के इलाके वसर्ड दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्र-फल 279.55 वर्ग गज है।

> श्रीमती एस० के० घौल**वा** सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुंक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II दिल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांकः : 12 जून 1980

प्रकृप भाई • टी • एन • एस •---

शायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रशीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय**, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज्राप्तिच ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1980

निर्वेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०II/एस० ग्रार०-I/10-79 5902 → ग्रतः मुझे श्रीमती एस० के० ग्रीलख जावकर जितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन जितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से जिसक के

श्रीर जि कि मं पुराना नं 3762 है तथा नया जो नं 3808-ए, डेबिड स्ट्रीट दरयागंज नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन अक्तूबर 1979
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का परद्वह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अन्तरकीं) पौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त
बन्तरण लिक्ति में नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया
है:——

- (क) ग्रन्तरल से हुई किसी ग्राय की बाबन उक्त प्रधिनियम के ग्रंगीन कर देने के अन्तरक के दायित्व भें कमी करने या प्रसंसे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिगाने में भुविधा के लिए।

अतः, अतः, उत्तत अधिनियम की झारा 269 ग के अनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की झारा 269-च की उपबारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बनवारी लाल बंसल पुत्र स्वर्गीय श्री विहारी लाल, ग्रानिल कुमार बंसल धर्म पत्नी श्री बनवारी लाल बंसल निवासी 3808-ए डेविड स्ट्रीट दर्यागंज दिल्ली श्रब सी-2155 सफदरगंज डबलपमेंट एरिया, नई दिल्ली

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमित सरला जैन धर्मपत्नी श्रनन्त प्रकाश विमल जैन, श्रीमती ऊषाजैन धर्म पत्नी श्री श्ररीहंत प्रकाश कमल जैन, श्रीमती ऊरमिला जैन धर्मपत्नी श्रकालंक प्रकाश निर्मेल जैन निवासी मर्राफ स्ट्रीट इटा (यू०पी०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक दो मंजिला कोठी जिसका पुराना नं० 3762 नया नं० 3808-ए खेविड स्ट्रीट दरयागंज, इलाका नं० 11 दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 231.50 वर्गगज है, जिसकी हद निम्न लिखित हैं:—

पूर्व : मकान नं० 3762 पश्चिम : डेविड स्ट्रीट उत्तर : मकान नं० 3808 दक्षिण : मकान नं० 3809 ।

> श्रीमिति एस० कें० ग्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनांक 12 जून 1980 मोहर: प्ररूप आई० दी० एन० एस०⊷

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रमीन सुकला

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रें न-II, एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई०पी० स्टेप्ट, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक: 12 जून 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०]]/एस० ग्रार०-]]/10-79/ 2872—प्रत: मुझे श्रीमति एस० के० ग्रीलख

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्० से ध्रधिक है

न्नीर जिसकी सं० सी-34 है तथा जो णिवाजी पार्क रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (म्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ,ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रामीन कर देने के मन्तरक के खियरन में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के भग्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्णात्:—

- (1) श्री धरमवीर चोपड़ा पुत्त श्री वंशीणी धर चोपड़ा निवासी 98 भगन सिंह मारिकट नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुरू सिंह सभा, णिवाजी पार्क रोहतक रोष्ट्र पो० श्रो० सकूरपुर दिल्ली जिसके प्रधान सरदार ग्रमरीक सिंह बीरव सैंकेटरी सरदार महिद्र सिंह। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारी खसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भी होल्ड प्लाट नं० सी-34, शिवाजी पार्क रोहतक रोड़ गात्र के एरिना मादीपुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 502 वर्गगज है।जो कि निम्नलिखिन प्रकार से हैं।

उत्तर : प्लाट नं० सी-33 दक्षिण : प्लाट नं० सी-36

पूर्व: रोड

पश्चिमः प्लाट नं० एच-83 ग्रीर 84 ।

श्रीमति एस० के० ग्रौलख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रार्गेन रेंज-I^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12 जून 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजैन रेंज-II, एच ब्लाक्ष, विहास भवन, प्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/10-79/2879---भ्रतः मुझे श्रीमती एस० के० भ्रौलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर गंपित जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिनको यं० V-1/4 है तथा जो राजौरी गार्डन नर्छ दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 वर्ग 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उद्धित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उच्चित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित त्यिक्तियों अथित्:——
6—136GI/80

- (1) श्री देश राज, श्री हामेश सिंह, श्री मुलख राज श्रीर सुरेन्द्रित कुमार पृत्न स्वर्गीय श्री राजा राम श्रार०/OV-1/4 राजौरी गार्डन, नई दिस्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रार०पी० श्ररोड़ा पुत्र श्री एम० एम० अरोड़ा निवासी/2160 गली मेहर पारबर दरया गंज दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वरहीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुवे, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमगहीं।

अन्स्ची

एक फी होल्ड प्लाट नं \circ V-1/4 राजौरी 'गार्डन नई दिल्ली में स्थित हैं/ जिसका क्षेत्रफल 213 वर्गगज हैं।

श्रीमती एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वतः (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-II, विल्ली, नई दिल्ली-11000

दिनांक: 12 जुन 1980

प्रक्ष आई• टी॰ एन० एस•--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) भी धारा 269-च (1) के अधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक विधास भवन, ग्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, 12 जून 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० भ्रार०-II/10-79 2892—⊸ग्रतः मुझे श्रीमती एस० के० ग्रौलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इयक परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पति, जिसका उचित बाधार मुख्य 25.000/- ए० से अधिक है. भौर जिसकी सं० 11-सी है तथा जो फ़ुष्णा पार्क नर्ड विल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध शन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भारतीय रजिस्दीहरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रघीन दिनांक 25-10-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। योंकन पंगत्ति का उचित बाजार मुल्य. अनके दृश्यमान पतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐपे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिखित में वास्तविक

(क) ग्रन्तरण ते हुई िकसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; ग्रौर/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी हिमी आय या हिसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त प्रधितियम, की धारा 269-ए के श्रवुगरण में, मैं उक्त प्रधितियम की बारा 269-य की उत्तरारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:— (1) श्रीमती कैलाश कुमारी खानीजू धर्मपरनी डाक्टर धर्मवीर खानीजू निवासी डी-2/1 नई मार्विट कमला नगर दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री धुवारका नाथ पुत्र श्री गुर नारायण 2/11 तिलक नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिक्षि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथें होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है ।

अनुसुची

एक फी होल्ड प्लाट नं० 11/सी कृष्ण पार्क नई दिल्ली में स्थित है । जिसका क्षेत्रफल 450 वर्गगज है।

> श्रीमसी एस० कें० ग्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12 जून 1980

मोहर 🏻

प्ररूप बाई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, एच बलाक, बिकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1980

निवेश सं० माई० ए० सी० /एक्यू०/II/10-79/2895-- मतः मुझे, श्रीमति एस० के० मौलख

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० सी०-90 है तथा जो इंद्रपुरी नई दिल्ली में स्थित है भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिम्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यलय दिल्ली में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 29-10-1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) श्रीमती प्रकाण देवी धर्म पत्नी श्री रोशन लाल कोच्चर निवासी 5334 धर्म चंद जविलडिंग चंद्रा-वल रोड, सब्जो मण्डो, दिल्लो

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीना कनिका धर्मपत्नी श्री के० सी० कनिका श्रौर श्रो कृष्ण चंद कनिका पुत्र श्री वाली राम दोनो निवासी ऐ० - 63 नारेणा विहार, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

एक की होलड़ प्लाट नं० सी-90 जिस का खसरा नं० 1609 इंद्रपुरी कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है। जोकि निम्नलिखित प्रकार से है।

उत्तर :-रोड दक्षिण :-रोड पूर्व :-- प्लाट नं० सी--89 पश्चिम :-- प्लाट नं० सी--91

> श्रीमित एस० के० भौलख, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक : 12 जून, 1980

प्रकृप जाई । टी । एन । एस ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, एच बलाक, विकास भवन, भ्राई०पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० /एक्य्/II/एस० प्रार-II/10-79/2898—-प्रनः मुझे, श्रीमिति एस० के० प्रौलख अध्यक्तर प्रितियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उक्त अधिनिश्म' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क० से अधिक है

भौर जिसकी सं० कोठी नं० 24 है तथा जो रोड नं० 72 पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे छा।बद्ध धनुमूनी में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक ध्रयनुवर, 1979

का 16) के अधान दिनाक श्रवतूबर, 1979
को पूर्वोक्त सक्पिल के उक्ति बाजार मूल्य से कम के
वृद्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथान्धीकत उम्भित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
जित्तिक से. ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिधक
है और जन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (प्रत्तरितियों)
के बीध एस धन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल.
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
किखात नहीं विशासना है।——

- (5) अन्तरम से हुई किया प्राय को जावत, उनत जाबि-निधम के प्रधीन कर देने के प्रम्सरक के बायिस्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अग्न्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अग्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के लिए;

शतः य**व, उका भजितियम की** घारा 289-म के **धन्मरण में;** भें, उत्ता श**धिनियम की घारा 289-म** की **उपचारा (1) के** अधीन, भिन्नलिखित अविसयों, अ**र्थात्ः**— (1) श्री तगरा चन्द पुत्न श्री कर्म चन्द, 72/24 पंजाबी बाग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुन्दन लाल पुत्र श्री देवी सहाय श्रौर उसकी धर्मपत्नी सुरेशबती निवासी मकान न० 77 कीली रोड़, करौल बाग नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत्र १०००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन का ग्रातिश्व मा नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन का अविध, जो भी भत्रिध बाद में समाध्त होती हो के गीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्त्र में प्रकाशन की नारीख थे 45 दिन के भीतर अगत स्थावर सम्पत्ति में हितब्रक्क किशी अग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्तेंगे।

स्वद्धीकरणः—-इतमें अप्रुक्त गब्दों और पत्नें का, जो खकत अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, को अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गम है।

अमुसुची

एक कोठी नं० 24 भीर रोड नं० 72 पंजाकी बाग नई दिल्ली में स्थित हैं जिसका क्षेत्रफल 525 50 वर्गगज है।

> श्रीमति एस० के० **ओलख** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002

सारीख: 12**-**6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 24 मई 1980

निदेश न० 663/म्रर्जन/एँटा/79-80—म्प्रतः मुझे एस० के० भटानगर,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 26 व 27/1 है तथा जो सिविल लाइन्स झांसी में स्थित है (श्रौर इससे उपालद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) ह बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त प्रन्तरण निखा में नामानित हम ने स्थान नहीं हिया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वाशित्व में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की निन्हें भारतीय आप्र-एर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपक्षारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रोमती एम० गुडाहो विधवा श्री टी॰ गुडोहो 24 सिविल लाइन्स भांसी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामकृपाल सिंह उप ग्रधीक्षक फतेहपुर हाल मुजीम झांसी श्रात्मज श्री प्रीमत सिंह सिकन ग्राम णाहपूर परगना व तह० श्रलीगंज जिला ऐटा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (ह) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशम की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की जामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्थडिकरण:---इसमें प्रयुक्त अब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रिवियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 27 व27 /1 स्थित सिलिल ला**इन** झांसी टोटल एरिया 3496 कबई एरिया 2641 श्रोपिन एरिया 855 वर्गंफूट हैं।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर दिनाक 24 मई 1980

निदेश नं० 744 श्रर्जन झांसी/79-80—श्रतः मुझे एस० के० भटनागर

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सिविल लाइन्स झांसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधक्क अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय झांसी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 10 श्रक्टूबर, 1979

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किएत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिब्त व्यक्तियों, अधिक्:---

(1) श्रीमती लिलो डैनियल मैथ्यू पत्नि श्री डैनियल मैथ्यु निवासी रेलवे नर्सेस क्वाटर झांसी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सैयद शहजादा हैदर पुत्र श्री स्व० ग्रष्टसानुल हक निवासी 7 विसातखाना झांसी:

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (1) एस सकत थे राज्य मा प्राप्तशत की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट कुल नाप 4000 वर्गफुट सिविल लाइन्स झांसी में स्थित है।

> एस० के० भटानगर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

मोहरः

प्राह्म साई० टी० १४० ए४० --- ---

आयकर आश्वनियम, 1961 (1961का 43) की धारा

289-ध (1) है अधीन स्थना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

िनिदेश नं∘ 737/ग्रर्जन/झांसी/79-80-—श्रतः, मुझी, एस० के० भटानगर

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उन्त सथितियम' कहा थया है), की धारा 26 ल्ब के ध्रधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका क्षित नाजार मृत्य 25,00 कि र• से ध्रिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/14 से 1/20 व 1/26 से 1/28 है तथा जो गनेश बाजार आंसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्प से विणित है) र जिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय आंसी में, र जिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य समें दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य समें दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (धन्तरकों) और भन्तरित (भन्तरितया) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ अथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण विर्व्हित में

बास्तविक रूप से अधित ना किया गया है हन्त

- (क) अन्तरण से हुई जिसी अध्य की वानत **चन**स अधिनयम के अधीन कर देने के सन्तरक ने वायरन में कभी करने या जसम अवन में सुविधा के किए; सीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या कियी धन या भन्य भास्त्यों भी, जिन्हें भारतीय भागकर शिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया बाला चाहिए था, क्रियान में मुखिक्षा के लिए।

अतः, अवः, जन्त अधिनियः भी धारः 26% गणे अनुसरण में, में, जन्त अधिनियः की जारा 26% म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री झास्माराम गोविन्द खेरेपुलगोविन्द झात्मा राम खेर मुख० झ० व खुद मधुसूदन आत्माराम खेरव बासुदव आत्माराम निवासी 11, कालीदास मार्ग, लखनऊ व मकांन 773/8ई० जेकन जीम खना, पूर्ण, महाराष्ट्र

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बाबूराम गुप्ता व पदमपत गुप्ता, विजय नगर, ऊरई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

चनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारोख से
 45 दिन की प्रतिष्ठिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवित्र, जो भी
 सविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति हारा, श्रधोब्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रमुक्त करवों घीर पर्दो का, जो खक्त धिक्षित्यम के ग्रध्याय 20क में परिचाधित है, बही धर्च होगा, को उस प्रध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

मकान नं \circ 1/14 से 1/20 व 1/26 से 1/28 तक गनेश बाजार, झांसी में स्थित है।

एस० के० भटानगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 24 मई, 1980

प्रकार शाही ी व युन् व एस ब----

भायकर अधिनियम, 1951 (1961का **43) की ध**रर 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

निदेश नं० 636 श्रर्जन कोच/79-80—श्रतः मुझे, एस० के० भटनागर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त्र मधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-ख के अधोन अन्न प्राधिकारी हो, यह विग्वास करने हा कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उक्ति बाजार मूख्य 25,000/- क• से अजिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हिगुटां कोच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कोच में, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कोच में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12 10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर गृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का जार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल के थीर अन्तर्भ अधिक हे थीर अन्तर्भ (अन्तर्भों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तवित हथा से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के भस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या घर्म्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय शायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनित्ति, 1957 (1957 को 27) ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था कि कि ा चिल्हिए बा, छिपाने में गुविधा के लिए,

अतः मन, उनत प्रधिनियम की बारा 269-म के अनुसरम में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-म की उपबारा (1) के अभीन, निम्निविधित धारिनायों, अभीत्:--

(1) श्री राजाराम पुत्र गुपाल, निवासी हिगुंटां पकौच पो० सापी, जिला जासीन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सूरज सिंह पुत्र देव सिंह, निवासी ऐदल पुर पर० वल जिवा जालोन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्धोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाक्ष्यिं। करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस मूजना के राजपत में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि से तरसम्बर्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी भविष बाद में समाज होती हो, के भीवर पृष्णित व्यक्ति में कि विसी क्यक्ति हो।;
- (ख) इस तुष्या के राजपल में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किया किया भारत के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीका, जो उक्त अधिनियम के श्रध्यात 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस शब्दाम में दिया गया है।

अन्सूची

तीन किता कृषि भूमि नम्बर 23 ध, 23ब, तथा 274, ग्राम हिगुटा पर० कोच व जिला जालौन में स्थित है।

एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्णन रेंज, कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

प्रकप बाई • टी • एन • एन • ----

आयकर **अधिनियम**; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई, 1980

निवेश नं० 740 ए --- ग्रतः मुझे एस० के० भटनागर अधिनियम, 1961 (1961 কা (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर तंत्रसि, जिसका सवित बाजार मस्य 25,000/- ए० से **अधिक है** भौर जिसकी सं० है तथा जो गनेश बाजार झांसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 11 प्रक्टूबर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित्र बागार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारज है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुक्त, उसके बुश्वमान प्रतिकल से, ऐसे बुश्वमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिष्टतः अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया

(क) धन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त श्रीविषयम के अधीन कर देने के ब्रन्टरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

प्रतिफल, निम्नलिखित संबुर्ग से उस्त मन्तरण लिखित में नास्वितिक

कप से कवित नहीं किया गवा है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियानें में सुविद्या के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-7.—136GI/80 (1) श्री झात्माराम गोवन्दि खेर पुन्न श्री गोविन्द खेर भ०झा० मा०व खुद मकसूदन झात्माराम बासुदेव व झात्माराम खेर नि० 11 कालीवास मार्ग, लखनऊ व 773/8 ईक्क जीन खाना पूर्णे, महाराष्ट्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मती कुर्मिला देवी गुप्ता, सुभाष गंज झांसी। (भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

बनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की घर्वाध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी करें 30 दिन की घर्वाध, को भी घर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में द्वितबढ़ किसी भन्न व्यक्ति द्वारा स्थोहस्तावारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण --- इसमें प्रयुक्त जन्मों घोर पर्यों का, चो उनक्ष प्रधितियम के अध्याव 20-क में परिचाणित है, नहीं घर्ष होता, चो उन धन्याव में दिया नवा है।

अनुसूची

खुली जमीन 4188 वर्गफुट, मोहल्ला गनेश बाजार, सांसी में स्थित हैं।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक : 24 मई, **198**0

प्ररूप् आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 24 मई, 1980

निदेश सं० 641/म्रर्जेन/ललितपुर/79-80—म्रतः मुझे एस० के० भटनागर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 8 कटराबाजार है तथा जो कटराबाजार में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रोर पूण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लित-पुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5 ग्रक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक उप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों अर्थातः——

(1) श्री प्रशीक कुमार नुना पुत्र श्री ब.स्टब्द्र ्ना, ललितपूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जीतेन्द्र कुमार जैन पुक्त श्री मन्नूलाल, जैन तालावपुरा, ललितंपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वी

एक किता मकान नम्बर 8, कटराबाजार, ललित्पुर में स्थित हैं।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी स**हायुक आ**युकर आयुक्त, (निरक्षिण) भर्जन रेंज, कानपुर

दिनोक : 24-5-1980

माहरः

माग III--खब्ह 1]

प्ररूप भाई । टी । एन । एस • ----

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, कानपुर कानपुर, विनांक 24 मई 1980

निदेश सं० 679/ग्रर्जन/हरिद्धार/79-80——भ्रतः मुझे, एस० के० भटनागर

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम मामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाबार मृल्य 25,000/- र० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो राठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय राठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांन 16 ग्रिक्ट्रवर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिकात से धिक है, धौर यह कि धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण के हुई किसी घाय की नावत, उक्त धिक नियम, के मसीन कर देने के घन्तरक के दावित्व में कमी करने या उसने बचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी छन या प्रन्य भारितवों को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्वल अधिनियम, या बन-कर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के अभी जना वं बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था किया जाना चाहिए चा, क्रियाने में सुविधा के लिए।

भतः भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की खारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, वर्षात्।--

- (1) श्री मती प्रकाश रानी विधवा जगत निवासी टोलारावत पो० टोलारावत पर० व तह० राठ जिला हमीरपुर (ग्रन्तरक)
- (2) भगत सिंह, महेम सिंह, ग्रंखिलेश कुमार पुत्न स्वामी-दीन व स्वामीदीन पुत्न प्यारे लाल निवासी मधूदपुर पो० मसूदपुरा पर• वा० तह० रा० जिला हमीरपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घषित्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की घषित्र, को भी घषित्र बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्स स्वावर सम्पत्ति में दितबज्ज किसी प्रश्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्साकरी के पास निचित में किए जासकेंगे।

स्पच्छी करक :--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त धिक्षित्यम, के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो इस सञ्चाद में दिया गया है।

ग्रमुस्यो

क्रिषि भूमि बाके मौजा टोलारावत पर० व तह**० राठ** जिला हमीरपुर में स्थित है। जिसका रकवा 16:65 एकड़ है।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) व्ये अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

निदेश नं० 738/म्रर्जन/झांसी/79 80---म्रतः मुझे एस०, के० भटनागर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो गनेश बाजार झांसी में स्थित हैं (ग्रीर इससे छपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झांसी में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 11-10-79

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों अधितः--- (1) श्री ब्राह्मा राम गोविन्द खोर पुन्न गोविन्द्र ब्राह्मा राम खोर मधुसूदन ब्राह्माराम खोर II काली दास मार्ग लखनऊ, व 773/8ई डेकन जीम खाना पूणे महाराष्ट्र

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पुष्पा देखी गुप्ता जवाहरगंज उरई (ग्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली भूमि 4003 वर्गगज गनेश बाजार झांसी में स्थित है।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

प्रकप माई० टी∙ एन∙ एस०——

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं(1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

निवेश नं० 632 मर्जन/खैरागढ़ 79-80— म्रतः मुझे एस० के० भटनागर,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- काए से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि हैतथा जो गोराऊ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खैरागढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-10-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल के लेख दूर्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और भन्तरक (भन्तरक) और भन्तरक के लिए तम पाया गायितिकल निष्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में शस्तिक कप ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बग्तरण से हुई किसी धाय की बाबत जक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के बायरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों
 हो, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या
 धन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थं भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में
 स्विधा के लिए।

भव: भव, उरत श्रक्षितियम की धारा 209-म के धनुसरण में, मैं, उरत श्रिक्षितयम की धारा 209-व की उपधारा (1) अक्षीत निम्नक्षित्वत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मू० दौपद्री वेवा श्री चन्द्र निवासी गोराऊ डा० रिठौरी तह, खैरागढ़ जिला श्रागरा

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री रानबीर सिंह पुत्र बाबू सिंह व श्री मती मायादेवी पत्नी रनबीर सिंह व राजबीर सिंह पुत्र रनबीर सिंह व श्रीमती गंगा देवी पत्नी राजबीर सिंह निवासी गोराऊ डा॰ रिठौरी तह॰ खैरागढ़ जिला श्रागरा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45- दिन की शत्रिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रवित, जो भी प्रवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोत्स्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पब्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

48 किता कृषि भूमि जिसका रकवा 23 विधा 15 विस्वा ग्राठ वि० जो कि बाके मौजा गोराऊ तह० खैरा गढ़ जिला भ्रागरा में स्थित है।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, कानपुर

दिनांक : 24 मई 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 24 मई 1980

निदेश नं० 652 एक्यू/फारूखाधाद—ग्रतः मुझे एस० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० मकान है तथा जो जौधरी चन्धावन में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरूखाबाट में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-10-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कि अत नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयुं की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर योने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मुकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः— (1) श्री महावेत्र प्रसाद पुत्र वाल मुकत्य खुद व मुख्तार खास मरिये मुख्तार नामा खास श्रवत्वर 1939 मु० नोटरी पिटलक मंगलौर मिश्री नारायण जगलान पुत्र श्री बालमुकुन्द क्रादर हकीकी खुद व शंकर लाल पुत्र बाल मुकुन्द सा० मौसूफ मौ० सेनापति फख्खावाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गनेण दास भ्राहुजा पुत्र श्री जोधाराम श्राहुजा सा० नवीनकुंज फट्टुखावाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पतित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुष्ता जिसका क्षेत्रफल 266 वर्ग मीटर हैं भ्रौर चुंगी नम्बर 4/2 है बाके चौधरी बन्दावन फरूखाबाद में स्थित है।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त, (निरक्षिण) प्रार्जन रेज, कानपुर

तारीख : 24 मई 1980

माहरः

प्ररूप आइ र. टी. एन. एस. -------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

निदेण नं० 630/म्रर्जन/कानपुर/79-80—म्प्रतः मुझे, एस० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान 88/156 हैं तथा जो चमनगंज कानपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक 15-10-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री गुलाम नवी पुत्र श्री हाजी छली खां निवासी 88 156 चमनगंज, कानपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती नजमा पत्नी श्री मुस्ताफा निवासी 88/165 चमनगंज कानपुर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 88/156 चमनगंज कानपुर में स्थित है।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

भाहरः

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 24 मई 1980

निदेश नं० 628-ग्रर्जन/79/80 कानपुर-प्रात: मुझे, एस० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो गोटईया में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-10-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः— (1) श्रीमती मृदुला गुप्ता पुत्नी स्व० बाबू राम गुप्ता निवासी बाबू विहार 7/198 स्वरूप नगर व श्रीमती रेशमा गुप्ता वेवा बाबू राम गुप्ता ग्रोम प्रकाश गुप्ता व श्रानन्द, प्रकाश गुप्ता पुत्न बाबू राम गुप्ता व श्रीमती मधुरी गुप्ता कुमारी मोहनी गुप्ता पुत्नी स्व० बाबू राम गुप्ता 7/398 स्वरूप नगर कानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती होमलता गुप्ता पत्नी म्रानन्य शंकर गुप्ता 11/235 हर्षनगर कानपुर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृषांकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नम्बर बी स्कीम 7 प्लाट नम्बर 90 गुटइया कानपुर में स्थिन हैं जिसका रकवा 493.3 वर्ग गज है।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रेंज कानपुर

दिनांक : 24 मई 1980

प्ररूप भाई० टी० एत• एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 24 मई 1980

निदेश सं० 742 अर्जन/झांसी/79-80-----ग्रतः मुझे एस० के० भटनागर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राक्षिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यये से अधिक है और जिस की संज है तथा जो गनेश बाजार झांसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीक्षत्ती अधिकारी के कार्यालय झांसी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) वे श्रधीन विनांक 11-10-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए श्रम्तरित की गई है और मुझे यह विक्रमास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्बद्ध प्रतिशत ग्रिक्त है और ग्रन्तरक (भन्तरकों) और ग्रम्तरिती (अम्तरितिमों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अम्तरण निम्नलिखत में बास्तविक का ने कथित नहीं किया गया है:---

- (अ) अन्तरण से हुई किसी धाय की वाजत, उक्त अधि-निष्यम, के सक्षीन कर वेते के घन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविचा के लिए। और'या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा चाहिए था, जियाने में सुविधा के आए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) श्री आत्माराम गोविन्द खेर पुत्र गोविन्द श्राहमान् राम खेर व भदूमूदन व खुद व मु० श्र० श्राहमाराम गोविन्द खेर व बासुदेव श्राहमाराम बेर जिन्मो 11 अलीदास मार्ग लखनक व मकान नं० 773/8ई डैकेन जीम खाना पुणे महाराष्ट्र। (श्रन्तरक)
- (2) श्री क्षत्राण चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री राम बाबू विजय नगर उरई।

(श्रन्त(रती)

को सर् मूचन। जारी करके पुर्वीका सम्मन्ति के अर्जन के लिए कासवाहियां गुरू करना हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्ज :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रधापन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरपम्बन्धी अपिनायों पर यूचना की तापीज से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रणिश बाद में प्रभाष्त होती हो. के बीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख़ से 4,5 दिन के भीतर उका स्थावर संगत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताझरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्परतीकरण:--इममें प्रमुक्त शब्दों स्रोर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टगाय 20-क में यहा परिभाषित हैं, बही श्रथं शोगा जो उस स्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माकान नम्बर 1 व 1/1 व 1/2 व 1/21 स 1/25 तक गनेश बाजार क्षांसी में स्थित है।

एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, **सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंच, धानपुर

विनांक: 24 मई 1980

मोर्र:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

निवेश नं० 770/म्रर्जन/म्रागरा/79-80-—म्रतः मुझे एस० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 32/45 है तथा जो हकीमा गली ग्रागरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 4-10-79

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापवोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उस्तः प्रितियमः, की भारा २६९-ग वे अन्भरण में, में, उकत अधिनियम की धारा २६९-त्र की उपधारा (1) के द्राप्तिन, निष्पिटिखित व्यक्तियों अथित्:— (1) श्री जथराम दास पुत्र श्री मोट्वल निवासी 32/
45 हकीमा गली श्रागरा बजात खुद व वहैसियत मुख्या व बक्ती समस्त हिन्दू सम्मिलत परिवार व वहैसियत मुख्तार श्राम मि० ताराचन्द्र विरादर हकी की पुत्र श्री कोट्सल वजरिये मुख्तार नामा श्राम रिजस्ट्री खुत विनांक 4-1-79 व श्रानी माताश्री मती मारवाई उर्फ मीरा विधवा श्री कोटमल मौसूफ वजरिये मुख्तार नामा ।

(श्रन्तरकः)

(2) कुन्दनदास उर्फ कुन्दलाल व विश्वनचन्द्र व गिर-धारीलाल व विज्ञनदासपुत्र श्री करमचन्द्र निवःसी कोतवाली गली काला महल श्रागरा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिह्यां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

एक जिला जायदाद नम्बरी हाल 32/45 बाके हकीमा गनी प्रागरा में स्थित है जिसका रक्ष्या 155 वर्गमीटर ह।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपूर

दनांक : 21 मई 1980

मोहरः

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ज़ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 24 मई 1980

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० 119 से 1/13 तक है तथा जो गनेश बाजार शांसी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शांसी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19-10-79

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथतु नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुमिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः.—

- (1) श्री श्रात्मा राम गोविन्द खेर पुत्र गोविन्द धात्माराम खेर मुं अाम खुद मधुसूदन व आ माराम खेर व व सुदेव व श्रात्माराम खेर निवासी-II कालीदास मार्ग लखनऊ व 773/8 ई डेकन जीमखाना पुणे महाराष्ट्र। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बेदेही शरण तनयशी बैनी प्रसाद मोह्रूल्ला पंचमहला श्रयोध्या जिला फैजाबाद । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पर्वाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचीं

एह फिला बंजर वगीचा भगवाड़ा 7/1 वाके मुहस्ला गोग कजिंद झांसी में स्थित हैं।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मई 1980

निदेश सं० 739/अर्जन/झांसी/79-80—ऋतः मुझे,एस० के०भटनागर

आयकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ध्रुप्त से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० खुणी जमीन है तथा जो गनेण बाजार द्यांसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयर्ता श्रिधकारी के कार्यालय झांती में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांत 11-10-79

को पूर्वीका समासि के जानत बाजार मूल्य से कम के द्रशमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीका सम्पत्ति का जिवन बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल नो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्निजिद्धित उद्देश्य से जक्त धन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घरतरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसा आय जा किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में संविका के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम हो बारा 269-ए हे सनुवरण में, में, उक्त यधिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आत्मा राम गोविन्द खेर पुत्र गोविन्द राम आत्माराम खेर म० आ० व खुद मधुसूदन आत्माराम खेर व वसुदेव व आत्मा राम खेर निवासी 11, कालीदासमार्ग, लखनऊ व 773/8-ई डेकनजीम खाना पुणे, महाराष्ट्र।

(ग्रन्तरकः)

(2) रामकुमारी, शुभाषगंज, झांसी ।

(भ्रन्तरितीः

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की कारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध, जो मंख्यिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोत्स्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उना प्रविनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा जी उस भट्टयाय में दिवा गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन 3904 वर्ग फीट बाके मोहल्ला गनेश बाजार झांसी।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

प्रस्प मार्थे० ही ० एन ० एस ० ---

आवकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 की 43) की झारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांयः 24 मई 1980

निदेण सं० 743/ग्रर्जन/श्रलीगढ़/79-80—श्रतः मुद्ये एस० के० भटनागर

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'जन्त मिल्रिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रजोत मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० है तथा जो गनेम बाजार झांसी में नियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय झांसी में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीविन दिनांक 11-10-79

श्रधान दिनाक 11-10-79

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत्र में, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकल, तिमानिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृष में कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के टाय्टिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी िक सी आप या किसी अन या धन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना राहिए था, जिल्पाने में स्थित के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-घ की उपदारा (1) के प्रधीत, निष्नजिखित व्यक्तियों नर्गतः --

- (1) श्री श्रात्माराम गोविन्द खेर पुत्र श्री गोविन्द रामखेर मुख्नार श्राम खुद मधुसूदन पुत्र श्री श्रात्माराम गोविन्द खेर निवासी कालीदास मार्ग लखनऊ व मकान नं० 773/8ई डेकनजीमाखाना पुणे महाराय्ट।
- (2) श्री पालर वाले ट्रस्ट सुभाणगंज झांसी वजरिये रामबाबू प्रबन्धक सेठरघुवर दयाल सुभाषगंज झांसी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजम के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रचेत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की घविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, वो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, को उसस ग्राधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रावं होगा, जो उस भश्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

एक किता मकान 1/2 व 1/8 गनेशवाजार झासी में स्थित है जिसका रकवा 2662 वर्ग फुट है।

> एस० केः० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 24 मई 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जून 1980

निदेश सं० 1084-ए/देहरादून/79-80----श्रतः मुझे एस० के॰ भटनागर

श्रायकर श्रिव्यत्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन ग्रक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की संव श्रवल सम्मत्ति है तथा जो इन्द्र रोड़ देहर दून में स्थित है (और इपने ज्याबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय देहराइन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-10 79

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वात किरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्वरकों) भीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के श्रधीन कर वेने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः, मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्गात्।— (1) श्री श्रोम प्रकाश भाषुर पुत्र श्री नरायन प्रकाश माथुर 25 इन्द्र रोड़ देहराहून

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री राजेन्द्र सिंह सरीन पुन्न श्री पी० एल० सरीन निवासी 92/2 रेस कोरस देहरादून (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्ती करण: → -इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रधि-नियम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रवल सम्पत्ति 1/3 इन्द्र रोड़ देहरादून पर स्थित है

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक: 11 जून 1980

मोहरः

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर,दिनांक 16 जून 1980

निदेश सं० 1281-ए/मु॰ नगर/79-80-- भ्रतः मुझे, एस॰ के॰ भटनागर

आपकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त प्रवित्तियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रष्टीत सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ै कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रष्टिक है

श्रौर जिस की सं० 608 व 609 है तथा जो गान्धी कालोनी मु० नगर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 19-10-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये प्रश्नारेत की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिश्व अधिक है और अस्तरक (प्रशादकों) भीर पश्तिकता (प्रश्नादितां) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकता, निम्नलिखित नहेश से उत्तर प्रश्नश्य सिचित में सम्नविक का पे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त बाधानयम के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आए या किसा धन या अन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय आप गर ग्रीबिनियम, 1922 (1922 रा 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

4त: सब, उ4: प्रधितियम को पारा 269-ग के प्रतृत्रण में, में, उबत यमितियम को पारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निध्नलिखित स्थिकत्यों. अयोत्1→-

- (1) श्रीमती यशोदा देवी पत्नी स्व० टहल राम, निवासी 13/12 य 13/11 मन्श्री कालोनी मुजफ्फरनगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ब्रह्म सिंह, कर्ण सिंह व हरवीर सिंह पुत फेरू सिंह श्रीमती श्रतरी पत्नि स्व० फेरू सिंह, निवासी दितयाना पर० तह० जिला सुजपफफर नगर।

(भ्रन्ति रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सिए कार्यकार्त्वियां करता है।

उनन सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य क्यांनत द्वारा, मधोह्रस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा धीर पदों का, जो उक्त प्रधिनयम, के घट्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी बर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अ ∤सूधी

्राप्त किता महान नम्बर 608 व 609 बाके गान्धी आलोती, सुजयकर नगर में स्थित है।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सडायक ग्रायकार श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्राजन रेक, गानपूर

विनक्षिः: 10 जून 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रवितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 जून 1980

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी

सं० 12-ए० हैं तथा जो नेमी रोड, देहरादून में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कायिलय देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 19-10-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत अध्यति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्र इप्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ट-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, याधन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनाथं भ्रम्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) लैपटोनेन्ट कर्नेल एल० एस० गुसेन, 12-ए०, नेमी रोड डालनवाला देहराहुन।। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रीता ठाकुर पहिन श्री श्ररूण कुमार ठाकुर, निवासी 12-ए०, नेमी रोड देहरादून । (श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त समाति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उकत स्थावर समाति में हितबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्केंगे।

हरवदीकरण :---इतमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधि-िगत के श्रव्यार 20क में गरिमाधित हैं वही ृत्यं होगा जो उन्त संव्यास में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक किता गृहपस्पति जिसका नम्बर 12-ए०, नेमी रोड, देहरादून में स्थित है।

> एस० के ० भटनागर, मक्षत्र प्राधिकारी, यहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 10-6-1980

प्रकप धाई० टी० एन० एस०-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जून 1980

निर्देश सं० 1099-ए०/मेरठ/79-80—ग्रतः मुझे, एस० के० भटनागर,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिमिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सकाम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है और जिसकी सं० 779/8-एच० है तथा जो ब्रह्मपुरी मेरठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के धिवत बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित अदिश्व से उना पन्तरण निष्ति में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) ध्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ध्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या म्राय्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या घनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मृग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः, ग्रव, उवत ग्रिवितयम की धारा 269-ग के अतु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिवितयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिश्वत व्यक्तियों, ग्रंथीत्:→-2-136GI/80

- (1) श्रीमती योगेश कुमारी पत्नि श्री मुरारी लाल मार्फत मैसर्स लाल क्लाथ हाऊस सरदार पटेल गंज मेरठ कवाड़ी बाजार । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चंचलरानी पितन श्री रोशन लाल तथा इन्द्र राज पितन सुन्दरवास निवासी 779/8-ए०, बह्मपुरी मेरठ (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस स्वात के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला जिसका नम्बर 779/8-एच०, दुमंजिला ब्रह्मपुरी मेरठ में स्थित हैं।

एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिष्ठीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जून, 1980

निर्देश सं० 1185-ए०/हापुड्/ 79-80--श्रतः मुझे एस०

के० भटनागर
गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी
स० अहाता चन्डी रोड है तथा जो हापुड़ में स्थित है (और

स० ग्रहाता चन्डी रोड है तथा जो हापुड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 29-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, जन्त अधिनियम की धारा 269-श की जपधारा (1) के... अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री वर्णन दयाल जैन पुत्र नानक चन्द्र जैन निवासी कटरा खेलारी राम हापुड़ जिला गाजियाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मती राम कली देवी पत्नि रसनलाल श्री रतन लाल पुत्र श्री बाब्राम निवासी पुन्नापुरी गढ़ रोड हापुड़ जिला गाजियाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त दोती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक किता अहाता चन्डी रोड हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित हैं।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक**र** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> ध्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 11 जुन, 1980

निर्देश सं० 1211-ए०/बुनन्दशहर/79-80---श्रतः मुझे, एस० के० भटनागर,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है जिसकी

सं० है तथा जो दुकान, मकान ईटा गोरी में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बुलन्दणहर में, रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

प्रधीन तारीख 25-10-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए श्रन्तिरत की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्ते भ्रिष्ठिनयम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :--

- (1) श्रीमती वीना शुक्ला पत्नी श्री वी० के० शुक्ला निवासी मोहल्ला लेखराज नगर, ग्रलीगढ़ (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सीना गौड, पत्नी श्री विजय कुमार गौड, श्रीमती राजरानी गौड, पत्नी श्री राज कुमार गौड, श्रीमती मीरा गौड पत्नी श्री रिवश कुमार श्रीमती नीलमा गौड पत्नी श्री ग्रजय कुमार निवासी मोहल्ला ईटा शरी, (बुलन्दशहर)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के धर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवंधि, जो भी श्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रपुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिजित्यम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान तथा मकान सलथा रोड, ईटा सेरी जिला बुलन्ध-प्राहर में 95,000/- रुपये की बेची गई है।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायु**क्त (नि**रीक्षण**), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-6-1980

प्ररूप आई • टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, विनांक 25 श्वप्रैल, 1980

निर्देश सं० 763/अर्जन/ग्रागरा/79-80—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है। और जिसकी

सं० मकान नं० 144 ए० है तथा जो प्रकाश नकर धागरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धागरा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 26-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्त्रण लिखित में बास्त्विक रूप से कृथित नृह्वी किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिंपिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री कुन्दीमल पुत्र भोजूमल निवासी साध मुहल्ला शाहगंज ग्रागरा (भ्रन्तरक)
- (2) श्री श्रीचनद्र सहाय सक्सेना पुत्र श्यामलाल निवासी रेलवे कलोनी हाथरस सिटी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के वर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण्:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक किता मकान नं० 6144 ए० बाके मोहल्लाप्रकाश नगर शाहगंज श्रागरा एक मंजिला एरिया 282 बर्ग मीटर बना है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजन रेंज, कानपुर

तारीखाः 25-4-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एस० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुरत (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मई, 1980

निर्वेश सं० 1055-ए०/मंसूरी/79-80---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

प्रायकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीत मक्षम भाष्ठिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भिष्ठक है

सं० मकान है तथा जो राजपुर बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छन्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्थ धर्धिनियम के धर्मीन कर देने के धग्तरक के वाधिस्य में कमी चरने या उससे बचने यें सुविद्या के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर घछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घछिनियम, या धन-कर घछिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चादिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा 1 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

- (1) श्री नरेन्द्र बैलफेयर ट्रस्ट देहरादून (ग्रन्तरक)
- (2) तिववतियन होम्स फाउन्डेशन मंसूरी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूज्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रीधनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है !

अनुसूची

एक किला मकान जिसका नम्बर 58 प्लाट क्षेत्रफल 11517.6 वर्ग मीटर विरिगरवाली पुराने राजपुर बाजार रोड देहरादून में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-5-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 मई, 1980

निर्देश सं० 813-ए०/देहरादून/79-80---श्रतः मुझे, बी० सीं० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० प्लाट 51/8 है तथा जो हिरिद्वार रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-10-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;
- अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) श्रीमती श्रानन्दी देवी राजवाण पत्नि श्री मेजर दलीप सिंह निवासी 51/8 हरिक्वार रोड देहरादून (श्रन्तरक)
- (2) श्री चन्द्र प्रकाश कोठियाल सतीश चन्द्र सर्वेश्वर प्रसाद राजेन्द्र प्रसाद पुत्रगण श्री रामदत्त कोठि-याल निवासी 204 रवुडवुडा मोहल्ला देहरादून (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य स्थाक्त ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

एक किता कोठी जिसका नम्बर 51/8 जिसका क्षेत्रफल 182 वर्ग मीटर हरिद्वार में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के समीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 मई, 1980

निर्देश सं० 1165-ए०/गा० बाद०/79-80---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

अर्थिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-आ के सधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है श्रीर जिसकी

सं० मकान 44 है तथा जो रहमत श्रली छोटी बजरिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में क्यी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; ग्रौर,या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिश्रानियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त मिश्रानियम, या घन-कर मिश्रानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिलाने में सुविश्व के लिए;

भतः वर्ग, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्रीमती रामकुमारी पत्नि जगवीश प्रसाद गुप्ता निवासी कें सी० 147 पुराना कीर्तन वाली गाजियाबाव। (श्रन्तरक)
- (2) श्री म्रोम प्रकाश पुत्र श्री ताराचन्द्र, निवासी 399, कीर्तन वासी बजरिया, गाजियाबाद । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षीप :--

- (क) इस मूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन को तारीज से
 45 विन की अविधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचन।
 की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के
 पास सिक्षित में किए जा सकींगे।

श्यक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधिनियम के प्रकाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

षमुजुची

एक किता मकान एक मंजिला नम्बर नगर पालिका 44 मो० रहमत श्रली छोटी बजरिया गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चेतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीखः 5-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 10 मार्चे, 1980

निर्देश सं॰ 106ए०/दादरी/79-80—श्रतः मुझे बी० सी॰ चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

और जिसकी सं० प्लाट नं० डी०/36 है तथा जो चन्द्र नगर कालोनी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-10-1979

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से किथ्नत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा अर्थे लिए; और्र∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण तो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निष्टिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती श्ररचना लाल पत्नि श्री नाथूलाल केयर श्राफ नाथूलाल एस० एस०पी०, श्रागरा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री डा॰ मनोज पुक्ष श्री जगन्नाथ, निवासी 31 शास्त्री पार्क देहली द्वारा कान्ती प्रसाद पुक्ष जगन्नाथ निवासी 31 शास्त्री पार्क, देहली मुख्तार ग्राम। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

म्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चन्द्र नगर कालोनी गाजियाबाद में प्लाट नम्बर डी०/26 क्षेत्रफल 623-51 वर्ग मीटर हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-3-1980

प्ररूप ग्राई० टो० एन० एन० ---

भ्रामकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन मुचना

भारत वरकार

कार्यालय, महायक आयकर भ्रामुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 मार्च, 1980

निर्देश सं० 1070-ए०/गा० बाद/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

श्रामकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

सं० प्लाट नं० 126 है तथा जो नवयुग मारकेट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 4-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बागार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए ग्रन्नरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि अथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण किखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृश्विद्या के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी खाप या किसी धन या अन्य ब्रास्नियों कां, जिन्हें भारतीय ब्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविद्या के लिए;

अतः धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 10—136G1/80

- (1) श्रलीलीधर गोयल पुत्र श्री मुबुद्धी प्रसाद गोयल निवासी भूनपूर्व ग्राम चिरोडी परगना लौनी तह० व जिला गाजियाबाद वर्तमान निवासी 140 मोहल्ला चन्द्रपुरी गाजियाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमतो नत्यवती पत्नि श्री राम् किशन दास निवासी केयर ग्राफ श्रग्रवाल काटन एम्पोरियम 97 नव-युग मारकेट, गाजियाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के **प्रजंग के** सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 126 क्षेत्रफल 203-45 वर्ग मीटर स्थित नवयुग मारकेट, गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 10-3-1980

प्ररूप आर्ध: टी. एन. एस.-----

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मई, 1980

निर्देश सं० 1229-ए०/कानपुर/79-80—ग्रातः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घोर जिसकी सं० प्लाट 128/एच०/1/5 है तथा जो किदवई नगर कानपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन तारीख 15-10-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त जिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:—

- (1) श्री भगवान दास पुत्र श्री टेकवानी पुत्र श्री होत चन्द्र टेकवानी 128/107 ब्लाक एच० किंदवाई नगर, कानपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कमलेक्वर तिवारी पुत्र श्री प० रामेक्वर दयाल तिवारी व श्रीमती मानसी देवी पहिन कामेक्वर तिवारी सा० 128/एच०/1/5 किदवई नगर, कानपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळ्डीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 128 एच०/1/5 रकवा 356 वर्ग गज किदवई नगर, कानपुर में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त, (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च, 1980

सं० प्लाट के० बी० 36 है तथा जो कवी नगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यासय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-10-1979

को पूर्वोवत सम्पत्ति

के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरिक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आता चाहिए था, छिताने में सुविधा के सिए;

अन: बाब, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्री सत्य प्रकाश ग्रग्नवाल पुत्र जय प्रसाद 3, रोहतक रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तर्क)
- (2) श्री निरंकार स्वरूप त्यागी पुत्र शिवनाथ सिह ई० 148 ईस्ट झाफ कैलाश, नई दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-ियम, के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वही भवं होगा जो उस अझ्याय में विया गमा है।

ग्रन्स्ची

एक प्लाट नं० कें० बी० 136 क्षेत्रफल 922.22 वर्ग गज कवि, नगर में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सङ्घायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीखः : 10-3-1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकद्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 6 मार्च 1980

निदेश सं० 1075-ए०/गा० बाद०/79-80----श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में ग्रधिक है और जिसकी

सं० प्लाट नं० भ्रार०-13/88 है तथा जो राजनगर गाजिया-बाद में स्थित है (भ्रार इससे उपायद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तिवक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारती। आव तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, मन, उनत मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण , मैं, उनत मिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री दया सिंह बीर पुत्र श्री सरदार गोपाल सिंह निवासी 217 एन० किदवई नगर, कानपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती नीलम सूद पत्नि श्री रक्षपाल सूद निवासी 204/11 जैन स्टीट जैन मोहल्ला पटटी, भ्रमृतसर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त पत्नत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तनाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रशाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लीहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:----इसमें प्रयुक्त यन्तों ग्रीर पतों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता प्लाट नं० ग्रार०-13/88, जिसका क्षेत्रफल 508-17 बर्ग गज जिस पर करीव एक सौ बर्ग गज में तीन कमरे बने हैं शेष सहन हैं स्थित राजनगर गाजियाबाद में स्थित हैं।

बी० सी० चतुर्बेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, कानपुर

तारीखाः 6-3-1980

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०---

श्रायक्तर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 5 मई 1980

निदेण सं० 1069-ए०/गा० बाद०/79-80---अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकरश्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधि हारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/ कार्य मे श्रधिक है श्रीर जिसकी

सं० मकान नं० 20 गान्धी नगर है तथा जो गान्धी नगर में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची ने और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधि है है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तम पाया गमा मिक्त तिम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निर्धित में वास्त्रिक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-ृतियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व भिंकमी करने या खससे विचने, में सुविधा के लिए, ृषीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम ना धनकर मधिनियम ना धनकर मधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भवं, उक्त ग्रधिनिषमं की बारा 269-मं के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

- (1) श्रीमती बीरा देवी भाटिया पहिन श्री बा० विशव बन्धु भाटिया निवासी गाजियाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रामवती देवी पत्नि श्री किरोडीमल निवासी 263 बालूपुरा ग्रहाता पटवारी गाजिया-बाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्मक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्तस्वनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ग से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस नुवना के राजपत्र में प्रकाशन की उत्तरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रना अक्ति द्वारा प्रवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इतनें त्रपुषा शब्दों और पदों का जो उक्त ग्रधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान एक मंजिला बासामीर पुख्ता नम्बरी 20 स्थित गान्धी नगर गाजियाबाद जिसका क्षेत्रफल 75 बर्ग गज कवर्ड 45 वर्ग गज शेष सहन है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-5-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1980

निवेण सं० 1159 ए०/गाजियाबाव/79-80--श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी प्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट 3 सी० 20 है तथा जो नेहरू नगर गाजियाबाद में

सं० प्लाट 3 सी० 20 है तथा जो नहरू नगर गाजियाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15 10-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिथिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबल, उक्त श्रिष्ठितयम के अधीन कर देने के श्रम्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में भृशिधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियमं की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:--

- (1) श्री नीरज ग्रग्रवाल पुत्र श्री जे० सी० ग्रग्रवाल निवासी नार्थ साऊथ रोड जूहू पार्कस्कीम बाम्बे। (धन्तरक)
- (2) श्री के० बी० लाल पुत्र श्री श्याम सुन्दर निवासी श्रीमकुज गान्धी रोड, ब्रुजी, जिला बुलन्द शहर। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरणः इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 3/सी० 29 नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्राकमर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॉज, कानपूर

तारीख: 10-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 ग्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० 868-ब्रर्जन/ब्रागरा/79-80—-ब्रातः, मृझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है और जिसकी

सं० मकान नं० 14/5 है तथा जो बाके खारी कूथा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय द्यागरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 19-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त नम्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिल है और धन्तरक (धन्तरकों) पीर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिकात उद्देश्य से उक्त धन्तरण निकित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी साय की बाबत, अनत सिंध-नियम के सधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविद्या के निए; सौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या प्रम्थ ब्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय भाषकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

श्रवः श्रवः, उक्त श्रविनियम की घारा 269-त के प्रनृभरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नणिखित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) श्रीमती ज्**वेदा बेगम बैवा शाफी उददीन खां** निवासी 14/3 खारी कूश्राहोस्पीटल रोड **भागरा**। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री हाजी साहिद खां पुत्र इरसाद खां व श्रीमती नसीम फातिमा पत्नि शाहिद खां निवासी कटरा दवकईयान ग्रागरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण :--इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं पदी पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक किता मकान नम्बर 14/3 बाके खारी कूम्रा हास्पिटल रोड, ग्रागरा में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज, कानपुर

तारीख : 25-4-1980

प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०----

भायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर,दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० 1774 ए०/हरिक्कार/ 79-80--यतः, मुझे खी० सी० चतुर्वेदी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी

सं० है तथा जो ज्वालापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रिजर्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-1980

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रृण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरिक (ग्रान्तरिक) और प्रन्तरिती (ग्रान्तरितियों) के बीन ऐये चन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि विन्तरिवियों) के बीन ऐये चन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि विन्तरिवियों के बीन ऐये चन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि विन्तरिवित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तबिक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाषतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत सिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रवः, उत्तर प्रधिनि । ध, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के व्यक्तियों, प्रथीत:---

- (1) श्री केणव राम श्रग्रवाल पुत्र म्रासाराम म्रग्रवाल व पुष्पोल्ट कुमार, बेद कुमार पुत्रगण केणवराम त्र श्रीमती किरन रानी पत्नि श्री नेकीराम पुत्र श्री केणवराम म्रग्रवाल, नि० 28 राईटगंज गाजियाबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्री हरजीत सिंह, गजेन्द्र पाल सिंह सा० भजन सिंह पुत्रगण सा० सन्तर्सिह वसा० जितेन्द्र पाल सिंह पुत्रगण हरजीत सिंह सब निवासी सन्तभवन श्रम्बाला रोड सहारनपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समस्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-त्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकों।

स्पद**ीकरण:-**-इसमें प्रयुक्त शक्तों ग्रौर पदों का, जो खबत प्रथिनियम के ग्रध्याय 20-क में प**रिभाषित** है, वड़ी धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

एक पिक्चर हाल केणव चित्रलोक स्थित हरिद्वार रूड़की रोड ज्वालापुर अतिरिक्त नीचे की ज्वालापुर में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायकः भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरोज, कानपुर

तारीख: 10-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय**क आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जनरोंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मई, 1980

निर्देश सं० 218 ए०/सहारनपुर/79-80----श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से श्रिधक है

सं० 13/465/4 दुकान है तथा जो नया बाजार सहारन पुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुभूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याक्षय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-10€1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उपत श्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:——
11—136GI/80

(1) श्री देव कुमार जैन व सुपुत्र राये साहव ला॰ प्रथुम्न कुमार जैन व श्री कुमुद कुमार जैन सुपुत्र श्री देव कुमार जैन मजकुर निवासी मित्र भवन छतालाला जम्बूदाम णहर सहारनपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धर्म प्रकाश सिधांल सुपुत्र ला० मोहन लाल निवासी बामनजी रोड सहारनपुर व 2 श्री रिवन्द्र कुमार सुपुत्र ला० रामेश्वर प्रसाद निवासी मोहल्ला मटिया महल लालापार णहर सहारनपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जौ भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान नम्बर 13/465/4 नया बाजार सहारनपुर में स्थित हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-5-1980

प्ररूप आई• टी• एन• एस०---

सायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 2**69लब (1) के मधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्भन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 21 मई 1980

निदेश सं० 641/श्रर्जन/लिलितपुर/79-80—यतः, मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका जिवत बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है सं० 8 है तथा जो कटरा बाजार लिलितपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय झान्सी में, रजिस्ट्री-करण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 5-10-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिला बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिधी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नजिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किंधत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घनया अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मित्रिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर पिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उन्त अधिनियम की प्रारा 269-ग के प्रनु-मरण में, में, उन्त धिधिनम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्री ग्रामोक कुमार नुना पुन्न श्री बाल चन्द्र नुना कटरा बाजार ललितपुर झांसी (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सन्तोष जैन पहिन श्री सुभत चन्द्र जैन तालाबुपुरा ललितपुर (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ⊵द किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारां, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गम्बों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के धन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता मकान नम्बर 8 कटराबाजार ललितपुर झांसी में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीखः 21-5-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ब्रजन रॅज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० 818/म्रर्जन/म्रलीगढ़/79-80:--मतः

बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० है तथा जो सुरेन्न नगर ध्रलीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, ध्रलीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक्त सुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री बासुदेव सिंह म्नात्मज श्री गुलाव सिंह सुरेन्द्र नगर मलीगढ़।

(ग्रातरक)

(2) श्रीमती रामसखी पत्नि श्री भगवान दास गुप्ता, श्री सतीश कुमार व श्री सन्तोष कुमार पुत्र गण श्री भगवान दास गुप्ता निवासी सुरेब्र नगर, ग्रासीगढ ।

(ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रथं होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता मकान जिसका नं व दुकान स्थित सुरे द्व नगर मलीगढ़ में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20 मई; 1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मई 1980

निदेश सं० 12/19-ए/सहारनपुर/79-80:--म्ब्रतः मुझे; बी०सी० चतुर्वेदी,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो ईदगाह रोड़ सहारतपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहारतपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26~10-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्ह भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- (1) श्री मोहम्मद इकबाल पुत श्री हाजी मुइनऊदीन निवासी सराय मर्वान ग्रली सहारनपुर।
- (2) हाजी मोहम्मद हनीफ पुत्र श्री हाजी मोहम्मद इस्माइल निवासी ढोलीखाल सहारनपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कामवाहिमां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की ध्रविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाका करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भर्म होषा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान तथा दुकान ईदनाह रोड़ सहारनपुर में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण); ग्रजन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 21 मई 1980।

मोहर : े

प्रकृप बाई • टी • एमं • एस • -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मई 1980

निदेश सं० 1262-ए/मसूरी/79-80:-----श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ७ पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं कान है तथा जो होलो श्रोक स्टेंट मंसूरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-11-89

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्नत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह, विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और ग्रंतरक (धन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रंतरितीयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण विश्वित में शस्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है: —

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना बाहिए बा, छिपाने में मुख्या के लिए;

अतः, भ्रम, उन्त भ्रधिनियम की धारा |269-म के धनुसरम में में, उन्त भ्रधिनियम की तारा 269-म की उपधारा (1) के अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत !—— (1) श्री हरी मोहन पुत्र मोहन लाल निवासी होटल स्वागत कुलरी मंसूरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मन मोहन करनवाल पुत्र श्री रतन लाल निवासी होटल नंद विला कुलरी मंसूरी जिला, देहरादून।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव दें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पासे लिखित में किए जा सकें।

क्पच्छोक्करण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता सम्पत्ति एक मंजिला होलो श्रोक स्टैट मुसूरी जिला देहरादून में स्थित है।

> बो० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकार, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 21 मई, 1980

प्रकप धाई • टी • एन • एत • ----

श्रायकर श्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सद्दावक धायकर आवुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1980

निदेश सं० ए० आर०-म्राई०/ए०पी०. 133/80-81--श्रतः, मुझे, पी० एल० रूगटा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रु• से भिधक है

भीर जिसकी सं० सी एस नं० 728 श्राफ मालबार श्रीर कबाला हिल डिबीजन है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-10-79 विलेख सं० 2681/ 78/बम्बई

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षृश्यमान प्रतिक्ष्ण के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और पन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, से निन्नसिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से स्वित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्त आधि-नियम के मधीन कर देने के सम्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। मोर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निश्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- (1) दराजा बहादुर मोतिलाल (बाम्बे) मिल्स लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) युनिवर्सेल सीने ट्रेड्स प्रा० लिमिटेड, फैमस सीने लबोरेटरी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --इसम प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2681/78/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा विनांक 16-10-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रूंगटा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 28-5-19780,

प्ररूप खाई• टी• एन॰ एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज,-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 मई 1980

निदेश सं० ए ०भ्रार०-II/2868--14/नवम्बर 79----यतः मुझे, ए० एच० तेजाले,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है हमा जी साकर्ती

भीर जिसकी सं० 70 हि० नं० 2 है तथा जो आकुर्ली ह्विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य से कम के जाउनित बाजार मूस्य असके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उन्द्रह प्रतिशत से यधिक है और घन्तरक (अम्तरकों) और घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, भव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, भें, उन्त धिधनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स फर्मलैंड प्रोडेक्टस ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स एम० पी० म्नाई० इथीकल प्राईवेट लिमिटेड । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य न्यन्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में हिए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा, जो उस श्रश्माय में विया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 4423 है जो कि उपरजिस्ट्रार श्रधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्ब**ई

तारी**ख !** 24 मई, 1980 । मोहर : प्रकृष खाई• टी॰ एन॰ इस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2 बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1980

निदेश सं० ए० श्रार०-II/2887--15/नवम्बर/79:--श्रतः मुझे, ए० एच० तेजाले,

आयकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के घिषीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से घिषक है

मौर जिसकी सं लाट नं 7, दि पी एस न 11, सी एस न 11478 है तथा जो माहिम डिव्ही जन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्र के लिए भन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;भीर/या
- (ख) ऐसो किसो आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा मकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सम, उत्तत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात ।---- (1) छाननसींग हरीसिंग ग्रीर ग्रन्थ।

(भ्रन्तरकः)

(2) शीव संगम को-ग्राप० हाऊसींग मोसायटि लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाओं प :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की धविध या हस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति श्रारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे 2

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रगुक्त शब्दों भीर पर्सो का, जो उक्त भिन्न नियम के श्रव्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन श्रद्धगाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेखनं० 2965/65/बम्बई उपरजिस्-ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 27-11-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ऐ० एच० तेजाले, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, बस्बई

तारीख: 29-5-1980

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० 2130:——यतः मुझे, जे० एस० श्राहसुकालिया,

शायकर प्रशिविषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिप्तियम' कहा गया है); की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित वाकार मृख्य 25,000/-रु से अधिक है

भीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो पका बाग, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह बिक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिकात से पिषक है भीर भग्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भग्नरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिरश में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती हारा अकट नहीं किया गया या विधा जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रनः, अग, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---12-136 GI/80

- (1) श्री लाजपत राय चोपड़ा ग्रेडबोकेट पुत ल० मंगत राम बासी जलन्धर पका बाग ६० क्यू०-8 ग्रीर ग्रव चन्डीगढ़ कोठी नं० 15 सैक्टर 8-ए।
- (2) श्रीमती सरोज भाटिया पत्नी हंस राज भाटिया वासी ई० क्यु० 86 पका बाग जलन्धर। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
 श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
 सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्वश्टोकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों खौर पक्षे का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

जैसा कि विलेख न० 5613 ग्रक्तूबर 1979 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी जलन्धर में लिखा है।

> जे० एस० म्राहलुवालिया, सक्षम म्रधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, जलन्धर

तारीख: 20-5-80,

प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर मिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 20 मई 1980

निदेण स० ए० पी० 2131:—यतः मुझे, जे० एस० भ्राहल्वालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैंसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो पका बाग, जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रवतुबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्टरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय आय-कर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या ग्रीच-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: प्रव, उनत प्रिप्तिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उनत प्रिष्ठिनियम की घारा 269-व की स्पष्ठारा (1) के अधीन, निम्मिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रो दलीप राय पुत्र मंगत राय चोपड़ा वासी पका बाग, ई० क्यु०-86 जलन्धर न्यु यार्क, संयुक्त राज्य ध्रमरीका।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हंस राज पुत्न ईशार दास भाटिया वासी ई० क्यु० 86 पका बाग, जलन्धर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सिम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या ततसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो जस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख न० 5617, श्रक्तूबर 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी जलन्धर ने लिखा है।

> जे० एस० म्राहलवालिया, सक्षम म्रधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, जलन्धर

तारीख: 20 मई, 1980

प्ररूप आईं॰ टी• एन• एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के मधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 मई 1980

निवेण स० ए० पी० 2132:—स्वतः मुझे, जे० एस० ग्राहलुवालिया,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत बाजार मूल्य 25,000/- व० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सिविल लाईन नजदीक श्रडा महहिलपुर, हुशियारपुर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हुशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ताजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिगत से अधिक है और घन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्रंप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐंसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:---

- (1) श्री ग्रमर चन्द पुत्र मंगत राय पुत्र मूल चन्द वासी गली नं० 3 मोहल्ला करीशन नगर, हुशियारपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दर्शन सिंह पुत्र गुरदयाल ग्रौर हरजन्स कौर पत्नी दर्शन सिंह गांव ताजे वाल थाना माहिलपुर जिला हुशियारपुर जो वासी सिवल लाईन नजदीक श्रडा महालपुर हुशियारपुर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
 श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
 सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की सारी ख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्ब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2939 प्रक्तूबर 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी हृशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एस० ग्राह्लुवालिया, सक्षम ग्रधिकारी,

सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, जलन्धर।

तारीख: 23-5-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०→

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के धिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहामक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांकः 5 जून, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2133:—यतः, मुझे, जे० एस० आहलुवालिया,

आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-दप्प से प्रधिक है

भ्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव भ्रन्ताविता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख शक्तूबर, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चंदेग्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में भृतिधा के लिए;

धतः, श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण म, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1)के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--- (1) श्री मांति प्रकाश पुत्र हेम राज, जानकी देवी पत्नी प्रकाश गांव राजपूरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बचन कौर पत्नी चरन सिंह गाँव श्रल्ला-विसा।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह स्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवदा है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में
 हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धोक्तरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1274 अक्तूबर, 1979 को रजिस्ट्री-कर्ती श्रधिकारी के सुलतानपुर ने लिखा है।

जे० एस० ग्राहसुवालिया सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर ।

तारीखः : 5 जून, 1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिबीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण)

म्राजन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जून, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2134:—--यतः मुझे, जे० एस० म्राहलुवालिया,

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

घौर जिसकी सं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो गांव कोटला गोंसपुर जिला हुणियारपुर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुणियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधोन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-त्र की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत:—— (1) पंडित ग्रोंकार नाथ पुत्त राजा राम पुत्र बसंत राम गांव व डाकखाना वसी गुलाम हुसैन जिला हुशियारपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बचन सिंह, किशन सिंह, सपुत्र मिलखो राम नासी बहायुरपुर हुशियारपुर।

(भ्रन्त रिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनकें बारे में
श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचनां की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसची

जैसा कि विलेख नं० 3089 मक्तूबर 79 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हुशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एस० भ्राहलुवालिया, सक्षम ग्राधकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जलन्धर ।

तारीख: 9 जून, 1980।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2135:---यतः मुद्ये, जे० एस०

ग्राहलुवानिया,

भारत्वार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव अजड,म तह्० होणियारपुर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता स्रधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राप्त को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः अब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिश्विनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. प्रयाद :—

(1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र पंजाब सिंह गांव अजडाम तह०व जिला होशियारपुर।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री बलबीर सिंह ग्रमरीक सिंह पुत्र नरंजन सिंह गांव जौहल जिला जलन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह

मम्यत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्नाक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2887 म्रक्तूबर 79 के रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एस० म्रहलुवालिया सक्षम म्रधिकारी, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, जननधर ।

ता**रीख: 9--6-80**.

प्ररूप भाई • टी • एत • एस • ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 369-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक श्रायकर धायुक्**त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांकः 9 जून, 1980

निदेश सं० ए० पीं० नं० 2136:—-यतः मुझे, जे० एस० अहलुवालिया,

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शशी महल बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, तारीख श्रम्तूबर, 1979 हुणियारपुर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूरा से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिक का से कविन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयका किसी घन या भ्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम को वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपबारा (1(अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती किशन कौर विधवा णिव लाल जोशी द्वारा डा० प्रशोक्त हीरा नन्द, मकान नं ० 1005 मैंक्टर 27— बी, चन्छीगढ़।

(अन्तरक)

- (2) श्री मथरन सिंह पुत्र दरबारा सिंह मारफत खालमा की स्टोर शीश महल बाजार हुशियारपुर।
 - (भ्रन्त रिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
 ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
 सम्पत्ति में हितबब्र है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाका सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति प्रारा, प्रधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनिथम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अमंहोगा, जो अस अध्याय में दिया नया है।

श्रनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2882 श्रक्तूबर 1979 को रजिस्ट्री-किसी प्रिचेहारी हुशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एस० ब्राह्लुवालीया, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, जलन्धर ।

तारीखः : 9 जून, 1980 .

प्ररूप प्राई० टी० एन०एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जून, 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2137:—स्तः मुझे, जे० एस० श्राहलुवालिया,

भायकर श्रीधानयम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत श्रीधानयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो न० 115 हिसा नं० 5 वजीर अली बिलडिंग फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नलिखन उद्देश्य ने उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत् :--- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र चमन लाल फिरोजपुर 86 कस्तूरबा नगर जलन्धर केंट।

(भ्रन्तरक)

फिरोजपुर की कट।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखताहो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितकद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत ग्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3435 श्रन्तूबर 79 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी फिरोजपुर ने लिखा है।

> जे० एस० भ्राहलुकालिया, सक्षम ग्रिधकारी, (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जलन्धर।

नारीख: 9 जून, 1980।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2138:---यतः मुझे, जे० एस० माहलुवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में विखा है तथा जो सराए रोड़, फगवाड़ा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय कगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1968 (1908 का 16) के सधीन, तारीख शक्तुबर, 1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जिसक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ग्रेसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों अथित्:——

13-136/GI/80

(1) श्री वीर सिंह पुत्र निरन्जन सिंह वासी सराय रोड, फगवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरणरन सिंह पुत्र वीर सिंह वासी सराए रोड, फगवाड़ा।

(ग्रन्तरिसी)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानत हो कि वह सम्पत्ति में हितव उद्दे है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सर्कागे।

सम्बद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कवा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्सूची

जैसा कि विलेख नं 1276 श्रक्तूबर 1979 की रजिस्ट्री-कर्ता श्रीक्षकारी फगवाडा ने लिखा है।

> जे० एम० श्राहलुवालिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जानन्धर

दिनांक: 9 जून 1980

मोहरः

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जलन्धर

जलम्धर, दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2139:--यत:, मुझे, जे० एस० ब्राह्मलुवालिया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव दाषु वाल तिह फिलौर में स्थित हैं (भौर इससे उपावस अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित हैं),रजिस्ट्रीय ती अधिवारी के वार्यालय फिलौर में रिजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के भूषीन,तारीख अक्तूबर, 1979

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से एसे स्वयमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायों गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छेक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रंकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था फिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अक्ष अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सत पाल द्वारा साधु राम पुत्र नामा गाव दावुवाल।

(ग्रन्तरकः)

(2) कुँ० गुरदेव कौर पुन्नी गोंदा राम गोव हरदी गुरलीया सहि० जलन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं 2 में लिखा है। (वह क्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संस्पत्ति हैं)।

(4) जो व्यक्ति संम्पंति में यचि रखेता हो। (यह व्यक्ति, जिनवे कारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पेरित में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शॉब्बों और पर्वी का, जो उर्वि अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

सनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3063 ग्रक्तूबर 79 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के फिलौर ने लिखा है।

> जे० एस० ग्राहल्वालिया संभम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ंग्रर्जन रेंज, जलन्धर ।

तारीख: 9 जून, 1980।

मोहर 🗀

प्ररूप आई०टो०एन०एस०⊸-- • •

आत्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (किरीकण), श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जून, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2140:—यतः मुझे, जे० एस० श्राहलुवालिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो मण्डी श्रबोहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधियमन, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित वाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्डह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (भ्रन्तरकों) और मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्य नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भृष्ठिनिसम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त क्रिश्लिमम, ब्रा धन-कर भ्रष्टिनिसम, वा धन-कर भ्रष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की धनभारा (1) के निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रयात :—

- (1) श्री भूपिन्द्र राय पुत्र बिहारी लाल वासी कटरी हाऊस नजदीक औं ० ए० वी० कालिज, प्रबोहर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजन सेतीया पुत्र सोहन लाल वासी गांव सपा वाली धबोहर श्रव मकान नं० 1367 गली नं० 7-8 मण्डी , भ्रबोहर ।

(ग्रन्सरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पक्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में **धर्धो**हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्मोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्तस्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों ग्रौर पदों का, जो सक्कत श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1952 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ग्रमोहर ने लिखा है।

> जे० एस० ग्राहसुवालिया, सक्षम ग्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज जलन्धर ।

ता**रीब**ः 9 जून, 1980।

प्ररूप बाईं लुटी • एन • 'एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प(1) के समीन सूचना ्

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मामुक्त (मिरीक्रण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जून 1809

निदेश सं० ए० पी० नं० 2141:—यतः मुझे, जे० एस० श्राहलवालिया,

आयकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्मा सक्षम प्राधिकारी की, गई विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपय से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मकान नं 52 (पी) गली नं 2 फिरोजपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गम्बर प्रतिशा सिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित च्हेश्य से उच्त सम्सरक लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए: और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अभ्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंतियम या भन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रम, उसत अमिनियम की धारा 269-म के प्रमुसरण में, मैं. तक्छ अधिनियम की धारा 269-म की छप्रोतरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अमित्:--

(1) श्री रघुनाथ सहाय सक्सैना अलिस वचन और भीनसेन सपुत्र चौ० शिव सहाय गली नं० 2, फिरोजपुर कैंट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीतारा चन्द पुत्र लेख राज गली नं ० 2 फिरोजपुर छावनी।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि विलेख नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सुचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए सार्यवाहियां सरता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इन यूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबज्ञ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां ग्रीर परी का, जी उक्त भिवितयम के भध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही ग्रथें होगा जी उस भव्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3419 दिनांक 10/79 को रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी फिरोजपुर ने लिखा है।

> जे॰ एस॰ म्राहलुवालिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, जालन्घर ।

तारीख: 9-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 12 जून 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2142:—यतः मुझे, जे० एस० स्राहुलुवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा भो पुसुलतान पुर रोड़, कपूरयला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कपूरयल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्र**धी**न, तारीख श्रक्तूबर, 1979

को पूर्वाक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क्षे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थास्ः— (1) श्रीमती सावित्री देवी पुत्री श्रविका प्रसाद वर्तमान वेहली में हैं।

(मन्तरक)

(2) श्री सवरन सिंह पुत्र दमाल सिंह सुलतान पुर रोड़, कपूरथला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके मिश्रभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्यद्भीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

जैस कि विलेख नं० 2066 प्रक्तूबर 879 को रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी कपूरयला ने लिखा है।

> जे० एस० श्राहलुवालिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन र्रेज, जलन्धर ।

तारीख: 12 जून, 1980।

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जनरेंज I अहमदाबःद

श्रदमदाबाव, विनांक 13 मई 1980

पी० प्रार्० नं० 1023 एसीक्य० 23-I/80--81------प्रतः मझो एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० राज सिनेमा के सामने है तथा जो राजकीट में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राज-कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-10-1979।

को पूर्वोक्त संपोत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि नम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर होने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों अधीन,

- 1. श्री उध्याभाई अथन्तभाई पठान संगरेवा चाल राजें-कोट। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विट्ठलदाम लालजीभाई सोनी, भारती गस्ट हाउस संगरेवा चाल राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्फन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ग्रौर मकान है जो भारती गेस्ट हाउस श्रीराज सिनेमा के सामने राजकोट में स्थित है ग्रौर रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 6031 से विनांक 11-10-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाखाद

तारीख: 13-5-1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अयिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांद: 15 मई 1980

निदेश पी० श्रार० 931 ऐसीक्यू 23 ॥/80—-81—-ग्रतः मुझे एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पुराना सर्वे नं० 97 ग्रीर 96 बार्ड नं० 13 एस० नं० 2364-4 है तथा जो घोड़ दोड़ रोड सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्याव्य सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का '27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित:—

- 1. श्री रतीलाल रामभाई पटेल गांव, वराव, ताल्का बारबोली जिला सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. (1) **गुंसीबैं**न विजयकुमार शाह नावेपुरा वालीआ गोरी, सूरत (2) बीना सेन वस्पुपाल शाह (3) प्रभावेन दीपक्षकुमार नं० 2 से 4 (का ठिकाना न० 2) बरायर है। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पेत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भींतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- क्ष्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

दल संची

जमीन भीर मकान नया सर्वे नं० 2363.4 है जो फोड़डोड़ गांव भठवां में स्थित है और रिजस्ट्रीधर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3595 से विनांक 5-10-1979 के रोज रिजस्टर्ड कि गई है।

एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-II ग्रहमदाबाद

तारीख : 15-5-1980

प्रकृष धाई • टी • एम • एस • —

भायकर भश्चितियम, 1981 (1981 का 43) की बारा 269 व(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक प्रायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ष्ट्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांवः 24 मर्ड 1980

पी० भार० सं० 932 एक्वी०-23/7-4/80-81---श्रतः मुझे एस० सी० परीख

अरपकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इनत अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 289-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाबार मस्य 25000/- ७ २ से अधिक है

मूख्य 25,000/- इ. से मिलि हैं चौर जिसकी सं० सीटी सर्वे ० 181 आर० एस० नं० 285 टीका नं० 42 जमीन हैं नथा जो मफतलाल गगलादास अस्तताल के नजदीक नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-10,1979 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवार्थोंका सम्पत्ति का छिता वाजार मूख्य से कम प्रवृत्य प्रतिक्त से प्रतिकृत सम्पत्ति का एका वाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डत् प्रतिकृत से प्रविक्त हैं और पन्तरित (अन्तरित) और प्रन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हितिया दिश्य से उच्य अन्तरण निवित में वास्तिविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत उक्त प्रकिनियत के प्रधीन कर वेते के अन्तरक के वाणिक में कर्म करने या उससे अधिन में सुविधा के लिए। अनेप/पः
- (ख) ऐसी कियो आय या किसी धंत या अन्य आस्तियों का, अन्य आरतीय सायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का कि या उन्त अधितियम, या धन-कर अधितियम 1937 (1957 का 27) के अयोजपार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया अप्रयाजिका आया चाहिए था, जिपान में सुविधा के लिए।

जतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 89-गंके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम कि धारा 269-ण की छपधारा (1) के अबीन, तिम्निक्षित व्यक्तिमों, अवित्। ----

- श्री मनुभाई भुलजीशाई देसाई और दूसरे भीम भवन, नससारी हाउसिंग सोसायटी नवसारी (ग्रन्तरक)
- 2. प्रमुख: श्री होमी सोराबजी को॰ ग्रोपर द्वारा गायक्री एपार्टमेंट सोसायटी मफतलाल गगलादास अस्पताल के नजदीक स्टेशन रोड, नवसारी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करना हूं।

चनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :--

- (क) इस सुचना के राजास में प्रकासन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तापील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवई किसी अध्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: -- इसमें प्रयुक्त अन्धों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याग में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सीटी सर्वे नं० 1881, श्रार० एस० नं० 285 श्रीर टीका नं० 42 है श्रीर जो माप में 1001 मीटर है। ये जमीन नकतनाल गगतादास श्रस्पताल के नजदीक स्टेगन रोड, नवसारी में स्थित है श्रीर 9-10-1979 को नवसारी में रिजस्ट्री की गई है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सह्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाकाद

ना**रीख** : 24-5-1980

प्ररूप आर्खे. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 मंई 1980

पी० म्रार० नं० 933 एक्वी-23/19-8/80-81-- अतः मुझे एस० सी० पारीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्कास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नोध नं० 2363 बार्ड नं० 3 है तथा जो कागड़ा गरी, सलाबतपुरा, मूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 18-10-1979 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः——
14—136 GI/80

- 1. श्री रंगीलदास नगीनदास, श्री मोहनलाल नगीनदास, नानवानी गोरी, गनाबत पुरा सूरत। (श्रन्सरक)
- 2. श्रीमान हेमलता रननजाल। पीपरई। गोरी, मलाबत पुरा सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूधी

मिल्कत जिलक नोंध ने० 2463, वार्ड ने० 3 है फ्रौर जो माप में 96 चोरण मीटर है फ्रौर मजाबतपुरा में ग्रायी हुई है वो 18-10-1979 को सूरत में रिजिस्ट्री की है।

> एस० सी० पारीख तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ना**रीख:** 24-5-1980

1. श्री बी० के० चिन्तुस्यामी प्ररूप आर्दे टी. एन. एस.---

(भन्तरकः)

2. श्री राजेंद्रन

कार्यवाहियां करता हो।

(भ्रन्तरिती)

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त *(*निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11 मद्रास

मद्रास, दिनांकः 5 मई 1980

निदेश स० 10482--- प्रत: मझ राधा बाल-

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें -इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. संअधिक है

भौर जिसकी सं० 19 बी(1) है, जो कामाराज नाठार रोड घीरनाठि, घोषि में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, घोषि (डाक्मेंट सं० 2690/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के एदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोरम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्चारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम, की धारा 209-ग के अनुसरण में, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-व 📲 उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सर्कगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहाे वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भृमि श्रोर निर्माग-19वी(1) फामराज नाठार स्ट्रीट, वीरगाठि ।

(ड/क्रेमेंट सं० 2690/79)

राधा बाल ुष्णन सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) श्रर्जन रेंग 2 मद्रास

तारीख: 5-5-1980 ।

प्ररूप आई० टी० एम० ए०--

1. अर्थ वि० के० चिन्तुस्वामी

(भन्तरक)

2. डाक्टर विजयसकाशमी

(भ्रन्तरिती)

भायुकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2 मद्रास

मद्रास दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10482--- प्रतः, मुझ राधा बाल कृष्णन

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण् है कि स्थावर संपृत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 19 बी (1) है, जो कामराज नाठार स्ट्रीट वीरपाठि कोपिवेट्टिपालयम में स्थित है (भौर इससे उपाबद पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिका निके कार्यालय, झोपि (डाकुमेंट सं० 2691/79) में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन भ्रक्टूबर 1979 ।

को पूर्वाक्त संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिशित उद्देवच्यु से उक्त भृन्तुरुण निश्चित में वास्तुनिक क्रम से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के पार्टिय में कमी करने या उससे ब्रुने में सुविधा के लिए; भौड/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धनु या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियुम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिय्म, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृक अनुसरण में, म्, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:---

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता <u>ह</u>ुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा**क्त** व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बषुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रोर निर्माण⊸-19बी (1) कामराज नाठार स्ट्रीट, वीरपाठि झोपि ।

(डाकुमेंट सं० 2691/79)।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त, (निरक्षिण)

मर्जन रेंज 2 मद्रास

तारीख: 5-5-1980।

माहरः

प्ररूप आर्थ. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2 मद्रास भद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निदेश सं० 10480---- ग्रतः मुझे राधा आस-कृष्णन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

न्नौर जिलकी सं० सरवे नं० 92/2, कुमरनगर राक्एक्स्टेंशन है, जो नोहिलालयम तुष्पूर में स्थित है (न्नौर इसमें उपादह में शौर पूर्ण रूप रो वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, निरुप्पूर (डाकुमेंट सं० 2992/79), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1979।

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अ्थृतिः——

1. श्री एस० मरझदम्माल श्रीर भ्रदरम

(भ्रन्तर्यः)

2. श्री सुन्दरम पोन्नुस्वामी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी 'करक पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बस्थ किसी सन्य स्थावर संपरित में हिस- पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, ब्रही कर्ष होना जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

भूमि सरने सं० 92/2, 73 सेन्ट्रस तोरिस्टपालयम कुमर-नगर, तिरूपूर । (डाकुमेंट सं० 2992/79) ।

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 मब्रास

दिनांक: 8 मई 1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, विनाक 8 मई 1980

निवेश सं० 10465--श्रतः मुझे, राधा बाल-कृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं०

भौर जिसकी सं० रार्थ मं० 712/1.711/1 श्रार० 713. है, जो श्रोठयकुरमा, ग्राम में स्थित है (श्रीर इसके खगाबल में श्रीर पूर्ण रूप में वणित है), रिजस्ट्रीकिती श्रीधकारी के बार्यालय, श्रानमले (अकुमेंट सं० 1205/89) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन श्रक्टूबर 1979।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिलिखत में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः— 1. श्री रामकृष्णमाल चित्रलेखा

(ग्रन्तरकः)

2. श्री बेंबटेसबरन पी० लक्षमन

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्यें होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

भूमि--सरवे नं० 711/1, 712/1 द्याँर 713, 7.41 एकड्स, फ्रोठयकुरमा ग्राम । (डाकुमेंट सं० 1205/79)।

> राधा बालकृष्णनः, सक्षम प्राधिनारीः, सहायकः स्रायकःर स्रायुक्तः (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 8-5-1980

प्ररूप आ**इ**ं. टी. ए.इ. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, महास

मद्रास, दिनांक 8 मर्ड 1980 निदेश सं० 10450-- अतः मुझे, राधा बाल-कृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 302 है, जो सेनगनूर में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जादिपुरम (डाक्नुमेंट सं० 3223/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म¹, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- श्रीमति ग्रार० एम० विसालाक्षमो
- (झन्तरकः)
- 2. श्री एस तियाधराजन

(अन्त रिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 302, सेनगनूर। (डाकुमेंट सं० 3223/79)।

> राधा वालक्र^एण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंनरेंज-^{II}, मद्रास ।

तारीख 8-5-1980 मोहर: प्ररूप आहे. टी. एन. एस.--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

निर्देश श्रार० ए० सी० नं० 138/80-81—श्रतः मुझे के० के० वीर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कहे, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 6-3-628/13 है, जो कैरताबाद हैदराबाद में स्थित है ((भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिवारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्ट्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की मायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिभियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्:---

1. श्री पी० अनुमनत राज 11-5-401-रेड हिल्सन हैदराबाद (श्रन्तरक)

2. श्री डाक्टर ए० वी० रमनाराळ (2) डाक्टर ए० मुरेक रमनाराळ, (3) ए० धीरनजीरी रमनाराळ (4) ए० सुम्नत रमनाराळ मैनर्स नगरानीकार डाक्टर ए० वी० रमनाराळ तमाम घर 6-3-628/3,रवीनदरनगर करताबाद हैवराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुस्वी

घर नं० 6-3-628/13 प्लाट नं० 6 पर बना रवीन्दर नगर में कैरताबाद हैंदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2649/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरोंन, हैदराबाद

तारीख: 28-5-1980।

मोहरः

प्ररूप प्रार्द्धि टी० एन० एस०--

द्यायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांव: 28 मई 1980

निदेश सं० ग्रार०ए०मी० नं० 139/80---81---ग्रतः मुझे, के० के० वीर

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पहली सता का है, जो 6-3-612/ई श्रननद नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधियारी के कार्यालय करता-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्टबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिषत वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तिरिती (भन्तिरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्स ग्रिशितयम, के ग्रिशीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यन्तियों, श्रर्थात् :---

- 1. श्रीमति जो ० एस० सीमाग्यवती 6-3-5998/51/4 अत्तरक नगर हैदराबाद (श्रन्तरक)
- श्री भहमद मणुद श्रली 22-1-358/! सुलतानपुर।
 हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

घर नं० 6-3-612/ई कैरताबाद हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2667/79 उप रजिस्ट्री यार्यालय कैरताबाद में।

> कें० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 28-5-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

धार० ए० सी० नं० 140/80-81—श्रतः मुझे, के० के० वीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित्त बाजार मृल्य 25,000 ∕रुठ से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० सरवे नं० 293, 294 है, जो करन बाग गुडी ग्रनारम स्थित है (भीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रघिकारी के कार्यालय म्राजयपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रक्टूबर 1979

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा कालिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ अर्थातु:--

15-136GI/80

1. श्री एम० श्रादी रेड्डी (2) एम० पेनटारेड्डी 16-2-751 टी० ग्रार० नगर सैदाबाद हैदराबाद। 2. श्री रागवा कवापरटु सोसैटी 16-2-751 टी० ग्रार० नगर सैदाबाद हैदराबादा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हां।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अधाहस्ताक्षरी के पन्स लिखित में किए जा सकोंगे,

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 8 🕯 ।

अनुस्ची

खाली जमीन नं० 293,294 सरवेनं० करन बाग में गड्डी भ्रनारम राऊ हैदराबाब राजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2878/ 79 उप रजिस्दी कार्यालय प्राजयपुरा में ।

> के० के० वीर सक्षम प्रधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैवराबाद

लारीख : 28-5-1980

प्रकर भाई०टी० एन० एस०-~--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाँक 28 मई 1980

श्चार० ए० सी० नं० 141/80-81—श्रतः मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा चमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिशारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है श्रीर जिसकी जमीन सरवेनं० 293, 294 है, जो गडीग्रनारम हैसराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकारी के कार्यालय ग्राजमपुरा-3 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्त्यूबर 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिकातः से श्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्त-रिति (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित

में लास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त मधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, गै, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— ू. श्री एस० याद रेड्डी पिता कृष्णरेड्डी 16-2-751 करनवाग गडीग्रन्नारम हैन्दराबाद (ग्रातरक) 2. श्री राघवाकोआपरेटिव हाधसींग सोसाईटी 16-2-751 टी० ग्रार नगर सैदाबाद, हैदराबाद (भ्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काँई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजंपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सरवे नं० 293 श्रीर 224 करन बाग गङ्डीअन्नारम हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2877/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय श्राजमपुरा में।

> के० के० वीर सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-5-1980।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें अहैदराबाध

हैवराबाद, दिनांक 28 मई 1980

के० वीर आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुरूय 25,000/⊸ रुपये से प्रधिक ग्रौर जिसकी सं० 1-3-8 है, जो बेगमपेट हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय कैरताबाद में के रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनिय म 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक प्रक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्न नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः, प्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1)के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः— 1. श्री वै० डी० बेगजमीन 4-1-1236/4 किनारा कोटी रास्ता हैदराबाद । (ग्रन्तरक) 2. श्री जी० वीनोद कुमार 4-1-246 तरूप बाजार हैदराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्मिल में हितवब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---६समें प्रयुक्त चन्दों घीर पदों का, जो उक्त घिन-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर श्रौर न० 124---सरवे नं० म्युनिसिपल नं० 1-3-8-बेगमपेट हैवराबाद में रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 2715/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय करताबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम श्रीधकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-5-1980 ।

प्रकप आई॰ टी• एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थीलय, सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैषराबाद, दिनांक 28 मई 1980

ग्रार० ए० सी० नं० 143/80-81--ग्रतः मुझे, के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से पश्चिक है

भीर जिसकी र्सं० 7-1-74 है, जो भ्रमीर पेट हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर

पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन श्रक्टबर 1979 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय माम-कर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिश्रिनियम, या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के मिश्रिनायं मन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बामा चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उदत अधिनियम, नी धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उत्त पश्चिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. हुयायुन ग्रीमवकान ग्रीर दूसरे कु-1-4-634/1 श्री० सी० गार्ड रवराबाद (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमित डी॰ सुसीला देवी पति सी॰ क्रुष्णाराक 42/बी-एस॰ ग्रार॰ नगर हैवराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भाष्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्रों का, जो उनत अधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

खुली जमीन ये० बी० घर न० 7-1-4 मिमीरपेट हैवराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2727/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरबाद

सा**रीख: 28-5-1980**

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाध विनांक 28 मई 1980

ग्नार० ए० सी० नं० 144/80—81—ग्रतः मुझे, के० के० वीर

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी प्लाट नं० 4 हैं; जो येरममनग्रील हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्टूबर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रविक से है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छहें य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रधीन; निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री ए० पटाबीरामय्या 411--मगदी घार्रड रास्ता बेनगलूर-40 (श्रन्तरक)
- 2. श्री येन० सत्यानारायण मूर्ति ननदगुडी गाऊ नरसा-पूर तालूक, वेस्ट गोदाबरी जिला (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इंग सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क
 िसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्ट्याय 20फ में परिभाषित हैं वही श्रष्ट होगा जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है ।

अनुसूची

प्लाट न० 4 वी० एस० नरसय्या प्लाट ग्रीर येरम मनजीत रदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6059/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

ता्रीखः: 28~5-1980।

प्रका आई० टो॰ एन० एस०----

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण

श्रजंन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

भ्रार० ए० सी० नं० 145/80—81—भ्रतः, मुझे के० के० वीर

धायकर घिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के घिष्टीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से घिष्टक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है, जो पनजागुटा रहराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्टबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की वाबस, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या । उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या अक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः धर्म उक्त मिमिन्स की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- 1. श्री सी० कृष्णामूरती पिता सुबमनयम घर नं० 6-3-841/ ए श्रमीरपेट हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री ऐम० नारयणा पिता एम० ग्रार० वेतकटा सुबन्धा घर नं० बी०-एफ-1, विजया नगर कालोनी हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरुधीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियम के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9-सरवे नं० 185, 186 मै० कैरताबाद हैदरा-बाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2659/79 है छप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम ग्रधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाय

तारीख 28-5-1980। मोहर:

प्रकप धाई∙ टी∙ एन∙ एस∙---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मर्फ 1980

म्रार० ए० सी० नं० 14.6/80-81—म्बतः मुझे के० के० वीर

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 6-2-655 का वीभाग है, जो चीनतल कस्ती हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यान्तय करताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908

1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रकटूबर 1 979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है भीर पन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भव, उस्त भिविनयम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्रीमती बीलकीस जहान बेगम 10-1-123/ऐ मासाब टैन्ह हैदराबाद (2) श्रीमती नजमुनीसा बेगम 1-8-321 बेगमपेट, हैदराबाद (3) श्रीमती शहरीयार जहान बेगम सिकन्दराबाद घर नं० 5-4-86 एम० जी० रास्ता। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जे॰ मल्लेश सुपुत्र जे॰ लीनगय्या 6-2-655 चीनतलबसती, हैदराबार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूर्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त छाछ -नियम के प्रष्टियाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस प्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मन्जिला घर नं० 6--2-655, चीनतलबस्ती करैताबाद, हैवराबाद विस्तारण 2350 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2674/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय करैताबाद में।

> के० के० वीर मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-5-1 980।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

ग्रार० ऐ०सी० नं० 147/80−81−-ग्रतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 1-10-1/8 है, जो स्रशोकनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्म से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्ट्बर 1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं है किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों अधितः—

- 1. श्रीमती सावित्री देवी ग्रीर दूसरे फर नं० 2-2-10 युनिवर्सिटी रास्ता, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लल्मीबाई घर नं० 2-3-7/12/1 गोलनावा, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भर का विभाग नं० 1-10-1/8 भ्रमोकनगर, हैदराबाध रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5914/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदरा-बबाव में।

> के० के० वीर, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-5-1980

प्ररूप आहुं ० टी • एन ० एस ० -

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांतः 28 मई 1980

ग्रार० ए० सी० नं० 1408/80-81—म्प्रतः, मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 50 है, जो सिकागाऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्टबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से सुईं किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिषध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तिसयों अर्थानः——

16-136GI/80

- 1. श्री सरदार गुरमुख हिंम जी० पी० ऐ० एस० हरप्रनद सिंह 6-2-338/3 चीन्तल बस्ती हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेम प्रकाश मेहरा प्लाट नं० 50 पिता बीनाथ मेहरा प्ताट नं० 50 सीकगाऊ सिकन्दराबाद में। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

घर ध्रौर प्लाट नं० 50---सी० एस० नं० 10-सिक-गाऊ सिक्षनदराबाद में 400 वर्गयार्ड है रजिस्ट्री दस्तावेज न० 24421/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 149/80--- 81----श्रतः मुझे कें० कें० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1-10-1/8/ए० हैं, जो आशोकनगर में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्णक्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सृष्टिशा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमित दी साविती देवी और दुसरे 2-2-10 मुनीवर सोही रास्ता हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित स्थामला देवी और दुसरे 2-3-7/12/1 गोलनाका हैदराझाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुषुची

प्लाट और घर नं०1-19-1/80 ये ध्राणोक नगर हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5796/79 ऊप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> क्षे० वेः० वीर स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ,हैदरा**ब**।द

तारीख: 28-5-1980।

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराखाद

हैदराबाद, दिनांकः 28 मई 1980

निदेश सं० श्रार० ऐ० सी० नं० 150/80--81---श्रतः मुझे के० के० वीर

ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ध्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० 17-1-200 है, जो सैदाबाद हैदराबाद में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्त्री में प्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्राजमपुरा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्ट्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त भ्रिष्ठिनयम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- 1. श्री दीनूबाई देपाई (2) श्राशोक कुमार देसाई (3) कौनीक देपाई (4) हममुक भाई देसाई (5) मदुसूदन देसाई, तमाम का घर 4-3-314 बेनक स्ट्रीट कोटी हैदराबाद (श्रन्तरक)
- मैसर्स नात पीटर्स पारमाकुलरर्स 17-1-200 सैदाबाद हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्णन के सम्बंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारीख से
 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो
 भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसची

घर नं॰ 17-1-200 सैदाबाव हैवराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं॰ 2906/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय स्नाजमपूरा में।

> किं० कें० वीर सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज **हैदराबाद**

तारीख 28-5-1980। मोहर: प्ररूप धाई• डी• एन• एस०~-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

निदेश सं० ग्रार०ए०सी०नं० 151/80——81——श्रासः मुझे के० के० वीर

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्म 25,000/- ६० से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 33 है, जो बेलोनगटन रास्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरच जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं जिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कियो अय की बाबत उक्त पिंधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के किए;

नतः धनः, उत्तर प्रधिनियम की घारा 269-ए के धनुसरण में, में, उत्तर प्रधिनियम की बारा 269-व की उपबास (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्।——

- ै. डिंगिक्टर स्टेनली सुबाकर घरनं० सी-123 एच-ए०-एल कालोनी हैदराबाद-42 (अन्तरक)
- 2. श्रीमित ऐ हेमावती एन० वी० राऊ ण्लाट नं० 33 विलिंगटन रोड पीकीट, सिकन्बराबाद (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 बिल की ग्रविष या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन को भ्रविष, जो भी अविष बाव में समाप्त होती हो, के भीतर ऽपूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्ढी अरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के प्रडयाय 20-क में परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

घर प्लाट नं० 33 वेलीनगटन रास्ता काकागुडा राऊ सिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2497/79 उप रिजस्ट्री सिकन्दराबाद ।

> कै० के० वीर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारी**खा** : 28-5-1980 ।

प्रकप भाई० टी० एत∙ एस०------

आयमर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यांलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

श्चार० ए० सी० नं० 151_/80---81----श्चतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिना सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से धिक है

श्रीर जिसकी सं० सरने नं० 146, ग-149 है, जो लीतकुन्टा, गाऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सिकन्दरा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रन्ट्बर 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक उप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अम, उन्त अधिनियम, की घारा 289-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 289-घ की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !——

- 1. श्री सुरज गोली पिता श्री राजाराम 76ए तीरमल-गीरी सिकन्दराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री दी लोकयात्रा क्वापरेटु हौजीनग सोसायटी लिमिटेड $3-6-240/{
 m U}/2$ हिमायतनगर हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्मति में दिशबद किसी श्रम्य स्थित द्वारा, श्रशोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो मौर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 23-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

जमीन विस्तर्न 2 एकड़ 37 1/2 गुनटास सरवे नं० 146, 147, 148 श्रीर 149 लतकुनटा राऊ सिकन्दराबाव रिजस्ट्री बस्तावेज नं० 2449/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

(महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 28-5-1980। मोहरः प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रैंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

ग्रार० ये० स० नं० 153/80--81 ग्रतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- द० से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन सरवे नं० 146 है, जो 149 लोत-कुपटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय सिकन्दरा बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्टूबर 1979 को

का 16) के प्रधान अक्टूबर 1979 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे वह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृक्यमान प्रतिफल से ऐसे दृक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च धन्तरक जिखित में बाक्तविक कप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से तुई विसी घाय की बावत, छक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; घौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अध्य भाक्तियों को जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम, या धनकर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं भन्तिरती द्वारा मकद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ग्रंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ना के धनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नविखित व्यक्तियों, प्रवीत् रू--

- 1. श्री सुरज गैलो पिता राजाराम घर नं० 76/ए तीरभगीरी सिकन्वराबाद (अन्तरक)
- 2. श्री दो लोकयाता क्वापरेटु होजीनग सोसैटी लिमि-टेड 3-6-240/ए/2 हिमायतनगर हैदराबाद (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की सबिध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घघोद्दस्ताझरी के पास सिखित किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरग: — इसमें प्रयुक्त मन्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 — के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

खुली जमीन एक एकड़ नं० 146, 147, 149 लोत-कुनटा राऊ सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2534/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 28-5-1980। मोहरः प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

न्नार० यु० सी० नं० 154/80----81 न्नतः मुझे के० के० वीर

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 5-9-299 है, जो गनकोनडरीमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुभूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भर्धीन श्रक्ट्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भ्रम्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रम्तिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्ध्य से छक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गरा है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (छ) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त मिन्नियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, छक्त मिन्नियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्री नरेंद्रा पिता तकारसी 15-बालाजीनीसयम बंगलूर (ग्रन्तरक)
- श्री स्वास्तीक येनटर प्रैसेस 5-9-299 गनफीनडरी हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्तिके म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्ररण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रीध-नियम, के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है .

प्रनुसूची

जमीत श्रीर घर नं० 5-9-299 गनफौनडरो हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 6079/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वोर सक्षम ऋधिकारो (सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-5-1980।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

माथकर चित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रचीन सूचना

मारव सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर पायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक नई 1980

सं श्रार ए० सी० नं 155/80-81 — यतः, मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० 5-9-22/1/1 है, जो आदर्शनगर स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय है-राबादमें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टबर 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए सन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्धह प्रसिगत से प्रक्रिक है और अन्तरक (बन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त सन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बावत उपत स्रीध-नियम के अधीन कर देने के अभ्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीरांया
- (ख) ऐसी किसी प्राय या निसी वन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के निए;

वतः धन, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व के अनुसरक में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) के असीन, निम्नविखित व्यक्तियों, प्रवास ।——

- 1. श्रो डो॰ सुवाराया भास्त्रो नं० 9 जगदम्बागली मद्रास (ग्रन्तरक)
- 2. श्री: गोपाल मोतवानी पिता विखचन्द 5-9-22/7-श्रादर्श नगर हैदराबाद (श्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (त) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्न स्थावर संपत्ति में हित-श्रद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसर्ने प्रयुक्त सन्दों सौर पदों का, जो सकत सिधितयम के सब्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस सब्याय में विया गया है।

मनुसूची

जमीन प्लाट नं० 8 घीर घर नं० 5-9-22/1 म्रादर्श नगर गपूरबाडी हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेश नं० 6201/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 28-5-1980।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

सं बार ० ए० सी ० नं ० 156/80-81-यतः, मुझेः, के० मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित 25,000/- रुपए से भौर जिसकी सं० 3-5-141/ई/6 है, जो ईडन बाग स्थित है (ग्रौर इससे उपावत ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन प्रकट्कर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **वृश्यमान** प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ्रेसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रना मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: ग्रव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के भनुक सरण में, में, भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रपति :---

- 1. श्री विजयक्तार वैवड़ा घर नं० 15-6-502 बेगम-बाजार, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- श्री छगनलाल देवडा 3-5-141/5/2 ईडन बाग राम-कोट, हैदराबाद ू (श्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना ने राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भारधिया तरतंत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेगे।

स्पच्डी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 3-5-141/ई/6 का विभाग ईडनबाग हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6025/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० धीर सक्षम श्रधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैवराश्य

तारीख 28-5-1980। मोहर:

17-136GI/80

प्ररूप आइं. टी. एन∀ एस.—----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आमकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मई 1980

सं**० ग्रार०** ए० सी० नं० 157/80-81—यतः, मुझे, के० के**० गी**र

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6-3-612/ई है, जो श्रानंदनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय खेरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त संवरित के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्युक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमति जी० एस० सौमायवती 6-3-598/51/4-श्राननद नगर, हैदराबाद (श्रन्सरक)
- 2. श्रीमित प्रशरफ शाहनाज मसूद पति श्री मोहम्द मसूद-ध्रली ग्रबिद 22-1-358/1 सुलतानपुरा-हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकुरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

घर नं० 6-2-612/ई० आनन्द निगर हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2949/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय खैरताद में।

> के० के० वीर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-5-1980

प्रकृप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰---

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के घरीन तुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-III, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० 703/एक्वि० अत्र-III/80-81/कलकत्ता--यतः मुझे, म्राई० बी० एस० जुनेजा. मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-ख के भंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से धन्निक है श्रीर जिसकी दाग नं० 420 है, तथा जो मौजा, बांशद्रोनी, 24 परगना, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बेहाला, 24 परगना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 15-10-1979 को सम्पत्ति के उचित बाआर मूक्ष्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमात्र प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तय गाया गया प्रतिकल निम्नलिकित उद्देश्य से उरत भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त, भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देन के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्रा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, अब, उन्त भिवित्यम की भारा 269-म के अनु-सरण में, में, उन्त भिवित्यम की भारा 269-भ की उपभारा-1 के भिन्नोत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- 1. श्रीमती श्रालामेलु नारायन

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमति झनी साहा

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त गम्बों और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्ठा जमीन साथ एकतल्ला मकान जो दाग नं० 420 खतियान नं० 90, मौजा बांशद्रोनी, थाना यादबपुर पर ग्रवस्थित ।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-एक्स, कलकत्ता

तारीख: 9-6-1980

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th May 1980

No. A.31013/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri K. R. P. Nair substantively to the post of Senior Research Officer (Mulayalam) in the office of the Union Public Service Commission with effect from 1st April, 1980.

> S. BALACHANDRAN Under Secy. for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 6th June 1980

No. A.31014/3/80-Admu.III.—The President is pleased to appoint Km. Jayalakshmi Nair, appointed as Probationer in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission on the basis of the Indian Administrative Service etc. Examination, 1976, substantively to the Section Officers' Grade of the Service in the same cadre with effect from 1st June, 1980.

> S. BALACHANDRAN Under Secretary (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 9th June 1980

F.2/23/80-Estt[CRPF(Pers IV)].--The President is pleased to apoint Shri Birbal Nath IPS (Punjab: 1950) Director General Central Reserve Police Force, with effect from the afternoon of 12th May 1980 until further orders.

> NARENDRA PRASAD Director

(DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th June 1980

No. A-35013/23/80-Ad.V.-Shri B. P. Tiwari, IPS (1967-Punjab), Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment relinquished charge of the office of Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment Ambala on the afternoon of 31-5-1980. His services have been placed back at the disposal of the Government of Punjab.

> Q. L. GROVER Administrative Officers (E) Central Bureau of Investigation.

(DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE)

New Delhi-110001, the 13th June 1980

No. F.2/38/78-ESTT(CRPF).—The President is pleased to appoint the following Medical Officers of the CRPF substantively as General Duty Officer Grade-II with effect from 4-6-1980 :-

- Dr. R. N. Tripathy.
 Dr. Hamidullah Sheikh.
 Dr. Shaukat Ali Khan.
 Dr. Girish Chandra Satpathy.
- 5. Dr. Naresh Kumar Agnihotri.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL (CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-110019, the 10th June 1980

No. E-38013(3)/17/79-PERS.—On transfer to Namrup, Shri D. S. Badwal relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, HEC Ranchi w.e.f. the afternoon of the 10th May 1980.

> Sd/- ILLEGIBLE INSPECTOR-GENERAL

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhl, the 10th June 1980

No. 11/2/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri H. H. Sahay, an Officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 27th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sahay will be at Patna.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 7th June 1980

No. BNP/G/4/79.—Shri V. P. Bhalla, a permanent Inspector Control is appointed to officiate as Dy. Control-Officer in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group "B" Gazetted) on ad-hoc basis in Bank Note Press, Dewas in short term leave vacancy with effect from 6-6-1980 to 6-7-1980.

> P._S. SHIVARAM General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL)

Kapurthala, the 30th May 1980

NOTICE

O.M. No. Admn/AVI/Discip/Buta Singh/418.—Shri Buta Singh Son of Late Shri Chattar Singh previously Junior Accountant of his office had been on unauthorised absence since 25-8-1979 and failed to acknowledge receipt of lany of the memoranda issued to him at his known address. After following necessary disciplinary proceedings under the departmental rules, it was decided to remove him from service w.e.f. 9-5-1980 forenoon and the order of removal from service was sent to him at his available address in the office. As the registered cover containing the order of removal of the official service sent to him at his available address has been received back undelivered; it is hereby notified that Shri Buta Singh son of Late Shri Chattar Singh stands removed from service w.e.f. 9-5-1980 forenoon.

> S. R. HIREMATH Director of Accounts (Postal),

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 12th June 1980

No. 3/80/A/M.—The President is pleased to appoint Dr. Bishnu Das Mandal as Assistant Medical Officer in Gun & Shell Factory, Cossipore, with effect from 14-2-1980 until further orders.

> O. P. BAHL Addl Director General, Ordnance Factories/ Member, (Personnel)

Calcutta, the 10th June 1980

No. 33/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. N. Datta, Offg. Addl. DGOF/Member,

Ordnance Factory Board (Subst. & Permt. DDGOF Level I) retired from service w.e.f. 31st May, 1980/AN.

The 11th June 1980

No. 34/G/80.—The President is pleased to appoint Shri H. P. Chatterjee as Specialist for a period of 6 months from 1st Aug., 1979 to 31st Jan., 1980.

No. 35/G/80.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offig. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :

- (1) Shri V. Krishnan, Permt. DADG-1st April, 1980.
- (2) Shri R. Sankar Raman, Permt. D.M.—1st April, 1980.
- (3) Shri S. K. P. Viswanathan, Permt. D.M.—1st April, 1980.
- (4) Shri Y. P. Arora, Permt. D.M.—1st April, 1980.
 (5) Shri S. Krishnamurthy, Permt. D.M.—1st April, 1980.
- (6) Shri S. Vaidhyanathan, Permt. D.M .- 1st April, 1980.
- (7) Shri P. S. Rastogi, Permt. D.M.—1st April, 1980.
- (8) Shri B. V. Rastogi, Permt. D.M.—1st April, 1980.
- (9) Shri G. N. Goyal, Permt. DADG.—1st April, 1980.
- (10) Shri V. S. Gupta, Permt. D.M.—1st April, 1980.
- (11) Shri B. M. Jawaharlal, Permt. DADG .-- 1st April, 1980.

No. 36/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Asstt. Manager/T.S.O. with effect from the date shown against them, until further orders :-

- (1) Shri K. I. Chakuny, Permt. Foreman-2nd May, 1980.
- (2) Shri S. S. Guha Takurta, Offg. S.A .- 1st May, 1980.
- (3) Shri A. K. Routh, Offg. Foreman-1st May, 1980.
- (4) Shri Deb Raj Mehra, Offg. Foreman—1st May, 1980.
- (5) Shri B. D. Dole, Offg. Foreman-2nd May, 1980.

V. K. MEHTA Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDA Calcutta-700016, the 9th April 1980

No. 4430B/A-32013/AO/78-80/19A.—Shri S. Banerjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27-3-1980, until further orders.

No. 4442B/A.32013(AO)78-80/19A.—The following Super-intendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No., Name and Date of Appointment

- 1. Shri G. C. Ram-18-4-1980 (F.N.).
- 2. Shri B. L. Chakraborty--18-4-1980 (A.N.).

The 10th June 1980

No. 4505B/2339(LS)/19B.—Shri Lakhmi Singh, Geophysicist, Geological Survey of India relinquished charge of the post in same Department on resignation w.e.f. the foregoon of the 10-10-1979.

> V. S. KRISHANASWAMY Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 10th June 1980

No. 5/31/70-Est.I.—Shrl A. S. Patil, officiating Cameraman, Films Division, Bombay was reverted to his substantive post of Asttt. Cameraman on the afternoon of the 24-4-1980.

> N. N. SHARMA Acting Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 13th June 1980

No. A-12020/29/78(NTI) Admn.I.—The President in pleased to appoint Shri N. Naganathan, Junior Bacteriologist, National Tuberculosis Institute, Bangalore to the post of Bacteriologist, in the same Institute, with effect from the forenoon of 6th February, 1980, on temporary basis, and until further

> S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE VARIABLE ENERGY CYCLOTRON

Calcutta-64, the 26th May 1980

No. VEC/O/Per-PKB/5329.—Shri Prashanto Kumar Bhaskar, a permanent Scientific Assistant (C) and officiat-ing Scoentific Officer (SB) in the Variable Energy Cyclotron Project, Bhaba Atomic Research Centre, Calcutta expired on 22nd Jan. 1979.

B, C. PAL Administrative Officer III

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 00, the 6th June 1980

No. DPS/S-16/Adm./8512.--Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri K. Sreedharan, Assistant Stores Officer, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, retired from Government service on the afternoon of March 31, 1980.

No. DPS/P-5/Adm./8515.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri S. J. Pradhan, Assistant Purchase Officer, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, retired from Government service on the afternoon of April 30, 1980.

> B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

Bombay, 400001, the 29th May 1980

No. DPS/4/1(5)/77-Adm./8161.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Vilas Purushottam Tilloo, an officiating Assistant Stores Officer, in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from January 25, 1980.

The 4th June 1980

No. DPS/4/1(4) /77-Adm/8324.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri N. R. Vijayan, a permanent Lower Division Clerk in the Office of the Director General of Civil Aviation Department and officiating Assistant Purchase Officer in the Directorate of Purchase and Stores in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from October 10, 1979.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX ADMINISTRATION-II

Bombay, the 2nd June 1980

NOTICE

Ref. NFC/PA.II/DPS/1444/1112.—In terms of para 1(a) of his offer of appointment issued vide NFC letter No. PAR/0123/1300, dated 25/-31-1-5979 notice is hereby given that the services of Shri G. Shankaran, Driver Grade I, NFC stationed at DPS, Bombay, shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of this notice.

He is required to surrender bus pass, security badge and any other Government materials issued to him immediately to the APO, DPS, Bombay.

U. VASUDEVA RAO Senior Administrative Officer

Shri G. Shankaran Driver Gr-I Koottikulam Trikkanad-P.O. BEKAL Cannore Kerala. G. Shankatari Room No. 3 Paithal Nivas Padwal Nagar Wagle Estate Thana-4 Maharashtra.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 12th June 1980

No. RAPP/04627/Admn/80/S/316.—Consequent on their transfers to Narora Atomic Power Project, P.O. Narora, Distt. Bulandshahr (UP), the following officers of this Project relinquished charge of their posts on the dates indicated against, each:—

- S. No., Name, Pmt. post held, Offg. Post and Date of relinquishment of charge of post
- Shri R. K. Sharma, Asstt. F/man, Scientific Officer/ Engineer Grade-SB-31-3-80 (AN).
- Shri Kulwant Singh, Asstt. F/Man, Scientific Officer/ Engineer Grade-SB—31-3-80 (AN).
- 3. Rajendra Prasad, D/Man (B), Scientific Officer/ Engineer Grade-SB-31-3-80 (AN).
- L. C. Choudhary, D/Man (B), Scientific Officer/ Engineer Grade-SB—31-5-80 (AN).

GOPAL SINGH

Administrative Officer (E)

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana, the 5th June 1980

No. TAPS/1/18(2)/77-R-.—On transfer from the Narora Atomic Power Project, Narora, Shri S. Krishnan, a permanent Officer in the Assistant Administrative Officers Grade and officiating in the Junior Administrative Officers grade in the Centralised Cadre of the Department of Atomic Energy, is appointed as Administrative Officer-II in the Tarapr Atomic Power Station with effect from the forenoon of May 16, 1980.

K. P. RAO Chief Superintendent

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF

CIVIL AVIATION

New Delhi, the June 1980

No. A.44013/1/80-EW.—Shri H. S. Rawat, Assistant Fire Officer, office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, relinquished charge of the post on the 5th May, 1980 AN on his appointment as Fire Control-cum-Security Officer in the Shipping Corporation of India, Bombay.

The 11th June 1980

No. A.38013/1/80-EA.—Shri B. K. Sarkar, Aerodrome Officer, Calcutta Airport, retired from Government service on the 31st May, 1980 AN on attaining the age of superannuation.

No. A39013/1/80EA.—Shri S. P. Kohat, Asstt. Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Jabalpur resigned from Government Service with effect from the 26th March, 1980 AN.

V. V. JOHRI Deputy Director of Administration

New Delhi, the 6th June 1980

No. A.32013/7/79-E.I.—The President has been pleased to appoint S/Shri B. K. Gandhi, J. S. Chauhan, Kuldip Rai and B. R. Sharma, Technical Assistants in the Civil Aviation Department, to the grade of Scientific Officers, Civil Aviation Department, on an ad-hoc basis for a further period beyond 24-1-1980 and upto 22-5-1980 in continuation of this Department Notification No. A.12025/8/76-E.I., dated 24-12-79 and No. A.32013/7/79 dated 24-12-79.

The 9th June 1980

No. A.32014/1/79-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Kedar Nath, Store Assistant, as Store Officer (Group 'B' post) on ad-hoc basis in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras, with effect from the forenoon of 21st May, 1980, until further orders.

C. K. VATSE, Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 11th June 1980

No. A.38013/1/80-EC.—Shri K. Ray, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Calcutta relinquished charge of office on 30-4-80 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 13th June 1980

No. A.32013/8/79-EC(Pt.).—The President is pleased to appoint Shri G. B. Brahme, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Technical Officer on an ad-hoc basis with effect from 13-5-80 and upto 30-6-80 and to post him in the same station.

No. A.32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Puri, Assistant Director of Communication, D.G.C.A. (HQ) to the grade of Deputy Director of Communication (Planning) on ad-hoc basis vice Shri R. S. Goela with effect from 24-5-80 and upto 8-7-80 and to post him in the same office.

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 9th June 1980

No. 15/80.—Shri R. L. Narayanan lately posted as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Hyderabad on transfer to the South Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, at Madras vide Directorate Order F. No. 1041/41/79, dated 20-2-80 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 7-5-1980 (Forenoon) vice Shri K. Balaraman retired.

No. 18/80.—Shri V. Kumar Swamy, lately posted as Assistant Collector Customs, Bombay Customs House on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise New Delhi vide Department of Revenue Order No. 33/80 (F. No. A-22012/4/80-Ad.II), dated 7-3-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' on 30-5-80 (Forenoon).

No. 19/80.—Shri Sudhir Kant Sharma, on being nominated by the U.P.S.C. has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Mechanical Engineering) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi and assumed charge of the post on 31-5-80 (Forenoon).

K. L. REKHI Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 11th June 1980

No. A-19012/780/79-Adm.V.—The Chairman, Central Wates Commission hereby appoints Shri S. K. Rai, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of the 1st November, 1979 until further orders.

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 10th June 1980

No. K-110011/12/80-DDIB.—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of sub-section (3) of Section 3 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Central Government hereby appoints Shri Kawaljit Singh, I.R.S. (IT: 1955), Deputy Director of Inspection (Investigation), Directorate of Investigation, New Delhi as Finance and Accounts Member of the Delhi Development Authority vice Shri P. V. Krishnamurthy, with effect from the forenoon of 31st May 1980 for a period of two years or until further orders, whichever is earlier.

2. The deputation of Shri P. V. Krishnamurthy, who was appointed as Finance & Accounts Member, Delhi Development Authority vide this Ministry's Notification No. K-11011/16/78-UDIB dated 1-7-78 is terminated with effect from the forenoon of 31st May 1980. However, till such time as he is given an alternative posting, he will continue to be on the strength of the Delhi Development Authority.

J. A. SAMAD Dy. Secy.

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY) NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 4th June 1980

No. G-65/B(CON).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta is pleased to appoint, on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Tridib Chawdhury as Scientific Officer (Physical) in the National Test House, Madras w.e.f. the forenoon of 28-4-80 until further orders.

The 7th June 1980

No. G-65/B(CON).—In continuation of this office Notification of even number dated 18-5-79, the Director General, National Test House" Alipore, Calcutta is pleased to appoint Shrl Bhaskar Moitra to officiate as Scientific Officer (Physical) in the National Test House, Calcutta on a regular basis with effect from the forenoon of 30-5-80, until further orders.

A. BANERJEE
Deputy Director (Admn.)
for Director General, National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the Matter of Companies Act 1 of 1956 Cine Theatres and Traders Private Limited

Calcutta, the 10th June 1980

No. L/23301-HD/1885.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 6th day of March 1978 and the Official Liquidator/Court I iquidator, High Court, Calcutta has ben appointed the Official Liquidator.

In the Matter of Companies Act 1 of 1956 and Burdwan Cutwa Railway Company Limited

Calcutta, the 10th June 1980

No. L/2462/HD-1903.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 25-8-1978 and Official Liquidator/High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

In the Matter of Companies Act 1 of 1956 and Central Road Transport Corporation Limited

Calcutta, the 10th June 1980

No. 27295 (Liqu.) H/D/1922.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1936 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 12-4-79 and the Official Liquidator/ High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

S. N. GUHA Registrar of Companies West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of*
M/s Bolangir Trading Company Limited

Cuttack, the 11th June 1980

No. SO-249-851(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Bolangir Trading Company Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Orissa Bidi Merchants' Association Limited

Cuttack, the 11th June 1980

No. SO-632-853(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Orissa Bidi Merchants' Association Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL Registrar of Companies, Orissa

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1980

Rer. No. CIR No. C-27/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN. being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3 lease-hold, area-14000 sq ft situated at Rana Pratap Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow, on 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kunar Hari Nain Dutt Singh

(Transferor)

(2) Dr. Chandrawati,

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of lease-hold land No. 3 measuring 14000 sq. ft. situated at Rana Pratap Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the form 37G No. 5980, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 30-10-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-5-1980

(1) Shri Misri Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntala Davi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 29th May 1980

Ref. No. CIR No. S-192/Acq.—Whereas I., A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

a double storeyed house situated at Vil.

Sirsa, Tehsil Moja. Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has benn transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tnsrafer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

18-136G1/80

(3) Above Sciler.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situate at Vill. Sirsa, Tehsil Moja, Allahabad, and all that description of the property which is mantioned in the sale deed and the form 37G No. 278 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 16-11-79.

A, S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-5-1980

(1) Chhagan Lal Jothwa

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhota Bhai Patal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Abover purchaser

(Person in occupation of the

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

property)

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW 57 RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Lucknow, the 30th May 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. G IR No. C-28/Acq. —Whereas I, A. S. BISHN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Land a building bearing No. D/75/56 situated Mohalla Qabar Ashiq Mashoq. Sigra, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 10-10-79

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building bearing premises No. D/57/56 (old No. being D 49/45), area -5643 sq. ft. situate at Mohalla-Qubar Ashiq Mashooq. Sigra, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the form 37G No. 9917 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 30-10-1979.

A. S. BISEN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow Date: 30th May 1980

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 30th May 1980

Ref. No. GIR No. H-34/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi No. 64 and houses No. 280, 281, 282 & 283 situated at Mohalla-Balhrana, Talab-Nawalrai, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of -

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) (1) S/Shri Jagdish Narain Jaiswal (2) Prem Narain Jaiswal (3) Maheswari Narain Jaiswal

(Transferor)

- (2) S/Shri (1) Hari Shyam Agarwal (2) Shyam Sunder Agarwal (3) Smt, Malti Agarwal (4) Smt. Urmila Rani (Transferce)
- (3) (1) Shri Magnanand (2) B. P. Sharma (3) Mahabir Shukia (4) Harihar Misra (Tenants) (Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 64, area 1877 sq. mtrs. and houses No. 280, 281, 282 and 283 situate at Mohalla—Baihrana, Talab -Nawalrai Mauza -Keetganj Uparhar, Pargana -Chail, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5151 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 26-11-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 30th May 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd June, 1980

Ref. No. GIR No. G-45/Acq.—Whereas I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of land & building premises No. 440/11 C situated at T. G. Civil Lines, New Hyderabad, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-10-1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishna Kamal Chakraborty

(Transferor)

(2) Shri (1) Gobindlal Arora (2) Gautam Arora (3) Smt. Shanti Arora

(Transferce)

(3) Above purchaser.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of lands consisting of two plots, one containing 3345 sw. ft. and the other containing 10 sq. ft) Measuring in the aggregate 3495 aquare feet together with one storied building and garag and other structures standing thereon or on part thereof being divided and demarcated portion of premises No. 440/11C, T. C. Civil Line, New Hyderabad (Plot No. 440/11C)—known as Lot 'B',) Police Station—Lucknow, within the State of Uttar Pradesh shown as Lot 'B' in the map or plan hereto annexed and butted and bounded as follow:—

Plot No. 'B'-measuring 3345 sq. ft.

On the North-By Let 'A';

On the East—Partly by Lot 'A' and party by common passage

On the Scuth-Plot No. 'C';

On the West-By a lane;

Lot 'B' measuring 150 sq. ft.

On the North, East and West -By common passage;

On the South-By Plot No.

and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the form 37 G No. 5614 both of which have duly been registered in the office of the Registrar of Assurance Calcutta, on 30-10-79.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

57, Ram Tirth Marg. Lucknow Lucknow, the 2nd June 1980

Ref. No. GIR No. G-46/Acq.—Whereas I A. S. BIENS being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land and portion of building premises No. 440/11 C situated at T. G. Civil Lines, New Hyderabd, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Aject Chakraborty

(Transferor)

2. (1) Shri Gobind Lal Arora (2) Gautam Arora (3) Smt. Shanti Arora

(Transferee)

3. Above purshaser (Person in occupation of the peorperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or narcel of land measuring 2724 square feet together with portion of main building and other structures standing thereon or on part therof being divided and demarcated portion of premises No. 440/11C, T.G. Civil Lines, New Hyderabad (Plot No. 440/11C), Police Station Lucknow within the State, of Untar Pradesa show as Lot 'D' in the map or plan hereto—annexed and butted and bounded as follows:—

On the North :- By lot F

On the East:—Partly by lot F partly by main road and partly by Lot 'C'

On the South:-By Lt 'C'

On the West:— Partly Lot 'E' and partly by Lot 'C' and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the form 37G. No 5615 both of which have duly been registered at the office of the Registerar of Assurances Calcutta, on 30-10-79.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometer,
Acquisition Rane, Lucknow

Date: 2-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Lucknow, the 2nd June, 1980

Ref. GIK No. G-47/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and portion of building premises No. 440/11C situated at T. G. Civil Lines, New Hyderabad Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Amar Nath Chakraborty

(Transferor)

2. (1) Gobindlal Arora (2) Gautam Arora (3) Smt. Shanti

(Transferce)

3. Above drchaser (Person in occupption of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parceal of land measuring 4103 square feet together with a portion of the main building and other structures standing thereon or on part thereof divided and demarcated portion of premises No. 440/11C, T. G. Civil Lines, New Hyderabad (Plot No. 440/11C) known as Lot 'C', Police station—Lucknow within the State of Uttar Pradesh shown as Lot 'C' in the map or plan hereto annexed and butted and bounded as follow:—

On the North—Partly by Lot A, partly by Lot B and partly by Lot D;

On the East-By Main Road;

On the South—By common passage;

On the West-By Lot A.

and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the form 37G No. 5616 whein have duly been registered at the office of the Registrar of Assurances, Calcutta on 30-10-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-6-1980

(1) Smt. Srcela Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

47, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd June 1980

Ref. No. GIR No. G-48/Acq-Whereas I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land and one storeyed building of premises No. 440/11C situated at T.G. Civil Lines, New Hyderabad, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:-

- (2) Shri (1) Gobindla1 Arora (2) Gautam Arora (3) Smt. Shanti Arora (Transferee)
- (3) Above purchaser (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 6695 squarefeet together with one storied building and other structures standing thereon or on part there of being divided and demarcated por-tion of premises No. 440/11C, T.G. Civil Lines, New Hydera-bad (Plot No. 440/11C) T. G. Civil Lines, New Hydera-bad (Plot No. 440/11C), know nas Ltot 'A' Police Station Lucknow within the State of Uttar Pradesh shown as lot 'A' in the map of plan hereto annexed and butted and bounded as follows

On the North-Partly by Plot No. 440/11C and partly by lot On the East—Partly by Lot E and partly by Lot C
On the South—Partly by Lot B and partly by common passage
On the West—Partly by a lane and partly by Lot 'B'.

A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, AcquisitioL Range, Lucknow

Date: 2-6-1980

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE LUCKNOW

57, Ramtl Rth Marg.

Luckinow the 2rd June 1980

Ref. No.G-49/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

paart of peremises No. 440/11C, situated at

New Hyderabad Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Alok Chakraborty

(Transferor)

(2) S/Shri (1) Govind Lal Arora; (2) Gautam Arora; & Smt. Shanti Arora

(Transferee)

(3) Transferees above

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lot 'E'-

All that piece or parcel of land measuring 3446 sft. together with a portion of main building and other structures standing thereon or on part thereof being divided and demarcated portion of premises No. 44/11C, T.G. Civil Lines, New Hyderabad? (Lot No. 440/11C), known as not 'E', Police Station Lucknow within the State of W. P. shown as Lt 'E' in the map or plan thereto annexed and butted and bounded as follows:

On the North-Plot No. 440/11A,

On the East-By main road,

On the South—Partly by lot 'D' partly by lot 'C' and partly by lot 'A'.

On the West-By lot 'A'

And all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 3618 which have duly been registered in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta on 30-10-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dat3: 2-6-1980

Seale

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 31 May 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/10-79/5901—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

J-45, situated at Rajouri Garden, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the registering officer at Delhi. on Oct. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
9—136G1/80

(1) (1) Gurcharan Singh s/o Sh. Sardar Singh r/o S-31, Rajouri Garden, Ne Delhi, (2) Sh. Sarya Bhushan & (3) Sh. Bhushan Chander ss/o Sh. Devki Nandan E-3, Rattan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Harnam Singh s/o. Piara Singh r/o J-45, Rajouri Garden New Delhi. (Transferree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabe property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. J-45, mg. 243 sq. yds. siduated at Rajour Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II Delhi/New Delhi

Date 31-5-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI
Room No. 107, H-Block, Vikas Bhavan, I. P. Estate,

New Delhi, the 31st May 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR- I /10-79/5821—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 1, Goela Lane situated at Under

Hill Road, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on October 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pradcep Kumar Goela & Smt. Parkashwati R/o Kothi No. 1, Goela Lane, Under Hill Road, Delhi.

(Transferor)

 (1) Shri Om Parkash, (2) Ashok Kumar (3) Kishore Kumar (4) Puran Chand, (5) Aditya Arora, (6) Vikash Arora, (7) Smt. Sudha Tandon, (8) Shiv Charan Dass & (9) Sri Nath Arora R/O 937, Naya Bans Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 1, Goela Land, Under Hill Road, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 31-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi-110002, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/10-79/607—Whereas I., R B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agri. land 5 bigha 1 biswas situated at Village Kapashera New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 31-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramphal, Rattam Singh sons of Chander Bhan, Chhattar Singh S/o Ramasroop. Kanwar Singh, Hosiar Singh, Nawal Singh sons of Jaimal, Mir Singh, Nahar Singh, Rai Singh and Chellu Ram R/o Village Kapashera Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Kavita Kapoor D/o Mr. Ved Kapoor R/o A-40, Friends Colonv (DDA) New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultur: I land 3 bigha 5 biswas from khasra No. 120 and 1 bigha 16 biswas from khasra No. 121 totalling 5 bigha and 1 biswas in village Kapashera, Tchsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. Aggarwa
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I /SRIII/10-79/603)—Whereas I. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agril land 15 bigha 72 biswa situated at in village Kapashera New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on 31-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Phal, Rattan Singh sons of Chander Bhan, Chhattar Singh s/o Ram Sarup. Kanwar Singh, Hosiar Singh, Naval Singh sons of Jaimal. Mir Singh. Nchar Singh, Rai. Singh & Chellu Ram sons of Ramehar all R/o vill. Kapashera Tehsil Mehrauli New Delhi.

(Transferors)

(2) M/s Palam Motors P. Ltd., 12-A, Vandhna, 11 Tolstoy Marg, New Delhi.

(Trar sferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing khasra No. 91 (4 bigha) 92 (4-16), 93 (4-16) and 93 (2-0) totalling 15 bighas 12 biswas in village Kapashera New Delhi.

M. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, DELHI/NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I /SR-III/10-79/563—Wherewas R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land 32 bigha 8 biswas situated at village Gadaipur Tehsil Mebrazli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (13 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Basant Singh, Amrit Singh and Surveer Singh sons of Hari Singh r/o 21- Nanak Market, Tilak Bazar Delhi (Transferor)
- (2) Shri A. K. Puri S/o M.M. Puri R/o B-109, Greater Kailash I New Delbi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land area 32 bigha 8 biswas khasra No. 489 (4-16), 490 (4-10), 493 (6-2) 497 (2-12), 495/1 (0-8) 495/2 (3-8), 495/3 (1-0) 496 (416) 494 (4-6) with tubewell, orchad fences and bounddaries in village Gadaipur, Tehail Mehrauli, Dew Delhi.

R. B. L. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date :12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 12 June 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SRIII/10-79/501-Whereas I, R. B. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. M-168, Grerater Kailash II situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on 6-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Shri Harish Aggarwal R/o G-49, Masjid Moth, New Delhi-48

(Transferor)

(2) Shri Beggar Singh & Master Surjit Singh M-168, Greater Kailash-II, New Delhi, (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold single storeyed residential house bearing No. 168 in Block M built in 30 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailsash II New Delhi-48 bounded as under:—

East Road
West S. Lane
North House No. M-166
South Plot No. M-170

R. B. L. AGARWAL
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income
Tax) Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date 12-6-1980

 Bhupinder Singh S/o Mehtab Singh, G-14, Lajpat Nagar-III, New Delhi-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raj Mohan Bhardari S/o Late Shri L.R. Bhandari, N-16, Greater Kailash-1 New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June, 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-79/576.—Whereas, I, R.B.L. being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-140, situated at Greater Kailash I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-140, Greater Kailash I, New Delhi-48. Area 208 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Dolhi, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR III/10-79/565.—Whereas I, R. B. L. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B/47, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Singh Sothi S/o Raja Gulab Singh R/o 13-Nizamuddin East, New Delhi & Smt. Soman Wanti W/o Raja Gulab Singh R/o 47-Hanuman Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh S/o Mela Ram, R/o E/6, Jangpura Extn. New Delhi and S. Manmohan Singh S/o Late S. Patwant Singh, B-11 Jangpura Extension New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No. B-74, Greater Kailash I New Delhi. Area 896 sq mts.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1980

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

 Shri K. C. Bhalla Flat No. 28, 4th Floor, Pushpa Bihar III, Colaba Road, Bombay-400005.

(Fransferor)

-,,,--,,- is producted to fine i distr

(2) Pusho J. M. Singh Ahluwalia & Mr. Jag Mohan Singh Ahluwalia A-1/47, Manid Moth, New Delhi.

(Fransferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION PANGE-I NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

New Delhi, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-79/1621,—Whereas I, R. B.I . AGGARWAL

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-1/47, situated at Masjid Moth, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concralment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-1/47, Masjid Moth, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquition Range I Delhi/New Dehil.

Date: 12-6-1980

Seal:

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—136GI/80

(1) Shri Man Mohan Singh S/o Avtar Singh 8/25, West Patel Nagar New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Indian Petrochemicals Corporation Ltd, P. O. Petrochemicals Dist. Vadodara

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq-f/SR-JII/10-79/537.—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-133, situated at Greater Kailash 1 New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Newly constructed building bearing No. C-133, measuring 313 sq. yds. situated at Greater Kailash-I New Delhi,

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th June 1980

Ref. No. TAC/Acq-I/SR-III/10-79/604.—Whereas I, R.E.I. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land 4 bigha 16 blswas situated at Village Kapashera New Delhl.

Charkhana Chakla, Hathupura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at New Delhi on 31-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramphal, Rattan Singh S/o Chander Bhan Chattar Singh S/o Ram Saroop, Kanwar Singh, Hosiar Singh, Naval Singh sons of Jaimal, Mir Singh Nahar Singh, Rai Singh & Chellu Ram S/o Ramchar R/o Village Kapashera New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Lal Gulhati S/o Sohan Lel Gulhati, R/o 3-D, Nizamuddin East New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 3 bigha 16 biswas from Khasra No. 119 and 1 bigha from khasra No. 120 totalling 4 bigha 16 biswas in village Kapashera New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1980

மeal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX (1) Shri Ramphal, Rattan Singh sons of Chander bhan, Chatter Singh, S/o Ram saroop, Kanwar Singh Hosiar Singh, Nawal Singh sons of Jaimal, Mir Singh, Mehar Singh, Rai Singh & Chelu Ram sons of Ramehar R/o Village Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt, Sushma Guhati W/o V. K. Gulhati, R/o 3-D, Nizamuddin East, N. Defhi, & Mrs. Usha Kapoor W/o K. P. Kapoor R/o C-19, Friends Colony (DDA) New Defhi.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Dolhi, the 12th June 1980

Ref. No.1AC/Acq-I/SR-III/10-79/608. Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Corapetent Authority under Section 259B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl, land 5 bight situated at Village Kapashera New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 90 measuring 5 bigha in village Kapashera New Delhi,

R.B.I.. AGGARWAL Competant Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ramphal, Rattan Singh Sa/o Chander Bhan, Chhattar Singh S/o Ram Saroop, Kanwar Singh, Hosiar Singh, Nawal Singh Sa/o Jaimel, Mir Singh, Nahar Singh, Rei Singh & Chellu Ram Sa/o Ramehar R/o Village Kapashera Dellu.

(Transferors)

(2) Mrs. Shakuntla Gulhati W/o Sh. C. I. Gulhati, R/o 3-D. Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L NEW DELH-1110002

New Delhi, the 12th June, 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-79/605.—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agrl. land 5 bigha 1 biswas situated at Village Kapashera New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing khasra No. 125/1(2-16) No. 125/2 (1-05) No. Part of 119(1-00) measuring 5 bigha 1 biswas village Kapashera New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th June, 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/10-79/606,-- Whereas I, R.B.I . AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl, land 5 bighas situated at Village Kapashera Tehsil Mehrauli New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-10-1979

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitatin gthe reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramphal, Ratton Singh sons of Chander Bhan, Chatter Singh S/o Ram Saroop, Kawar Singh, Hosiar Singh, Nawal Singh sons of Jaimal, Mir Singh, Nahar Singh, Rai Singh & Chellu Ram sons of Ramehar R/r Villago Kapashera, New Delhi.

 (Transferors)
- (2) Km. Necta Kapoor D/o K, P. Kapoor, R/o C-19, Friends Colony (DDA) New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 94 (2-16) 87/2(0-16) and 86/1 (1-08) totalling 5 bighas in village Kapashera Tehsil Mohrauli New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range -I Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DFI HI

New Delhi-110001 the 12th June, 1980

Ref. No. IAC/Acq-11/SR-1/10-79/5827.—Whereas $\,$ 1, $\,M_{\rm LS.}$ S. K. Aulakh

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-24, situated at Bunglow Road, Adarsh Nagar Delhi-33. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Matoo Ram S/o Mukha Ram, R/o C-24, Bunglow Road, Adarsh Nagar Delhi-33.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi W/o Harish Chander, Aggarwal, R/o C-24, Bunglow Road, Adarsh Nagar Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold house on plot of land bearing No. 24 block C on Banglow Road, measuring 400 sq. yds. in the area of village Bharola in the Abadi of Adarsh Nagar Colony near New Subzi Mandi. Azadpur Delhi State Delhi bounded as under:-

North: Lane 20 ft. wide

South : Banglow Road 40 ft. wide

East: House constructed plot No. C-26 West: House constructed on plot No. C-22

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range -II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELIII

New Delhi-110002, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/10-79/5829 - Where E. I., Mrs. S. K. AUI AKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

16/2 situated at East Patel Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Sundari Bai W/o Sh. Assuda Mal Shamdasani, R/o 16/2, East Patel Nagar New Delhi at present R/o Emb sav of India, Washington, D.C.U.S.A.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh Saluja S/o S. Hara Singh Saluja R/o 6/15, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1-3/4 storeyed house constructed on plot No. 16/2 measuring 200 sq. yds. situated in the abadi of East Potel Nagar New Defni bounded as under :—

North: Property No. 16/3 owned by Dr. Panna Lal South : Property No. 16/1 owned by S. Jaswant Singh

East : Service Lane

West : Road

Mrs. S.K. AULAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/10-79/5835.—Whereus I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4754, 4755, 4756 & 4757 situated at Roshanara Road, Subzi Mandi Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act to the following persons, namely:—
21—136GI/80

(1) Smt. Ranjika Mittra W/o Dr. Santosh Kumar Meenakashi Dass W/o Pradeep Kumar Dass for self and attorney of her sister Indrani Besc R/o F-280, Greater Kailash II, New Delhi.

(Tranferor)

(2) M/s Roshanara Finance P. Ltd, at No. 4570 Roshanara Road Delhi through S. Devinder Singh Managing Director.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from he dae of he publieation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single storeyed house property No. 4754, 4755, 4756 & 4257 at Roshanara Road, Subzi Mandi Delhi, Ward XXI area 355 sq. yds. bounded as under:—

North: Others property

South : Road East : Road

West: Others property

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 12th June, 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/10-79/5845—Whereas I, MRS. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I/30, Roop Nagar situated at Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 10-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Kewal Sethi S/o Davinder Raj Sethi of I/30 Roop Nagar New Delhi for self and as Attorney of his sister, Smt. Vimla Sahni brothers Ashwani Kumar Sethi, Yog Raj Sethi, sister Miss Chanchel Sethi & Mother Smt. K.W. Sethi, R/o 1/30, Roop Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charan Dass S/o Dhani Ram & Phoola Rani W/o Charan Dass of K-45, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house No. I/30 Municipal No. 7202 Ward XII with freehold landunderneath ares 209 44 sq. yds. situs ted in North City Extension Scheme No. II (Roop Nagar) Delhi bounded as under:

East: Road

West : House on Plot No. 29

North : Road. South : Road.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DEHI

New Delhi-110002, the 12th June 1980

Rof. No. IAC/Acq-IJ/SR-I/10-79/5846---Whereas I, MRS. S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10/3 situated at Shekti Neger Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-10-1979

for an apparent consideration which less fair market value of the aforesaid property, and the reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Sushila Devi W/o Jai Krishan Bhatnagar. R/o R/115, Greater Kailah I New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inder Prakosh Chhabra S/o Ram Chander Chhabra and Smt. Raj Chhabra W/o Raj Krishan Chhabra 1596, Gali Madras Mir Jumla, Lal Kuan Bazar Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 10/3 measuring 241 -11 sq. yds. in Shakti Nagar Delhi bounded as under:-North : Road South : Road

East: Property No. 10/2 West: Property No. 10/4

> MRS. S. K. AULAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 12th June 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/10-79/5855.- Whereas I, MRS. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing -4.

No. A-2/108 situated at Rajouri Garden New Delhi.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 12-10-1979

for an apparent consideration which

in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the uprposes of the Indian Lncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- Smt. Tara Rani W/o Sada Nand Sakhuja C/o General Nanage of M/s Jagatjit Fasterners P. Ltd., Factory Area Kapurthala. (Transferor)
- (2) Smt, Rachna Gupta W/o Rajinder Kumar, Gupta, R/o 4278, Gali Shah Tara Ajmere Gate Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House building on freehold plot of land bearing Plot No. 108 in Block A-2, Measuring 288-50 sq. yds. situated in the residential colony known as Rajouri Garden area of village Bassai Darapur Delhi state Delhi bounded as under:North: Road
South: Property No. A-2/121
East: Property No. A-2/109
West: Property No. A-2/107

MRS. S. K. AULAKH Competent Autority
Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi Inspecting

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

garh Road, Delhi.

(1) Shri Jia Lal S/o Ganesh Dass, Hathi Khana, Bahadur-

(2) Shri Lachhman Dass S/o Sh. Aya Ram, R/o 7066, Beri Wala Bagh, near Azad Market, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANTE-II.

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12 June 1980

No. IAC/Acq-U/SR-1/10-79/5865-----Whereas I, Mrs. S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 22 situated at Hathi Khana Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on October 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 22, Hathi Khana, Delhi. Area 162.33 sq. yds.

Mrs. S. K, AULAKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax (Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bimla Vati, Smt. Meena Gupta, Arun Kumar. Arvind Kumar All R/o. VI/89, Dhobiwara, Shahdara Dalhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Taneja R/o. 4/37, WEA Karol Bagh, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12 June 1980

No. IAC/Acq-II/SRI/10-79/5890,-Where as I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13, Road No. 32 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, on Road No. 32 measuring 279 55 sq. yds. at Punjabi Bagh area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi,

> Mrs. S. K. AULAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 12-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110002

H-BLOCK, VIKAS BAVAN, I. P. ESTATE,

New Delhi, the 12 June 1980

No. IAC/Acq-II/SRI/10-79/5902:—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old 3762 New No. 3808A, situated at David

Street, Daryaganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;

(1) Shri Banwari Lal Bansal S/o Late Sh. Bihari Lal, Anil Kumar Bansal W/o Banwari Lal Bansal R/o 3808A, David Street, Darya Ganj, Delhi now at C-2/55, Safdarjang Development area, New Delhi.

(Transferce)

(2) Smt. Sarla Jain W/o Anant Prakash Vimal Jain, Smt. Usha Jain W/o Sh. Arihant Prakash Kamal Jain, Smt. Urmila Jain W/o Akalank Prakash Nirmal Jain, R/o Sarafa Street, Ata.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed building built of plot of land measuring 231 50 sq. yds. bearing Old No. 3762 New No. 3808A, David Street, Daryaganj, Illaqa, No. 11, New Delhi bounded as

East House No. 3762
West David Street
North House No. 3808
South House No. 3809

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date 12-6-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKASBHAVAN, I. P. ESTATE, **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12 June 1980

No. IAC/Acq-Π/SR-II/10-79/2872,—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-34, situated at Shivaji Park, Rohtak Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering, Office at Delhi on 15 October 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Dharamvir Chopra S/o Bansi Dhar Chopra, R/o. 98, Bhagat Singh Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Siri Guru Singh Sabha, Shivaji Park, Rohtak Road, P. O. Shakurpur, Delhi through its President S. Amrik Singh Bir and Scoretary S. Mahender Singh. (Transferree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing plot No. C-34, measuring 502 sq. yds. situated in the colony known as Shivaji Park on Rohtak Road, area of village Madipur, Delhi state, Delhi bounded as under:-

North Plot No. C-33, South Plot No. C-36, East Road

Plot No. H-83 & 84, West

> Mrs. S. K. AULAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

> H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002 New Delhi, the 12 June 1980

No. IAC/Acq-I/SR-II/10-79/2879: Whereas I, Mrs. S. K. AIII.AKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

V-1/4 atuated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 22—136GI/80

(1) Shri Des Raj, Sh. Hamesh Singh, Sh. Mulkh Raj and Surinder Kumar sons of late Sh. Rulhi Ram, R/o V-1/4, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri R. P. Arora son of M. L. Arora, R/o 2160, Gali Mehar Parver, Darya Ganj, Delhi.

(fransferee)

Objections, If any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on a free hold plot of land No. V-1/4 measuring 213 sq. yds. sutuated in Rajouri Garden, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-80

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II.

H-BLOOK, VIKAS BHAVAN, I. P. FSTATE, NEW DELHI-110022

New Delhi, the 12 June 1980

No. $1AC/\Lambda eq-B/SR-H/10-79/2892$ —Whereas I, Mrs S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-C, situated at Krishna Park, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25th October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kailash Kumari Khanijou W/o Dr. Dharambir Khanijou, R/o D-2/1, New Market, Kamla Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Nath S/o Sh. Gur Narain, 2/11, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing plot No. 11/C measuring 450 sq. yds. situated at Krishna Park, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-80

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th June 19780

No. 1AC/Acq-I/SR-II/10-79/2895---Whereas I, Mrs. S. K. AUEAKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. C-90 situated at Inderpuri, New Delhi (and more fully describe in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 29th October 1979,

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parkash Devi W/o Sh. Roshan Lal Kochhar, R/o 5334, Dharam Chand Building, Chandrawal Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor

(2) Sint. Meena Kanika W/o. K. C. Kanika and Sh. Krishna Chander Kanika S/o Sh. Bali Ram both R/o A-63, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing plot No. C-90, measuring 500 sq. yds. forming part of Khasra No. 1609 situated in the colony known as Inderpuri Colony, New Delhi bounded as under:—

North:

Road

South:

Road

East:

Plot No. C-89 Plot No. C-91.

Mrs. S. K. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of (Income-Tex
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 12-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE -11

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th June 1980

No. IAC/Acq-1/SR-II/10-79/2898; Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Kothi No. 24, Road No. 72 situated at Punjabi Begh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tora Chand S/o. Karom Chand, 72/24, Punjabi Bi gh, New Delhi.

(Transferor

(?) Shri Kundan Lal S/o Davi Sahai and his wife Surashwati Devi, R/o. H. No. 77, Kily Road Karol Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 24, on Road No. 72, Punjabi Bagh, Delhi area 525.50 sq. yds.

Mrs. S. K. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12th May, 1980.

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Kanpur, the 21st May 1980.

No. 663/Acq/Etah/79-80;-Whereas I, S. K. Bhatnagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No, as per so edule situ ted at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 31-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Smt. M. Gundaha Widow Shri T. Gundaho R/o. 24, Civil Lines, Jhansi.

2. Shri Ram Kirpal Singh, Asstt. Engineer, Fotchpur Hall Mukim Jhansi S/o. Shri Pritam Singh R/o. Vill: Shahpur, Parg: Tch: Aliganj, Distt: Etah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 27 & 27/1 measuring covered area 2641 Sq. Ft. and Open area 855 Sq. Ft. total Area 3496 Sq. Ft. situated at Civil Lines, Jhansi.

> S. K. BHATNAGAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 24-5-80.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Lili Denial Maithew W/o. Shri Denial Maithew R/o. Railway Nurses Quarters, Jhansi.

2. Shri Saiyad Shahjada Haidar S/o. Late Shri Ahsanul Haque R/O 7, Bisatkhana, Jhansi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

No. 744/Acq/Jhansi/79-80:—Whereas I, S. K. Bhatnagar being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully describe in the Schoduled annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhynsi on 10-10-79, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot measuring 4800 Sq. Ft. situated at Civil Lines, C. P. Mission Compound, City and Distt; Jhansi.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 24th May 1980,

No. 737/Acq/ Jhansi/79-80:---Whereas I, S. K. Bhatnagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PFR SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhansi on 11 10-79.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Atmaram Govind Kher S/o Go ind Atmaram Kher Mukhtar-Am Khud Madhusodan Atmaram Kher and Basudeo Atmaram R/o, 11, Kali Dess Marg, Lucknow and 773/8 E, Dekkan Jeemkhana, Pune, Maharashta.

 (Transferor)
- 2. Shri Babu Ram Gupta and Padampat Gupta Vijai Nagar, Orai, Distt; Jalaun.

 (Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House Property sintated at Ganesh Bazar, Jhansi.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, KANPUR

Date: 24-5-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980.

No. 636/Acq/Konch/79-80;—Whereas I, S. K. Bhatnagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER

SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed here to has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Konch on 12-10-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Raja Ram S/o, Gopaf R/o, Hinguta, Parg: Konch, Post: Sapi, Distt: Dalaun. Transferor)
- Shri Suraj Singh S/o Deo Singh R/o., Aidalpur, Parg; & Distt: Jalaun.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land into three parts bearing No. 23A, 238 and 274 situated at Vill; Hinguta, Parg: Konch Distt; Jalaun.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, KANPUR.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-5-80

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24 May 1980.

No. 740/Acq/Jhansi/79-80:—Whereas I, S. K. Bhatnagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 11-10-79.

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23—166GI/80

- Atma Ram Govind Kher S/o. Shri Govind Atmaram Kher Mukhtar Am Khud Madhuseodan Atmaram Basudev and Atma Ram Kher R/o.11, Kali Dass Marg, Lucknow and 773/8E, dekkan Jeemkhana, Pune, Mahaashtra. (Transferror)
- 2. Smt. Urmil^a Devi Gupta, Subhash Ganj, Jhansi. (Transferree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Land measuring 4188 Sq. Ft. situated at Ganesh Bazar, Jhansi.

(S. K. BHATNAGAR)

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, KANPUR

Date: 24-5-80

[PART III -SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980.

No. 641/Acq/Lalitpur/79-80:--Whereas I, S. K. Bhatnagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lalitpur on 5-10-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar Nuna S/o Shri Balchandra Nuna, Katra Bazar, Lalitpur.

(Transferror)

 Shri Jitendra Kumar Jain S/o Shri Mannu Lal Jain R/o Talawpura, Post, Parg; & Distt; Lalitpur,

(Trausferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 8 situated at Katra Bazar, Lalitpur.

S. K. BHATNAGAR)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, KANPUR.

Date: 24-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May, 1980.

No. 679/Acq/Hnmirpur/79-80:—Whereas I, S. K. BHAT-NAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer; t R: th on 16-10-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Prakash Rani widow of Jagat R/o, Tola Rawatpur Post Tola Rawatpur, Parg; & Teh; Rath, Distt: Hamirpur. (Transferor)
- Shri Bhag Singh, Mahesh Singh and Akhlesh Kumar S/o. Shri Swami Dass, Swami Dass S/o. Shri Pyare Lal R/o. Masoodpura, Post; Masoodpura, Parg; and Teh; Rath, Distt: Hamirpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 16-65 acres situated at Mauja; Tola Rawat Pur Post; Tola Rawatpur, Parg; & Tch; Rath, Distt; Hamirpur.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

No. 738/Acq/Jhansi/79-80;—Whereas 1, S. K. Bhatnagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 11-10-79.

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Atmaram Govind Khre S/o. Govind Atmaram Khre, Madhosoodar Atmaram Khare and Atma Ram Khere R/O 11, Kali Dass Marg, Lucknow and 773/8 E, Dekon Jeemkhana, Pura (Maharastra).

(Transferor)

 Smt. Pushpa Devi Gupta R/o. Jawahar Ganj, Urai, Distt: Jalaun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Land measuring 4003 Sq. Ft. situs ted at Ganesh Bazar, Jhansi.

S. K. BHATNAGAR)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, KANPUR

Date: 24-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

No. 632/Acq/Khairegorh, 79-80: Whereas I, S. K. Ef atnagar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairegarh on 5-10-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Dropati Widow of Sri Chand R/o. Gorau, Post: Rithuuri, Teh: Khairagarh, Distt; Agra. (Transferror)
- Shri Ranbir Singh S/o. Babu Singh, Smt. Maya Devi W/o. Ranbir Singh, Rajbir Singh S/o. Shri Ranbir Singh and Ganga Devi W/o. Shri Rajbir Singh R/o Gorau, Post: Rithori, Teh: Khairagarh, Distt: Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land in 48 parts measuring 23 Bigha, 15 Biswa and 8 Biswa nsi situated at Mauja; Gorau, Post: Rithori, Teh: Khairagarh, Distt. Agra.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, KANPUR

Date: 24-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

No. 652/Acq./Farrukhabad/1979-80:—Whereas I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Farrukhabad on 30-10-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mahadeo Prasad S/o Shri Bat Mukand Jalan, Sri Narain Jalan S/o Sri Bat Mukand Jalan (Brother) Hakiki (self) and Shri Shanker Lat Jalan S/o Shri Bat Mukund Jalan R/o Mohalla: Senapati, Farrukhabad. (Transferor)
- Shri Ganesh Dass Abuja S/o Shri Jodha Rem Ahuja R/o Navin Kunj, Ferrukhabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 4/2, measuring 266 Sq. Mts. situated at Chowdhari Brindaban, Farrukhabad.

S. K. BHATNAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax, Acquisition Range, KANPUR

Date: 24-5-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. KANPUR

Kanpur, the 23rd May 1980

No. 630/Acq/Kanpur/79-80—Whereas I, S.K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

1. Shri Gulam Navi S/o Shri Hazi Ali Khan R/o 88/156, Chaman Ganj, Kanpur. (Transferor)

2. Smt. Nazma W/o Shri Mustafa, R/o 88/156, Chaman Ganj, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property bearing 88/156, situated at Chaman Ganj, Kanpur.

> S. K. BHATNAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, KANPUR

Date: 23-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

No. 628/Acq/Kanpur/79-80—Whereas I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 8-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mridula Gupta D/o Late Shri Bhabu Ram Gupta, R/o Babu Bihar 7/198, Swaroop nagar, Kanpur, Reshma Gupta Widow of Shri Babu Ram Gupta, Om Prakash Gupta and Anand Prakash Gupta s/o Late Shri Babu Ram Gupta, Smt. Mcdhuri Gupt and Kr. Mohani Gupta D/o Late Shri Babu Ram Gupta R/o 7/398, Swaroop Nagar, Kanpur.

 Smt. Hem Lata Gupta Wife of Shri Anand Shankar Gupta R/o 111/235, Harash Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 90, Block 8, Scheme No. 7, measuring 493 3 Sq. Yds. situated at Gutaiya, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, KANPUR

Date: 24-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, 24th May, 1980

Ref. No. 742/Acq./Jhansi/79-80.-- Whereas, I. S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 11-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-136GI/70

 Shri Atma Ram Govind Kher S/o Govind Atma Ram Kher and Madhusoodan Self and Mukhtar-am Atma Ram Basudeo Atmaram Kher r/o 11, Kali Dass Marg, Locknow and 773/B E, Dakkan Jeemkhana, Pune, Maharashtra.

(Transferor)

 Shri Kalyan Chandra Gupta S/o Shri Ram Babu, Vijai Nagar, Urai, Distt : Jalaun.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 1, 1/1, 1/2, 1/2 and 1/21 to 1/25 measuring 2959 Sq. Ft situated at Ganesh Rajoria, Jhansi.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Adquisition Range, Kanpur

Date: 24-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

No. 770/Acq/Agra/79-80—Whereas J, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 4-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jairam Dass S/o. Kotu Rom and others R/o. 62/45, Hakiman Gali, Agra. (Transferor)
- (2) Shri Kundan D..ss elies Kunden Lel, Krishan Chand, Girdhari Lal end Vishan Dass ell sons of Shri Kar, m Ch. nd s/o. Kotwali Gali Kale M. hal, Agre

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Imposable Property bearing No. H. Il 32/45 mesuring 155 Sq. Mts. situated at Hakiman G. li, Agra.

S. K. BHATNAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTŢ, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

No. 741/Acq/Jhansi/79-80—Whereas I, S.K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 19-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Shri Atma Ram Govind Kher S/o Govind Atma Ram Kher Mukhtar Am Khud Madhusoodan Atmaram Kher and Atma Ram Kher R/o 11, Kali Dass M rg, Lucknow and 773/8, Dakkan Jeemkhana, Pune, Maharashtra.

(Transferor)

 Shri Baidehi Shari n S/o Shri Beni Prasad R/o Mohalla : Punchmahal Ayedhya, Distt; Faizabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Garden and Bara No. 7/1 measuring 2627 Sq. Ft. situated at Ganesh Bazar, Jhansi.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th May 1980

No. 739/Acq/Jhansi/79-80—Wherees I, S.K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 11-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Atma Ram Govind Kher S/o Govind Atmaram Kher, Mukhtaram and khud Madhusooden Atmaram Kher, Basudeo and Atmaram Khere R/o 11, Kali Dass Marg, Lucknow and 773/8 E, Dekkan Jeemkhana, Pune, Maharashtra.

(Transferor)

2. Shrimati Ram Kumari, Subhash Ganj, Jhansi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Land measuring 3904 Sq. ft. situated at Ganesh Bazar, Jhansi.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 24th May 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, Dated 24-5-1980

No. 743/Acq/Aligarh/79-80—Whercas 1, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhansi on 11-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Atma Ram Govind Kher S/o Shri Govind Atma Ram Kher Mukhtaram Khud Madhusoodan S/o Shri Atma Ram Govind Kher R/o 11, Kali Dass Marg, Lucknow and H. No. 773/8 E, Dekkan Jeemkhana, Pune, Maharashtra.

(Transferor)

 Palar Wale Trust, Subhash Ganj, Jhansi through Shri Ram Babu, Seth Raghubar Dayal, Subhash Ganj, Jhansi.

(Transferce)

Objections, if any, ot the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im movable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House property bearing No. 1/2 and 1/8 measuring 2662 Sq. Ft. situated at Ganesh Bazar, Jhansi.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, K. npur.

Date: 24-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECITNG ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, Dated 11-6-1980

No. 1084-A/DDN/79-80—Whereas I, S.K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS ER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 12-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1 Shri Om Prakash Mathur S/o Shri Narain Prakash Mathur, 225 Indra Road, Dehradun.

(Transferor)

 Shri Rajendra Singh Sarin, s/o Shri P. N. Sarin, r/o 92/2, R cz Courso, Dehr.dun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Indra Road, Dehradun.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th June 1980

No. 1281-A/M. Nagar/79-80—Whereas J, S. K. BHAT-NAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDUEE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M. Nagar on 19-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Yashoda Devi, W/o Late Shri Tahalram, r/o 13/11 & 13/12, Gandhi Colony, Muzasfarnagar.

(Transferor)

 Shri Brahma Singh, Karan Singh, Harvir Singh, sons of Shri Pheru Singh, and Smt. Atri, W/o Shri Pheru Singh, r/o Datiyana, Parg. & Teh. Muzaffatnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 608 & 609, situated at Gandhi Colony, Muzaffarnagar.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
KANPUR

Date: 10-6-1980

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Lt. Col. L.S. Gussen, r/o 12-A, Ncmi Kcad, Dalanwala, Dehradun. (Transferor)

2. Shrimati Rita Thakur, W/o Shri Arun Kumar Thakur, r/o 12-A, Nemi Road, Dehradun.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

ACQUISITIGN RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th June 1980

No. 1175-A/DDN/79-80--Whereas I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

numbr AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed horoto), has been transferred number the Ragistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 19-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 12-A, situatd at Nemi Road, Dalanwaa, Dehradun.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 10-8-10

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th June, 1980

Ref. No. 11099 A/Mrt./79-80---Whereas J, S. K, BHAT-NAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moerut on 20-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shrimati Yogesh Kumari, W/o Shri Murari Lal C/o M/s. Lal Cloth House, Sardar Patel Ganj, Kabari Bazar, Meerut.

(Transferor)

Smt. Chanchan Rani, W/o Shri Roshan Lal and Shri Inder Raj, s/o Shri Sunder Das, r/o 779/8-R, Brahmpuri, Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 779/8, Situated at Brahmpuri, Meerut.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, KANPUR

Dated: 11-6-1980

Scal:

25---136GY/80

 Shri Darshan Dayal Jain , S/o Shri Nanak chand Jain, r/o Kherali Ram, Hapur, Ghaziabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Ramkali Devi, W/o Shri Rattan Lal, Shri Rattan Lal, s/o Shri Baburam, r/o Pannapuri, garh road, Hapur, Ghaziabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th June 1980

No. 1185-A/Hapur/79-80---Whereas I, S. K. BHATHAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 29-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Hata situated at Chandi Road, Hapur, Distt. Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, KANPUR

Date: 7-6-1980

Smt. Bina Shukla, W/o Shri V.K. Shukla, r/o Mohalla Lekhraj Nagar, Aligarh.

 Smt. Seema Gaur, W/o Shri Vijay Kumar Gaur, Smt. Rajrani Gaur, W/o Shri Raj Kumar, Smt. Meera Gaur, W/o Shri Ajai Kumar, and Smt. Neelama Gaur, W/o Shri Ravish Kumar, all resident of Mohalla Inta

Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Dated: 11-6-1980

No. 1211-A/Bulandshaher/79-80—Whereas f, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Resistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshaher 25-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the laibility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Rori, Bulandshaher.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property with shops situated at Sattha Road, Mohalla Inta Rori, Bulandshaher.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range KANPUR

Date: 11-6-1980

1. Shri Kundi Mal S/o Bhoju Shah Ganj, Agra. eleSadh Mohalla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA Shri Chandra Sahai Saxena S/o Shyam Lal R/o Railway Colony, Hathras City. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Kanpur, the 25th April 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No 763/Acq/Agra/79-80—Whereas I, B. C. Chaturvedi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 6144-A measuring 282 sq. mtrs., situated at Prakash Nagar, Shahganj, Agra.

B. C. CHATUDRVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, KANPUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ction (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-4-1980

Scal:

1. Shri Narendra Welfare Trust, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 2. Tibeten Homes Foundation, a society registered under the Societies registration Act 21 of 1860, Mussoorie (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(b) by any other person interested in the said

Kanpur, the 9th May 1980

immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. 1055-A/Mussorie/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS

PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 15-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property consisting of open land and constructed portion in all covering an areas of 11517-6 sq. mts., situated at 58, Virgirwali Old Rajpur Bazar Road, Dehradun,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

> (B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, KANPUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th May 1980

No. 813-A/Dehradun/79-80 - Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS

PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Resistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Reistering Officer at Dehradum on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising fro mthe transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Anandi Devi Sajwan W/o Major Dalip Singh Sajwan, Major Dalip Singh Sajwan S/o Shri Haya Singh Sajwan R/o No. 51/8, Hardwar Road, Dehradun

(Transferor)

 Shri Chandra Prakash Kothial, Satish Chandra Kothial, Sarveswar Prasad Kothial, Rajendra Prasad Kothial all sons of Shri Ram Dutt R/o 204, Mohalla : Khurbura, Dehradun.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Immovable Property (House and Land) bearing No. No. 51/8, measuring 51,670 sq. mtrs. covered area is 182 sq. mtrs., situated at Hardwar Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dato: 8-5-1980

on cal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th May 1980

No. 1165-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ram Kumari W/o Shri Jagdish Prasad Gupta R/o K.C. 147, Old Kavi Nagai, Ghaziabad.

(Transferor)

 Shri Om Prakash S/o Shri Tara Chandra R/o 399, Gali Kirtan Wali, Ghaziabad Bazaria.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing Municipal No. 44, measuring 200 sq. yds., situated at Mohalla: Rahmat Ali Chhoti Bazaria, Ghaziabad,

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, KANPUR

Date: 5-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1980

No. 1106-A/Dadri/79-80—Whereas I, B.C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 10-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Smt. Archna Lal W/o Shri Nathu Lal C/o Nathu Lal, S.S.P., Agra.

(Transferor)

 Dr. Manoj S/o Shri Jagannath R/o 31, Shastri Park, Delhi Through Kanti Prasad S/o Shri Jagannath R/o 31, Shastri Park, Delhi, Mukhtar-a-am.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. D/36, measuring 623, 51 Sq. Mtres, situated at Chandranagar, Ghaziabad

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, KANPUR

Date: 10-3-1980

FORM ITNS----

 S/Shri Lıladhar Goel S/o Shri Subuddhi Prasad Goel R/o (old) Vill. Chirodi Parg: Loni, Teh: & Distt: Ghaziabad New Address of 14, Chandrapuri, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Satyavati W/o. Shri Ramu Kishan Dass C/o Agarwal Cotton Emprorium 97, Nav Yug Market Ghaziabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpue, the 10th March 1980

Ref. No. 1070-4/Ghaziab (1/79-80 -Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULI: (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 4-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

26--136GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 126 area of 203 45 sq. mts, situated at Navyug Market, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range KANPUR

Date: 10-3-1980

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th May 1980

Ref. No. 1229-A/Kanpur/79-80——Whereas, J. B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'enid Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 15-10-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagwan Dass Tekwani S/o Shri Hotchand Tekwani R/o 128/1070, Block H-1, Kidwai Nagar, Kanpur through Shri Kameshwar Tiwari S/o Pt. Rameshwar Dayal Tiwari R/o Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferor)

 Shri Kamleshwar Tiwari S/o, Pt. Rameshwar Dayal Tewari, Mansi Devi W/o. Pt. Kameshwar Tiwari R/o 128/H-1/5, Kidwai Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 128/H-1/5, measuring 356 Sq. yds., situated at Kidwainagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range KANPUR

Date: 20-5-80

cal:

1. Shri Satya Prakash Agarwal S/o Jai Prasad R/93, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Nijankar Swaroop Tyagi S/o Shri Shiv Nath Singh, E-148, East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1980

Ref. No. 1164-A/Ghaziabad/79-80 .-Whereas I, B. C. **CHATURVEDI**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS

PER SCHEDULE (and more fully descrided in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 26-10-19079.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Open Plot bearing No. K.B. 136, measuring 922 22 Sq. yds. situated at Kavi Nagar, Ghaziabad.

> B.C. CHATURVED I Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range KANPUR

Dated: 10-3-1980

 Shri Daya Singh Beer/So Sardar Gopal Singh R/o 217-N, Kidwai Nagar, Kanpur.

2. Smt. Neelam Sood W/o. Shri Rakshpal Sood R/o.

204/11, Jain Street, Jain Mohalla Patti, Amritsar,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 1075-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE sutiated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !labdity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing No. R-13/88, measuring 508-17 sq. yds. out of which 100 sq. yard is covered situated at Rajnagar, Ghaziabad.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range KANPUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated ; 6-3-1980.

Sal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Beera Devi Bhatia W/o Shri Dr. Vishwa Bannew Bhatia R/o Ghaziabad.

(Transferor)

 Smt. Ramvati Devi W/o Kirodi Mal R/o 263, Balu Pura (Ahata Patwari), Ghaziabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th May 1980

Ref. No. 1069-A/G.bad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE suitated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 20, measuring 120 sq. yds, situated at Gandhi Nagar, Ghaziabad.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, KANPUR

Date: 5-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1980

Ref. No. 1159-A/Ghaziabad/79-80—Wheras I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

NO. AS PER SCHEDULE suitated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Niraj Agarwal S/o Shri J.C. Agarwal R/o 11-North South Road, Juhu Park Scheme, Bombay (Taransferor)
- Shri K.B. Lal, S/o Shri Shyam Sunder, R/o Gandhi Road Om Kunj, Khurja, Distt: Bulandshahar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot bearing III/C/29 measuring 541.40 sq. m. situated at Nehru Nagar, Ghaziabad.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, KANPUR

Date: 10-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Juveda Begum Widow of Shri Shafi-uddin Khan R/o 14/3, Khari Kuwan Hospital Road, Agra.

(Transferor)

2. Shri Shahid Khan S/o Irsad Khan and Smt. Nasim Fatima Wife of Shri Shahid Khan R/o Katra Davkaiyan, Agra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1980

No. 868/Acq/Agra/79-80--- Wheareas 1 B.C. Ref. **CHATURVEDI**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 19-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 14/3, situated at Khari Kuwan, Hospital Road, Agra.

> B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, KANPUR

Dated: 25-4-1980.

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 10th March 1980

Ref. No. 1774-A/Hardwar/79-80--- Whearens I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULF situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 28-1-1980 for an apparent Consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income tax Λct, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rectsons, namely:—

 Shri Keshav Ram Agarwal S/o Shri Asaram Agarwal Putyendra Kumar, Ved Kumar S/o Shri Keshav Ram, Smt. Kiran Rani W/o Neki Ram, Neki Ram S/o Shri Keshav Ram Agarwal all R/o 28, Right Ganj, Ghaziabad.

(Transferor)

 Shri Harjit Singh, S. Gajendra Singh, S. Bhajan Singh S/o Sardar Sant Singh and Sardar Jeetendra Pal Singh S/o Harjit Singh all R/o Sant Bhawan Ambala Road, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Cinema Hall named "Keshav Chitra Lok" situated at Hardwar Roorkee Road, Jwalapur.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-3-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-KANPUR

Kanpur, the 21st May 1980

Ref. No. 1218-A/Saharanpur/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 25-10-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-136GI/80

 Shri Dev Kumar Jain S/o Rai Saheb, Lala Pradumn Kumar Jain and Shri Kumud Kumar Jain S/o Shri Dev Kumar Jain R/o Mitra Bhawan Chhatta Lala Jaumudass, S. haranpur.

(Transferor)

 Shri Dharm Prakash Singhal S/o Lala Mohan Lal R/o Bamanji Road, S. haranpur, Shri Ravindra Kumar S/o Lala Rameshwar Prasad R/o Mohalla: Matia Mahal Kahalapar, Sharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Sana baseing No. 13/485/4, situated at Naya Bazar, Saharanpur.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range KANPUR

Date: 21-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 21st May 1980

Ref. No. 641/Acq/Lalitpur/79-80—Whereas I, B.C. CHATURVED1.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed here(3), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi on 5-10-19879

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar Nuna S/o Shri Bal Chandra Nuna R/o Katra Bazar, Lalitpur, Post: Lalitpur, Parg: Distt: Lalitpur.

(Transferor)

 Smt. Santosh Jain W/o Shri Sumat Jain R/o Talavpura, Lalitpur, Post : Lalitpur, Parg : & Distt : Lalitpur. (Transfereer)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing 8, Katra Bazar, Lalitpur, Jhansi.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
KANPUR

Date: 21-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th May 1980

Ref. No. 818/Acq./Aligarh/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Aligarh on 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Basudeo Singh S/o Shri Gulab Singh R/o Surendra Nagar, Aligarh.

(Transferor)

 Smt. Ram Sakhi W/o Shri Bhagwan Dass Gupta, Shri Satish Kumar and Shri Santosh Kumar S/o. Shri Bhagwan Dass Gupta R/o Surendra Nagar, Aligarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House and Shop measuring 360 Sq. metres., situated at Surendra Nagar, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, KANPUR

Date: 20-5-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Shri Mohd. Iqbal S/o Hazi Moiuddin, R/o Mohalla;
 Sarai Mardan Ali, S. haranpur.

(Transferor)

 Syri Hazi Mohd, Hanif S/o Hazi Mohd, Ismile R/o Mohalla: Dholikhal, Scharanpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2nd Floor

Kanpur, the 21st May 1980

Ref. No. 1219-A/Saharanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 26-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property and Shop situated at Idgah Road, Saharanpur.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Insecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range KANPUR

Date: 21-5-1980.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 21st May 1980

Ref. No. 1262-A/Mussoorie/ ——Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Mussoorie on 12-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the staid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hari Mohan S/o Shri Mohan Lal R/o Hotel Swagat, Kulari, Mussoorie.

(Transferor)

 Shri Man Mohan Karnwal S/o Shri Ratan Lal R/o Hotel Nand villa Kulari, Mussoorie, Distt. Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building named "Hollow Oak Estate" situated at Mussoorie, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range KANPUR

Date: 21-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) The Raja Bahadur Motilal (Bombay) Mills Ltd.,

(Transferor)

2. Universal Cine Traders Pvt. Limited

(Transferee)

3. Famous Cine Laboratory

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1980

Ref. No. AR-I/AP. 133/80-81.—Whereas I, P. L. ROONGTA

ROONGTA
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C. S. No. 728 of Malabar & Cumballa
Hill Divn. Tardeo, Malabar & Cumballa Hill (and more fully
described in the schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at Bombay on 16-10-1979

Document No. 2681/78 Bom. for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tav Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2681/78/Born and registered on 16-10-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P.L. ROONGTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II
BOMBAY

Date: 28-5-1980.

1. M/s Pharmland Products

(Transferror)

2. M/s. M. P. I. Ethical Pvt. Ltd.

(Transfereh)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 24th May 1180

Ref. No. AR-II/2868-14/Nov. 1979—Whereas, I. A. H. TEIAI P

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C.S. No. 70, H. No. 2 of Akurli Village situated at Akurli (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-4423 and registered with the Sub-registerer, Bombay, on 14-11-1979,

A.H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
BOMBAY

Date: 24-5-1980

Scal:

1. Shri Chanansingh Harisingh & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

2. M/s Shiv Sangam Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX,

Bombay, the 29th May 1980

Ref. No. AR-II/2887-15/Nov/79—Whereas I, A. H. TAJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sand bearing No.

Plot No. 7, TPS-II, C. S. No. 11478 situated at Mahim Divn. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2965/65/ Bom. and registered on 27-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

A.H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
PIncome-tax, Acquisition Range-I,
BOMBAY.

Date: 29-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Julluudur

Jullundur, the 20th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2130—Whereas, I J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Scheduled situated at Pacca Bagh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

28-136 GI/80

- Shri Lajpat Rai Chopta Advocate S/o L. Mangat Rai R/o Jullundur Pacca Bagh, EQ-86 and Now at Chandigarh Kothi No. 15 Sector 8-A.
 - (Transferor)
- Smt. Saroj Bhatia W/o L. Hans Raj Bhatia R/o EQ-86 Pacca Bagh, Jullundur.

(Transferce)

3. As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person intrested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5613 dated October 1979 of the Registering Authority Jullundur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date 20-5-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, 'ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2131—Whereas, I J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Pacca Bagh, Jullundur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Dalip Rai S/o L. Mangat Rai Chopra R/o Pacca Bagh, EQ-86, Jullundur, Now at New York (U.S.A.).

(Transferor)

 Shri Hans Raj S/o L. Isher Dass Bhatia R/o EQ-86 Pacca Bagh, Jullundur.

(Transferee)

3. As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

4. Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5617 of October 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-5-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd May 1980

Ref. No. A. P. No. 2132—Whereas, I J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Civil Lines near Adda Mahilpur, Hoshiarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amar Chand S/o Sh, Mangat Rai S/o Mool Chand R/o Gali No. 3, Mohalla Krishan Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

 Shri S. Darshan Singh S/o. Gurdial Singh and Harbans Kaur W/o Sh. Darshan Singh Vill. Tajcwal, P. S. Mahilpur Distt. Hoshiarpur or R/o Civil Lines near Adda Mahilpur, Hoshiarpur (At present living abroad.)

(Transferee)

3. As per Sr. No. -2 above.

(Person in occupation of the property)

4. Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2939 of 10/79 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J.S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-5-1980.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th June 1980

Ref. No. A. P. No. 2133.—Whereas, I J. S. AHLUWALIA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Alladitta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sultanpur on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Santi Parkash S/o Shri Hem Raj Smt. Janki Devi W/o Shri Gian Parkash Vill, Rajpura.
 - (Transferor)
- 2. Smt. Bachan Kaur W/o Shri Charan Singh Alladitta.

(Tsansferce)

Vill,

3. As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

4. Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1274 dated October 1979 of the Registering Authority Sultanpur.

J.S. AHLUWALIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date: 5-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th June 1980

Ref. No. A. P. No. 2134--Whereas, I J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per Schedule situated at Vill, Kotla Gonspur Distt, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '--

1. Shri Pt. Onkar Nath S/o Raja Ram S/o Shri Basant Ram, V. & P. O. Bassi Ghulam Hussain, Distt. Hoshiarpur.

2. Shri Bachan Singh, Kishan Singh S/o Shri Milkhi Ram R/o Bahadurpur, Hoshiarpur.

(Transferce)

3. As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

4. Any other person interested in the property.

(Person whom the underSsigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3089 of October 1979 of the Registering Authority, Hoshairpur.

> J.S. AHLUWALIA Competent Authority Inspeting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-6-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 9th June, 1980

Ref. No. A.P. No. 2135.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Ajam Teh. Hoshiarpur, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh S/o Sh. Punjab Singh Vill. Ajram Teh. & Distt. Hoshiarpur.
- (2) Shri Balbir Singh —Amrik Singh S/o Narjan Singh, Vill. Johal Distt. Jullundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) An other person interested in the property
 (Person whom the under signed knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2887 of Oct, 1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULILUNDUR

Jullundur, dated the 9th June 1980

Ref. No. A.P.No. 2136..—Whereas I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Shish Mahal Bazar, Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kishan Kaur W/o Shiy lal Joshi through Dr. Ashok Hira Nand, H. No. 1005, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Swaran Singh S/o Sh. Darbara Singh C/o Khalsa Ghee Store, Shish Mahal Bazar, Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) A per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registeration deed No. 2882 of 10/79 of the Registering Authority, Hoshiar-pur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur.

Date: 9-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, dated the 9th June 1980

Ref. No. A.P. No. 12137.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Building No. 115 Portion No. 5 Wazir Ali Bldg. Ferozepur Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozpur on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ved Parkash S/o Sh. Chaman lal Ferozepore/86 Kasturba Nagar, Jullundur Contt.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Sh. Gajjan Singh Wazir Ali Building, Ferozepore Cantt. Wazir Ali Building, Ferozepore Cantt.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.

 (Person whom the under signed knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3435 of 10/79 of the Registering Authority, Feroze pore.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur,

Date: 9-6-1980

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

> > Jullundur, dated the 9th June, 1980

Ref. No. A.P. No. 2138.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable proprety, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Sarai Road, Phr gwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara, on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-29-136GI/80

(1) Vir Singh S/o Naranjan Singh R/o Sarai Road, Phogwara,

(Transferor)

(2) Sh. Gursharan Singh S/o Veer Singh R/o Sarai Road, Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person, whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, ot the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

·EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1276 of 10/79 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. S. AHLUWALIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Jullundur

Date: 9-6-1980 Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2139. Whereas I, J. S. AHLUWALIA' being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill. Dadoowel Teh, Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on Oct, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sat Paul through Sh. Sadhu Røm S/o Sh. Nama Vill. Dadowal. (Transferor)
- (2) Shrimati Gurdev Kaur D/o Sh, Gonda Ram Vill, Hardo Furlia Teh, Jullundur, (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property and persons as mentioned in the Registeration Sale deed No. 3063 of 10/79 of the Registering Authority, Phillaur,

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge Jullundur.

Date: 9-6-1980

Scal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2140.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

- (1) Shri Bhupinder Rai S/o Sh. Behari Lal R/o Country House near D.A.V. College, Abohar.
- (2) Shri Rajan Setia S/o Sh. Sohal Lal, R/o Vill. Sapa Wali Abohar Now H. No. 1367 Gali No. 7-8, Mandi Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,

 (Person whom the under signed knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1952 of 11/79 of the Registering Authority, Abohar.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2141.—Whereas I, J. S: AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961): (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at House No. 52 (P) Gali No. 2 Ferozepore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepore on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Raghu Nath Sahai Saksena alias Bachan and Bhim Sain Sons of Ch. Shiv Sahai, Sahai Gali No. 2 Forozepore Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Tara Chand S/o Sh. Lekh Raj, Gali No. 2, Ferozepore Cantt.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the under signed know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dates of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3419 of 10/79 of the Registering Authority, Ferozepore:

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 12th Jime 1980.

Ref. No. A. P. No. 2142.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Sulthanpur Road, Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Svatari Devi D/o Ambica Prashad at present at Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sawaran Singh S/o Sh. Dial Singh, Sultanpur Road, Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per Sr; No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichiever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2066 of 10/79 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Rungo, Jullundur

Date: 12-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD-380009.

Ahmed bad-380009 the 13th May 1980

Ref. No. P.R. No 1023 Acq/23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number Opp. Shri Raj Cinema situated at Opp. Raj Talkies, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 11-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the actoresaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Soni Vithaldas Laljibhai; Bharati Guest Figuse; Sangerwa Chawl, Rajkot.

(Transferor)

 Shri Udhayabhai Jayantlbhai Plan, Sangarwa Chawl, Rajkot.

(Transferee)

3. Shri Nathalal Mulji Kaleria Bharati Guest House, Opp. Raj C^lnema Rd. Rajkot.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land, adm. 90 Sq. yds. known as Bharati Guest House, situated Opp. Shrl Raj Cinema, Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 6031 dated 11-10-1979.

S.C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Date: 13-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th May 1980

Ref. No. P.R. No. 931/Acq/23-11/80-81—Whecars I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old Rev. S. No. 97 paiki and 96 paiki, Ward No. 13, S. No. 2363-4 situated at Ghod-dod Road, Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Surat on 5-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; *nd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratilal Rambhai Patel;

Village : Varad; Post : Varad.

Taluka: Bardoli, Dist. Surat.

(Transferor)

(2) 1. Sushilaben Vijakumr Shah;

Navapura, Dalia Sheri, Surat.

- 2. Binaben Vastupal Shah; Navapura, Dalia Sheri, Surat-
- 3. Prabhaben Dipakkumar Navapura, Dalia Sheri, Surat.
- 4. Vibhaben Dilipkumar Navapura, Dalia Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at New S. No. 2363-4, Ghod-dod Road, Villago Athwa, Surat duly registered at Surat on 5-10-79 vide No. 3595.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Date: 15-5-1980

Scal:

FORM. TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, 24th May 1980

No. P.R. No. 932/Acq/23/7-4/80-81—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

City S. No. 181 R. S. No. 285 Tika No. 42 land situated at Near Mafatlal Gagaldas Hospital, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 9-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been for which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manubhai Bhuljibhai Dasai & others; Bhim Bhavan Navsari Housing Society, Navsari.

(Transferor)

 President: Shri Homi Sorabji Cooper C/o. Gaya Apyartment Socity; Near Mafatlal Hospital, Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land situated at City S. No. 1881, R. S. No. 285, Tika No. 42 admeasuring 1001 metres situated near Mafatlal Gagaldas Hospital, Station Road, Navsari duly registered at Navsari on 9-10-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
of Income-tax, Acquisition Range-II
AHMEDABAD.

Date: 24-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th May 1980

Ref. No. P.R. No. 933/Acq/23/19-8/80-81-Whereas, I, S.C.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 2363, Wd. No. 3, situated at

Khagad Sheri, Salabatpura, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-10-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

30---136G1/80

1. Shri Rangildas Nagindas; Shri Mohanlal Nagindas; Talvali Sheri, Salafatpura, Surt.

(Transferor)

2. Smt, Hemlata Ratanlal; Piperdi Sheri, Salabatpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2363, Wd No. 3, Salabatpura, Surat admeasuring 96 sq. metres, duly registered at Surat on 18-10-79

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Date: 24th May, 1980

Soal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri B.K. Chinnuswamy, 19B1, Kamaraj Nadar St., Gobichettipalayam.

(Transferor)

 Shri Rajendran, S/o. Raju V. S. Pathi Vilas Road, Govichettipalayam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-I, MADRAS Madras-600006, the 5th Mey 1980

Ref. No. 10482—Whereas I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. 19B(1), Kamaraj Road situated at Veerapandi Kaspa Gobichettipalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Dc. 2690/79) on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 19B(1), Kamaraj Nadar St., Voerapandi Gobichettlpalayam.
(Doc. 2690/79).

Radha Balakrishnan
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, MADRAS-600006.

Date: 5-5-1980

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10482—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19B(1), Kamaraj Nadar St., situated at Veerapandi Gobichettipalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferrd under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. 2691/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri B.K. Chinnuswamy, 19B(1), Kamaraj Nadar St., Gobichett^lpalayam.

(Transferor)

 Dr. C. Vijayalak hmi w/o Rajendran, V. S. Pathy Vilas Road Gobichettipalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19B(1), Kamaraj Nadar St., Veerapandi Gobichettipalayam. (Doc. 2691/79).

Radha Balakrishnan
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, MADRAS-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-5-1980

Scal;

PORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600006.

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No. 10480—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S No. 92/2 situated at Kumaranagar Extension, Thottipalayam, Tiruppur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 2992/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Maragadammal
 Shri K.S. Krishnamurthy,
 Shri K.S. Sambandam,
 Shri K.S. Dakshinamurthy,
 Shr K.S. Sivakumar (Alias) Babu,
 Shri K.S. Jayakumar
 C/o K.N. Sundaram Chettiar,
 Kumaranagar Extension, Tiruppur.

(Transferor)

 Shri Sundaram Ponnuswamy, Perumanallur Road Tiruppur.

Shri N. Muthuswamy, S/o Narayanaswamy Gounder, Ramayyagoundanpalayam, Perunthonavu Village S. Maragadammal W/o

Shri K.N. Sundaram Chettiar, Kumaranagar Extension, Tiruppur.

P. Subbulakshmi, W/o Perlaswamy gounder, Murungapalayam Extension Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 92/2 in extent 0.73 cents Thottipalayam Kumaranagar Extension, Tiruppur. (Doc. 2992/79).

Radha Balakrishnan
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, MADRAS-600006.

Date: 8-5-1980

Seal;

Shri Ramakrishnammal A.G. Ramadoss for Chitralekha S/o Govindaraju Naicker, Anaimalai, Pollachi Tk. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Pankajam for Venkateswaran Minor P. Lakshmanan, Devarayapuram Majara Senrampalayam, Pollachi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADRA-600006.

MADRAS-600006 the 8th May 1980

Ref. No. 10465 —Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 612/1, 611/1 and 613 situated at "Odayakurama Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai (Doc. 1205/79) on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 611/1, 612/1, & 613 in extent 7.41 Acres at Odayakurama Village.

(Dec. 1205/79).

Radha Balakrishnan
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, MADRAS-600006.

Date: 8-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No. 10450 - Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No Plot No. 302, T. S No. 11/639 situated at Sanganur, Colmbatore (and more fully described in the schedule nnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices at Gandhipuram (Doc. 3223/79) on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. R.M. Visalakshi, 368 C, Cross Cut Road, Coimbatore. (Transferor)
- Al. S. Thiagarajan, S/o AL. Singaram Chettlar 42, Rajaji Road, Ramnagar Colmbatore.

 (Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 302, TS. No. 11/639, Sanganur (Doc. 3223/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 8-5-1980. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, HYDERABAD

HYDERABAD-600006, the 8th May 1980

No. RAC No. 138/80-81:—Whereas I, K. K. Veer, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 6-3-628/13 situated at Khalrabad, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer at Khalrabad on October 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri P. Hanumantha Rao, H. No. 11-5-401 at Red Hills, Hyderabad.
 - (Transferor)
- Dr. A. V. Ramana Rao, 2. Dr. A. Suresh Ramana Rao, 3. A Chiranjeevi Hamana Rao, 4. A. Sumantha HRamana Rao, minors guardian Dr. A. C. Renera Rao, all residing at H. No. 6-3-628/13 R vindranagar, Khairtabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 6-3-628/13 constructed on Plot No. 6 situated at Ravindranagar, Khairtabad, Hyderabad, registered vide Document No. 2649/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Hyderabad.

Date: 28-5-1980.

FORM YTHS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, HYDERABAD

Hyderebad, the 5th May 1980

No. RAC No. 139/80-81:—Whereas I, K. K. Veer, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ist floor of situated and 6-3-612/E Anandnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khartabad on October 1979.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1 Smt. G. S. Sowbhagyavathi, 6-3-5998/51-/4 Anandnagar, Hyderabad. (Transferor)

2. Shri Moh. Masood Ali, 22-1-358/1 Sultanpura, Hydera-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. M. No. 6-3-612/E at Khairtabad, Hyderabad, registered vide Document No. 2667/79 in the office of the Sub-Registerar Khartabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissoner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-5-1980

Scal 1

1. Sri S. Yadi Reddy, 2. M. Penta Reddy, 16-2-75 at T. R. Nagar, Saidabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Raghava 2. Sri Housing Co-operative Society. 16-2-751 T. R. Nagar, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyucrabad the 8th May 1980

No. RAC/No. 140/80-81:-Whereas I, K. K. Veer, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 293, 294, situated at Karan Bagh, Gaddiannaram, (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Azampura, on Oct. 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

31-136GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 293 and 294 at Karan Bagh, Gaddiannaram, Villg. Hyderabad, registered vide Document No. 2878/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Hyderabad.

Date: 28-5-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

No. RAC/No. 141/80-81:—Whereas I, K. K. Veer, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. N. 293 situated at 294 Gaddiannaram, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, on Oct. 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. S. Yadreddy, S/o. Krishna Reddy, 16-2-751 Kasar Bagh' Gaddiannaram, Hyderabad.

(Transferor)

 Shri Raghava-Co-operative Housing Society, 16-2-751 T. R. Nagar, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 293 and 294 at Karan Bagh, Gaddiannaram, Hyderabad, registered vide Document No. 2877/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEBR,
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-tax,
Hyderabad.

Date: 28-5-1980

Sael:

 Shri Y. D. Benjamin, H. No. 4-1-1236/4 King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri G. Vinod Kumar, 4-1-246 Tropp Bazar, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

No. RAC No. 142/80-81:—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-3-8 situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairtabad, on Oct. 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on Plot No. 124 in S. No. 212, Municipal No. 1-3-8 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 2715/79 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 143/80-81.—Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-4 situated at Ameerpet, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on Oct. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Humayun Ahmed Khan & others, H. No. 11-4-634/1 A. C. Guard, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. C. Susheela Devi W/o C. Krishna Rao, H. No. 47/B S. R. Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. B in M. No. 7-1-4 at Ameerpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2727/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri A. Pattabhiramiah, 411-Magadi Chord Road, Bangalore-40. (Transferor)

(2) Sri N. Satyanarayana Murthy, R/o Nadgudi-Villg. Narsapur' Tq. West-Godawari-Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 144/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 situated at Errammanzil, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad, on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, No. 4 in S. V. Narsiah layout at Erram Manzil, Hyderabad, registered vide Document No. 6059/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 145/80-81.—Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-rnd bearing No.

Plot No. 9 situated at Panjagutta Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad, on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri G. Krishna Murthy S/o Subramanyam, H. No. 6-3-841/A Amerpet, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri M. Narayana S/o M. R. Venkata Subbiah, H. No. B-8 F-1 Vijayanagar Colony, Hydorabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot. No. 9 in survey No. 185, 186 at Khairtabad, Hyderabad, registered vide Document No. 2559/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 146/80-81.—Whereas I K. K. VFFR, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port. 6-2-655 situated at Chintal Basti Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Oct.-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Bilquis Jehan Begum, 10-1-123/A, Masab-Tank, Hyderabad,
 Smt, Naimunnisa Begum, 1-8-321 at Begumpet, Hyderabad.
 Smt. Shahriyar Jehan Begum, G. P.A. Sri Ghiasuddin Babukhan, H. No. 5-4-86 at M. G. Road, Secunderabad.

 (Transferor).
- (2) Sri J. Mallesh, S/o J. Lingaiah, 6-2-655 at Chintal Basti, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building in M. No. 6-2-655, at Chintalbasti, Khairtabad, Hyderabad, admesuring 2350 00 Sq. Yds. registered vide Document No. 2674/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-5-1980

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Savitri Devi, & others, H. No. 2-2-10 at Univarsity Road, Hyderabad. (Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Bai, H. No. 2-3-7/12/1 at Golnaka Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 147/80-81.—Whereas, 1 K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot. No. 1-10-1/8 situated at Ashoknagar Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on October-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 1-10-1/8 at Ashoknagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5914/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, dated the 28 May, 1980

Ref. No. RAC. No. 148/80-81.—Whereas, I, K.K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 50 situated at Sikh Village Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on Oct.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

ng persons, namely:—
32—136GI/80

- Sri Sardar Gurumukh Singh, G. P. A. Sri S. Harwand Singh, H. No. 6-2-338/3 at Chintal Basti, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Sri Prem Prakash Mehra, Plot, No. 50, S/o Badrinath Mehra, R/o Plot No. 50 Sikh Village, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 50 in CS. No. 10 at Sikh Village, Secunderabad, 400 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2441/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: ; 28-5-1980.

FORM ITNS----

 Smt. T. Savitri Devi & others, H. No. 2-2-10 at University Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Syamala Bai & others, H. No. 2-3-7/12/1 Golnaka, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 149/80-81.—Whereas I, K·K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot in 1-10-1/8/A situated at Ashekrager, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad, on Oct.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a periof of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot in house M. No. 1-10-1/8/A at Ashiknagar, Hydelatad, registered vide Doc. No. 5796/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Rang, Hyderabad

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SENIOR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 150/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17-1-200 situated a Saidabad Hyderabad

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Azampura, on Oct. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) S/Srl Dinubhai Desai, 2. Ashok kumar Desai,
- Kaoushik Dosal, 4. Hasmukh Bhai Desai,
 Madhusudhan Desai, all residing at 4-3-314 at Bank Street, Kothi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Nath Peters Pharmaceuticals, Co., 17-1-200, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 17-1-200 at Saidabad, Hyderabad, registered vide Document No. 2906/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 151/80-81.—Whereas, I K. K. VEFR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot. No. 33 situated at Wellington Road, Sec-bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Oct.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Stanley Subhakar, H. No. C-123, H.A.L. Colony, Hyderabad, 42.

(Transferor)

(2) Mrs. A. Hymavathy, C/o N. V. Rao, Plot. No. 33, at Wellington Road, Picket, Secunderabad.

(Trasferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 33-at Wellington Road, Kakaguda-Village, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2497/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 152/80-81.—Whereas, I K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 146, to 149 situated at Lothukunta Villg. Sec-bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad, on Oct.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suraj Gowli, S/o Sti Rajaram, H. No. 76/A at Trimulgherry, Secunderabad.

(Trunsferor)

(2) The Lokayathra Co-operative Housing Society Ltd., 3-6-240/A/2 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Acrs 37 1/2 Guntas, in survey Nos. 146, 147, 148, and 149 at Lothukunta village, Secunderabad, registered vide Document No. 2449/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date; 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, dated the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 153/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land-S. No. 146 to 149 Lethkunta situated at Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad, on Oct.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Suraj Gowli, S/o Sri Rajaram, H. No. 76/A at Trimulgherry, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Lokayathra Co-operative Housing Society, Ltd., H. No. 3-6-240/A/2 Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring | Acre in survey No. 146, 147, 149 at Lothukunta village, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2534/79 - In the Office of the Sub-Registrar-Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri Narendra S/o Sri Thakarsi, H. No. 15-Balaji Nilayam, 2nd Cross Magli Road, Bangalore.

(Transferor)

 (2) Swastik Enterprises, 5-9-299 Gunfoundry, Hyderabad,
 (Now at Tara Mandal OPP: to A·G.'s office Saifabad, Hyderabad)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, dated the 28th May, 1980

Ref. No. RAC. No. 154/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-299 situated at Gunfoundery, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on Oct. -79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building M. No. 5-9-299 at Gunsoundry, Hyderabrd registered vide Doc. No. 6079/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEFR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisiton Range, Hyderabad.

Date: 28-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 155/80-81,-Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

5-9--22/1/1 situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on Oct. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri D. Subbaraya Sastry, H. No. 9-Jagadamba St. Thyagaraya Nagar, Madras. (Presently residing at H. No. 6549 Rasthrapathi Road Secunderabad.)

(Transferor)

(2) Sri Gopal Motwani, S/o Bikhchand H. No. 5-9-22/7 at Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land in Plot. No. 8 and M. No. 5-9-22 /1 situated at Adarshnagar Shapurwadi, Hyderabad, registered vide Doc. No. 6201/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, dated the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 156/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3-5-141/E/6 situated at Eden Bagh Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore at Hyderabad on Oct.-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sri Vijaya Kumar Devda, H. No. 15-6-502 Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Chaganial Devada, H. No. 3-5-141/5/2 Eden Bagh, Ramkote, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the acrvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No 3-5-141/E/6 situated at Eden Bagh, Hyderabad, registered vide Document No. 6025/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incornetax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th May 1980

Ref. No. RAC. No. 157/80-81—Whereas, I, K.K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-612/E situated at Anandnagar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Oct.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Srnt, G. S. Sowbhaygya Wati, 6-3-598/51/4 at Anandnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashraf Shahnaz Masood W/o Sri Mohammed Masood Ali Abid, 22-1-358/1 at Sultanpura, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. No. 6-3-612/E at Anandnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 2949/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 28-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1980

Ref: 703/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Dag No. 420 Kh. No. 90 situated at Mouza-Bansdroni, 24 Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Behala 24-Parganas on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Alamelu Narayan, 6, Mahanirvan Road, Calutta. (Transferor)
- (2) Smt. Jharna Saha w/o Sri B. L. Saha.

(Transferee,)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottans together with one storeyed building erected thereon at Dag No. 420, Kh. No. 90 of Mouza-Bansdroni, P. S. Jadavpur.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 9-6-1980

Seal

•

`